देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

शानदार 32वां वर्ष

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

अक्टूबर-2025, अंक-4

न्यूज मैगजीन

मूल्य ₹25

कुलदीप-अभिषेक पूरे टूर्नामेंट में छाए रहे

दीपावली की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

टीम इंडिया के माथे पर चमके तिलक

शुभमन गिल को मिली बड़ी जिम्मेदारी

भारत नौवीं बार जीता एशिया कप

भारतीय सरजमी पर वेस्टइंडीज का खराब रिकार्ड बरकरार

जीत के बाद टीम इंडिया ने की पाकिस्तान की भयंकर बेइज्जती

खेल सम्मान समारोह पर विशेष कवरेज

सेंटर पेज

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स खेल अवार्ड

पद्मश्री सुशील दोशी, हॉकी ओलंपियन शिवेंद्र सिंह सहित 34 खेल हस्तियां सम्मानित

आरएनआई नंबरः 69917/96 डाक पंजीयन म.प्र. / भोपाल / 607 / 2024-26 / 1 तारीख को प्रकाशित / डाक पोस्टिंग 5 तारीख

Email: nationalsportstimes@yahoo.com, nationalsportstimes@gmail.com Website: nationalsportstimes.org

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
मध्यक्षेत्र, भोपाल

आपके सूझबूझ से उठाएं गए कदम

आपके सुखद भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं

- बीमा राशि तथा 04 निवेश फ़ंड्स में से 01 में निवेश, हितलाभ के साथ जीवन बीमा संरक्षण
  ग्रोथ फ़ंड | बैलेन्स्ड फ़ंड | सिक्योर्ड फ़ंड | बॉण्ड फ़ंड
- गारण्टीड एडीशन्स उपलब्ध

एलआईसी का
निवेश प्लस
UIN: 512L317V02 | Plan No: 749

एलआईसी के निवेश प्लस,
एक यूनिट लिंक्ड इंश्योरेन्स प्लान
में एक बार भुगतान के साथ निवेश

एक नॉन-पार, लिंक्ड, जीवन, व्यक्तिगत बचत योजना

हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'
अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेन्ट/नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें या आपके शहर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें

डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप LIC digital
विज़िट करें: licindia.in
कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
मध्यक्षेत्र, भोपाल
हर पल आपके साथ

LIC/P1/2024-25/41/Hin

नकली फोन कॉल्स और झूठे/धोखाधड़ी पूर्ण ऑफ़र्स से सावधान रहें. आईआरडीएआई जीवन बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस घोषित करने या प्रीमियमों के निवेश जैसी गतिविधियों में संलग्न नहीं है. ऐसे फोन कॉल प्राप्त करने वाले व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करवाएँ. बिक्री समापन से पूर्व अधिक जानकारी या जोखिम घटकों, नियम और शर्तों के लिए बिक्री पुस्तिका को ध्यानपूर्वक पढ़े.

लिंक्ड इंश्योरेन्स प्रोडक्ट्स पारंपरिक इंश्योरेन्स प्रोडक्ट्स से भिन्न होते हैं तथा उनके साथ जोखिम घटक होते हैं.
लिंक्ड इंश्योरेन्स पॉलिसियों में अदा किए गए प्रीमियम के साथ पूंजी बाजार तथा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स से जुड़े निवेश जोखिम होते हैं. फ़ंड की कार्यकुशलता तथा पूंजी बाजार/सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स को प्रभावित करने वाले घटकों के आधार पर युनिट्स के एनएवीज़ घट-बढ़ सकते हैं तथा बीमित व्यक्ति अपने निर्णयों के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा.
भारतीय जीवन बीमा निगम/लाइफ़ इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया केवल जीवन बीमा कंपनी का नाम है तथा निवेश प्लस केवल लिंक्ड इंश्योरेन्स संविदा का नाम है तथा किसी भी रूप में संविदा की गुणवत्ता, इसकी भावी संभावनाओं या आमदनियों की ओर संकेत नहीं करता है.
कृपया अपने बीमा एजेन्ट या मध्यावर्ती या इंश्योरेन्स कंपनी द्वारा जारी पॉलिसी दस्तावेज से संबंधित जोखिमों और लागू प्रभारों की जानकारी प्राप्त कर लें.
इस संविदा के अंतर्गत पेश किए गए विभिन्न फ़ंड्स केवल फ़ंड्स के नाम हैं तथा वे किसी भी रूप में इन प्लान्स की गुणवत्ता, उनकी भावी संभावनाओं तथा आमदनियों की ओर संकेत नहीं करते हैं.

JAGRAN SOCIAL
WELFARE SOCIETY

FROM BEING BHOPALS'
FIRST PUBLIC SCHOOL
TO BECOMING ITS FIRST CHOICE

WE DON'T JUST TEACH WE TRANSFORM

In 2000, we dared to dream and became the first public school in Bhopal
Since then, we've touched over 30,000 young lives, helping each child
rise with confidence, compassion, and character.

25 years later, the dream still grows!

THE JOURNEY SO FAR IS ONLY THE BEGINNING

• JUNIOR PADMA SHRI AWARDEE • 6 EKLAVYA AWARDEES • BEST SCHOOL FOR PROMOTING SPORTS
• A PROUD DIPSITE AT NASA • 2000+ NATIONAL & INTERNATIONAL-LEVEL ATHLETES • TRUSTED BY 20,000+ PARENTS
• 2 VIKRAM AWARDEES • 3 PRATIBHA KHILADI AWARDEES • LEGACY OF AIR HOLDERS AND STATE TOPPERS IN CBSE EXAMS YEAR ON YEAR

Celebrating 25 Years DELHI PUBLIC SCHOOL BHOPAL

DELHI PUBLIC SCHOOL
Bhopal

Laying the foundation of excellence

PROMOTED BY JAGRAN SOCIAL WELFARE SOCIETY

www.dpsbhopal.org

PRISTINE IDEAS.COM

यूको बैंक
UCO BANK
83 YEARS OF THE NATION'S TRUST
This festive season, step into your dream home
and drive your dream car with UCO Bank
FESTIVAL
BONANZA
OFFER
100%
WAIVER
ON PROCESSING
AND DOCUMENTATION CHARGES
HOME LOAN
ROI
7.35%*
p.a.
EMI
689/-*
per lac
CAR LOAN
ROI
7.70%*
p.a.
EMI
1544/-*
per lac
*T&C Apply
1800 8910 (Toll Free) 8334001234 7766399400 www.uco.bank.in
Follow us on

Treadmills | Ellipticals | Home & Commercial Gyms.
Rowers | Mountain Bikes | Massage Chairs | Accessories Etc.

Available Brands

VIVA FITNESS
#PushYourself

NordicTrack

Reebok Etc.

BUY BACK SCHEME AVAILABLE*

For Home, Commercial & Corporate Use

Rahurikar's Advance Fitness
Where Fitness is the Only Concern

AN ISO 9001-2008 CERTIFIED CO.
6, A-B, Malviya Nagar Near Airtel Office, Bhopal
website : www.advancefitness.co.in
Ph.: 0755-4044440, 7509068004, 9826054741
FF-31 & 32, Cosmos Mall, Nanakheda, Ujjain (M.P.)
PH: 7509068022

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

पंजीयन संख्या (आरएनआई): 69917/94, डाक पंजी. न. मप्र/भोपाल/607/2024-26

■ वर्ष-32 ■ अंक-4 ■ क्रमांक-301 ■ अक्टूबर-2025 ■ मूल्य-25 रूपये

संपादकीय मंडल

प्रधान संपादक	:	इन्द्रजीत मौर्य
कार्यकारी संपादक	:	सुरेश कुमार
प्रबंधक	:	मयूरी मौर्य
विज्ञापन प्रबंधक	:	अजय मौर्य
विज्ञापन सहायक	:	रामेश्वर भार्गव
डिजाइनिंग	:	सुरेन्द्र डहारे
फोटो जर्नलिस्ट	:	मनीष शुक्ला
कार्टूनिस्ट	:	वीरेंद्र कुमार ओगले

सलाहकार संपादक

- अरुणेश्वर सिंहदेव
- समीर मिरीकर
- अरुण भगोलीवाल
- सुशील सिंह ठाकुर
- आशीष पाण्डे
- राजीव सक्सेना
- शांति कुमार जैन
- शंकर मूर्ति

विशेष संवाददाता / समीक्षक

हरेंद्र नागेश साहू, हरीश हर्ष, चरनपालसिंह सोबती, वीरेन्द्र शुक्ल, सरिता अरगरे, मोहन द्विवेदी, मोहम्मद ईशाउद्दीन, धर्मेश यशलाहा, दामोदर आर्य, डॉ. मुनीष राणा, प्रशांत सेंगर, सुदेश सांगते, डॉ. प्रशांत मिश्रा, विजय रांगणेकर, अनुराग मिश्रा, अमरनाथ, मो. अफरोज, दीपक शर्मा, आत्माराम भाटी।

संपादकीय कार्यालय

बी-10, छत्रपति नगर, अयोध्या बायपास, भोपाल
फोन : 0755-4218892,
मोबाइलः 094250-25727, 8349994166

पंजीयन कार्यालय : ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल, मप्र-462023,

E-Mail: nationalsportstimes@Yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोटो स्रोतः इंटरनेट, सोशल मीडिया, अखबार एवं ब्यूरो कार्यालय

ब्यूरो कार्यालय

इंदौर, उज्जैन, नागदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, बुरहानपुर, धार, जबलपुर, ग्वालियर, दतिया, रीवा, सतना, खण्डवा, खरगोन, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, इटारसी, रतलाम, शिवपुरी, ललितपुर, झाँसी, नागपुर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंबई, रत्नागिरी, कोलहापुर, पूना, जलगाँव, दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, लुधियाना, जालंधर, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिर्जापुर, जयपुर, पटना, नैनीताल, देहरादून, कुमाऊ, गाजियाबाद, एंगुल (उड़ीसा), ऊना, शिमला, भुवनेश्वर।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक इन्द्रजीत मौर्य द्वारा सुलेख आफसेट प्लाट नं. 150, एल-5, मनोरमा काम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित तथा ई-197, मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, राज होम्स कॉलोनी, भोपाल से प्रकाशित। संपादक इन्द्रजीत मौर्य।

खेल पत्रिका में प्रकाशित लेखों की जिम्मेदारी लेखक की है। प्रकाशक एवं संपादक का लेखक से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।

19 टेस्ट मैच

भारतीय सरजमी पर वेस्टइंडीज का खराब रिकार्ड बरकरार, भारत ने पहला टेस्ट ढाई दिन में ही जीता

अंदर के पन्नों पर

रोहित को वनडे कप्तानी से हटाना जल्दबाजी	07
गिल को मिली बड़ी जिम्मेदारी	08
सुपरओवर में हाईवोल्टेज ड्रामा	18
महिला विश्व कप क्रिकेट कुछ खास	21-24
मिलिए बीसीसीआई के नए अध्यक्ष से	25
क्रिकेट बैट पर विशेष रिपोर्ट	26
एशिया के बाद अब विश्व कप का इंतजार	30
हॉकी स्पीड और पॉवर का खेलः शिवेंद्र सिंह	35
विश्व कप पोडियम फिनिश लक्ष्यः विवेक सागर	36
फुटबाल को गोल से बचाने की कोशिश	38
भारत ने हासिल किया विश्व कप टिकिट	40
विश्व पैरा एथलेटिक्स, भारत को 22 पदक	49

Website: www.nationalsportstimes.org

देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

आज ही अपनी प्रति बुक कराएं...

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

घर बैठे कैसे पाएं

आपको सिर्फ इतना करना है कि आप इस कूपन को भरकर भेजें और नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स खुद चलकर आपके घर दस्तक देगा।

मैं .... नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स का वार्षिक सदस्य बनना चाहता/चाहती हूं। वार्षिक शुल्क 300 रुपए, दो वर्ष के लिए 600 रुपए (50 रुपए की छूट), तीन वर्ष के लिए 900 रुपए (80 रुपए की छूट), पांच वर्ष के लिए 1500 रुपए (100 रुपए की छूट) एवं आजीवन सदस्यता 15,000 रुपए मनीआर्डर या नगद .... से भेज रहा हूं।

पूरा पता ....
....

मो. .... ईमेल.......................................

नोटः *मनीऑर्डर या नगद राशि नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के नाम से भेजें। *आपकी सदस्यता राशि प्राप्त होने के अगले माह से पत्रिका के अंक नियमित रूप से भिजवाए जाएंगे। *पत्रिका केवल डाक द्वारा ही भेजी जाएगी। *किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।

पत्रिका प्राप्त करने के लिए इस पते पर संपर्क करें: ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंस, जेके रोड, भोपाल-462023 (मप्र)

E-Mail: nationalsportstimes@yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोनः 0755-4218892, मोबाइलः 09425025727

मेरी बात...

इन्द्रजीत मौर्य
प्रधान संपादक

रोहित को वनडे कप्तानी से हटाना जल्दबाजी

रोहित शर्मा का भारत के कप्तान के तौर पर कार्यकाल 4 अक्टूबर 2025 को समाप्त हो गया जब चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने शुभमन गिल को नया एकदिवसीय कप्तान घोषित किया। शुभमन गिल जल्द ही ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। भारत इस साल की शुरुआत में रोहित शर्मा की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद 50 ओवर के क्रिकेट में अपना पहला मैच खेलेगा। 2021 में सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी संभालने के बाद से रोहित का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा। उनका जीत प्रतिशत 73.5 रहा। 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी करने वाले में यह सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हैं। भारत को 6 महीने के अंदर टी20 विश्व कप खिताब और चैंपियंस ट्रॉफी जिताने वाले रोहित 2023 में विश्व कप खिताब जीतने के बेहद करीब थे। हालांकि, मुंबई के इस खिलाड़ी को शुरुआती दिनों में सक्षम कप्तान नहीं माना जाता था।

फैसले से नाराज मोहम्मद कैफ ने भारतीय वनडे टीम की कप्तानी में अचानक हुए बदलाव पर अपनी राय रखी। कैफ ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाने के फैसले की आलोचना की और कहा कि भारतीय मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शुभमन गिल को उम्मीद से बहुत पहले ही यह पद संभालने की जिम्मेदारी दे दी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज कैफ ने इस बात पर खेद जाहिर किया कि रोहित को वनडे कप्तान के रूप में लंबे समय तक नहीं रहने दिया गया जबकि उन्होंने इस प्रारूप में बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है। उनका मानना है कि रोहित के पास आईसीसी विश्व कप 2027 तक टीम का सही तरीके से नेतृत्व करने के लिए अनुभव, फिटनेस और स्किल है।

मोहम्मद कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा कि रोहित शर्मा ने क्या गलत किया है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि रोहित को लंबे समय तक कप्तानी करने का मौका नहीं मिला। वो चार साल भी टीम की कप्तानी नहीं कर पाए। वो एक बेहतरीन बल्लेबाज, एक बेहतरीन कप्तान हैं और कप्तान के तौर पर उनका रिकॉर्ड और भी शानदार हो सकता था। जब आप कप्तानी छीन लेते हैं तो मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी अपना दाहिना हाथ खो देता है। कैफ ने कहा कि चयनकर्ताओं को कप्तानी में बदलाव के लिए 2027 के आईसीसी विश्व कप तक इंतजार करना चाहिए था। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से ठीक पहले रोहित शर्मा को कप्तानी पद से हटाने के फैसले पर खुलकर बात की। गावस्कर ने कहा कि चयन समिति ने सही फैसला किया है, लेकिन साथ ही ये चेतावनी भी दी कि ये और बुरी खबरों की शुरुआत हो सकती है। गावस्कर ने यह भी कहा कि रोहित को भारत की वनडे कप्तानी से हटाना टीम के लिए और बुरी खबरों की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी अगले दो सालों में अपनी उपलब्धता या तैयारी को लेकर अनिश्चित हैं उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अगर आप यह नहीं कह सकते कि आप अगले दो सालों के लिए तैयार होंगे या नहीं तो और बुरी खबरों के लिए तैयार रहें।

रोहित शर्मा ने वनडे प्रारूप में अपनी कप्तानी का लोहा मनवाया है। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने कुल 56 मुकाबले खेले जिनमें हिटमैन ने 42 मैचों में जीत दिलाई, जबकि 12 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक मैच टाई रहा और एक मैच बिना परिणाम के समाप्त हुआ। इस तरह रोहित शर्मा का वनडे कप्तान के रूप में जीत प्रतिशत 75 के करीब (74.54%) है, जो उनकी नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक सोच को दर्शाता है। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने बड़े टूर्नामेंट्स और अहम सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिससे वह आधुनिक क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में शुमार होते जा रहे हैं।

रोहित और विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लंबे वक्त के बाद खेलते नजर आएंगे। दोनों को पिछली बार मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए खेलते देखा गया था। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक के अलावा आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में सर्वाधिक रन बनाए थे। वहीं, रोहित ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ विजयी पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए गिल को कप्तानी सौंपे जाने के फैसले से रोहित के प्रशंसक काफी हैरान हैं। हालांकि, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा होने के बाद बताया कि गिल को किस कारण कप्तानी सौंपी गई। अगरकर से जब रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को कप्तानी सौंपे जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि गिल को कप्तानी सिर्फ वनडे विश्व कप 2027 को देखते हुए नहीं सौंपी गई है, बल्कि लंबी अवधि के लिए है। अगरकर के बयान से स्पष्ट है कि भारतीय टीम ने विश्व कप की रणनीति बनाने पर काम शुरू कर दिया है और टीम गिल की अगुआई में वैश्विक टूर्नामेंट में उतरेगी। अगरकर ने हालांकि, उन खबरों को खारिज किया जिसमें दावा किया जा रहा था कि यह सीरीज रोहित और कोहली की आखिरी सीरीज हो सकती है। बीसीसीआई के लिए रोहित को कप्तानी से हटाना जल्दबाजी भरा फैसला है, जिसकी आलोचना कई सीनियर क्रिकेटरों ने की है।

विशेष

मीराबाई चानू के जज्बे को सलाम

भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू पिछले कुछ सालों में मानसिक और शारीरिक तनाव से काफी जूझती नजर आई थीं। पेरिस ओलंपिक और उससे पहले एशियन गेम्स 2023 में चौथे स्थान पर रहते हुए निराशा उनके हाथ लगी थी। टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने के बाद से उन्हें किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पोडियम फिनिश का इंतजार था। अब आखिरकार नॉर्वे के फोर्डे में जारी विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीत लिया है। यह इस प्रतियोगिता के इतिहास में उनका तीसरा मेडल है। वह कुंजारानी देवी (7) और कर्णम मल्लेश्वरी (4) के बाद दो से ज्यादा विश्व चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय भारोत्तोलक बन गई हैं। उनके जज्बे को पूरी देश सलाम करता है।

48 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई चानू ने स्नैच में 84 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम समेत कुल 199 किलोग्राम का भार उठाते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा किया। वह उत्तर कोरिया कि रि सोंग गुम से पीछे रहे गईं और गोल्ड मेडल जीतने से चूकीं। रि सोंग ने कुल 213 किलोग्राम का भार उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जबकि चीन की थान्याथन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्नैच राउंड के बाद चीन की वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से 4 किलोग्राम आगे चल रही थीं। मगर क्लीन एंड जर्क में मीराबाई ने कमाल किया और 1 किलोग्राम की कुल लीड से सिल्वर मेडल भारत की झोली में डाल दिया।

शुभमन गिल को मिली बड़ी जिममेदारी, श्रेयस अय्यर बने उपकप्तान

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इसके बाद 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज होगा। इस दौरे से पहले अब तय हो चुका है कि शुभमन गिल वनडे टीम के कप्तान बनाए गए हैं। वहीं श्रेयस अय्यर को उपकप्तानी दी गई है। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को वनडे कप्तानी से 2027 के विश्वकप को लेकर हटा दिया है।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे और टी20 टीम का एलान कर दिया है। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि श्रेयस अय्यर वनडे में टीम के उपकप्तान होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से वनडे सीरीज खेली जाएगी। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने टीम की कप्तानी पर बड़ा निर्णय लिया है। रोहित शर्मा अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिर्फ पूर्णकालिक बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। वहीं विराट कोहली को भी इस दौरे के लिए टीम में चुना गया है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे का कार्यक्रम : भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से पहले वनडे के साथ शुरू होगा। सीरीज के अगले दो मुकाबले 23 और 25 अक्टूबर को खेला जाएंगे। इसके बाद 29 अक्टूबर से आठ नवंबर तक पांच मौचों की टी20 सीरीज होगी।

श्रेयस अय्यर बने उपकप्तान।

टेस्ट के बाद अब वनडे टीम की करेंगे अगुआई : रोहित और कोहली ने भारत के लिए आखिरी मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। ये दोनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे में ही खेलते हैं। हालांकि, टीम अब रोहित के बजाए गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। मालूम हो कि रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गिल को ही लाल गेंद के प्रारूप की कप्तानी सौंपी गई थी। रोहित का वनडे कप्तान के तौर पर रिकॉर्ड शानदार रहा है। उनकी कप्तानी में ही टीम ने इस साल न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। रोहित की अगुआई में टीम ने 2023 वनडे विश्व कप में लगातार 10 मैच जीते थे और फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि टीम को खिताबी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था जिस कारण टीम इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करने से चूक गई थी।

रोहित, विराट की वापसी, श्रेयस का प्रमोशन : ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए जो टीम चुनी गई है उसमें कोहली को भी शामिल किया गया है। कोहली मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद पहली बार भारत के लिए खेलते दिखेंगे। रोहित और कोहली के फैंस उन्हें एक बार फिर भारतीय जर्सी में देखने के लिए उत्साहित होंगे। वहीं, श्रेयस अय्यर का प्रमोशन हुआ है और उन्हें वनडे टीम का उपकप्तान बनाया गया है। श्रेयस वनडे टीम के अहम खिलाड़ी हैं और अब वह लीडरशीप की भूमिका में भी नजर आएंगे।

गिल को क्यों सौंपी गई कप्तानी : ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए गिल को कप्तानी सौंपे जाने के फैसले से रोहित के प्रशंसक काफी हैरान हैं। हालांकि, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि गिल को किस कारण कप्तानी सौंपी गई। अगरकर से जब रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को कप्तानी सौंपे जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि गिल को कप्तानी सिर्फ वनडे विश्व कप 2027 को देखते हुए नहीं सौंपी गई है, बल्कि लंबी अवधि के लिए है। अगरकर के बयान से स्पष्ट है कि भारतीय टीम ने विश्व कप की रणनीति बनाने पर काम शुरू कर दिया है और टीम गिल की अगुआई में वैश्विक टूर्नामेंट में उतरेगी। अगरकर ने हालांकि, उन खबरों को खारिज किया जिसमें दावा किया जा रहा था कि यह सीरीज रोहित और कोहली की आखिरी सीरीज हो सकती है।

प्रियेश चौबे
रायपुर संवाददाता

हार्दिक-पंत और बुमराह को जगह नहीं : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह को टीम में जगह नहीं मिली है। हार्दिक एशिया कप फाइनल से पहले चोटिल हो गए थे जिस कारण उन्हें वनडे और टी20 दोनों टीम में शामिल नहीं किया गया है। हार्दिक की फिटनेस पर अगरकर ने अपडेट देते हुए बताया कि हार्दिक पूरी तरह फिट नहीं हैं जिस कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया है। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान चोटिल हुए ऋषभ पंत भी फिटनेस के कारण इस दौरे के लिए जगह नहीं बना पाए हैं। दूसरी तरफ, वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेल रहे जसप्रीत बुमराह को वनडे सीरीज के लिए आराम दिया गया है, जबकि टी20 सीरीज के लिए टीम में उन्हें चुना गया है।

वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

टी20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

मोदी की गारंटी से संवर रहा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

₹47,000 करोड़
की लागत से
रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

₹40 लाख से अधिक
परिवारों को स्वच्छ पेयजल
जल जीवन मिशन

₹26 लाख
परिवारों का पक्के घर का सपना साकार
पीएम आवास योजना

₹59 हजार
परिवारों को मिल रहा लाभ
पीएम जनमन योजना

₹6,691
ग्राम लाभान्वित
धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान

₹40,000 करोड़
से अधिक की लागत से
राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास

₹69 लाख से अधिक
महिलाओं के खातों में पहुँचे
₹12,376 करोड़
महतारी वंदन योजना

₹25.47 लाख
किसानों के खातों में पहुँचे
₹9,765 करोड़
पीएम किसान सम्मान निधि

सुशासन से समृद्धि की ओर

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

R.O. No. 13464/236

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प
अक्षय जल, सुरक्षित कल
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
जल गंगा संवर्धन अभियान
'जल की हर बूंद में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। इसलिए इस अमूल्य धरोहर की किसी भी मूल्य पर रक्षा करना हमारा दायित्व है।'
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
जल संरक्षण का 'जन संकल्प'
जल संचय में वृद्धि
₹2048 करोड़ लागत के 83 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण, जिससे खेत का पानी खेत में सिंचित होगा
₹254 करोड़ लागत से 1 लाख से अधिक कूप रीचार्ज
अमृत सरोवर 2.0 के तहत ₹ 354 करोड़ लागत से 1 हजार से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण
शहरी क्षेत्रों में 3300 से अधिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, 2200 नालों की सफाई एवं 4000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण पूर्ण
जनभागीदारी
40 लाख लोगों की भागीदारी से 5 हजार से अधिक जल स्त्रोतों का हुआ जीर्णोद्धार
My Bharat पोर्टल के माध्यम से 2.30 लाख से अधिक जलदूत बनाए गए
ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल का आयोजन
तकनीकी नवाचार
GIS आधारित SIPRI सॉफ्टवेयर के उपयोग से जल स्त्रोतों का चयन एवं AI आधारित मॉनिटरिंग की गई
नर्मदा परिक्रमा पथ एवं अन्य तीर्थ मार्गों के डिजिटलीकरण के जरिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखा जा सकेगा ख्याल
पर्यावरणीय एवं कृषि प्रभाव
57 प्रमुख नदियों में मिलने वाले 194 से अधिक नालों का चिह्नांकन एवं उनके शोधन के लिए योजना तैयार
जैव विविधता संरक्षण हेतु घड़ियाल और कछुओं का किया गया जलावतरण
145 नदियों के उद्गम क्षेत्रों को चिन्हित कर हरित विकास हेतु योजना तैयार
अविरल निर्मल नर्मदा योजना में 5600 हेक्टेयर में पौधरोपण प्रारंभ
वन्य जीवों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 2500 से अधिक तालाब, स्टॉप डैम का निर्माण
पौधरोपण हेतु लगभग 6 करोड़ पौधों की नर्सरी विकसित
वॉटरशेड हेतु कार्य
₹1200 करोड़ लागत की 91 वॉटरशेड परियोजनाएं स्वीकृत, 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा
9000 से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं के जरिए किसानों को 1 वर्ष में दो से तीन फसलों का मिल रहा लाभ
D19181/25

ASIA CATERING

(A Prestigious Caterer)

Vijay Kumar
Director, Asia Catering

Specialist in

- Outdoor Catering
- Marriage Reception
- Mess Catering
- Birthday Parties
- Corporate Meetings and Events

Office- A-315, Pallavi Nagar, Bawadiya Kalan, Bhopal- 462026

9826057495, 9425013598

Email- asiacateringbhopal@gmail.com, www.asiacateringbhopal.com

शानदार **32** वां वर्ष

भारत ने 28 सितंबर 2025 की आधी रात दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर नौवीं बार एशिया कप का खिताब जीता। खास रहा कि जीत का शॉट पूरे टूर्नामेंट में बेंच पर बैठे रहे रिंकू सिंह के बल्ले से निकला। हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में रिंकू सिंह को एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की प्लेइंग इलेवन में जगह मिली थी।

भारत नौवीं बार जीता एशिया कप

पाकिस्तान को पूरे टूर्नामेंट में धूल चटाई

मैन ऑफ द फाइनल तिलक वर्मा ने भारत की जीत में बड़ी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने **53** गेंदों में **69** रन ठोंकते हुए भारत को धमाकेदार जीत दिलाई।

सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया इस टूर्नामेंट में अजेय रही और लगातार सातवीं जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। इसी के साथ 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर सूर्यकुमार ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह सुनील गावस्कर और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे दिग्गजों की एलीट सूची में शामिल हो गए, जिनकी कप्तानी में भारत एशिया का बादशाह बनने में कामयाब रहा।

एशिया कप 2025 के फाइनल में रोमांच और जुनून चरम पर रहा। टीम इंडिया ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ भारत ने रिकॉर्ड नौवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की और एक बार फिर साबित कर दिया कि एशियाई क्रिकेट में उसका दबदबा कायम है।

दामोदर प्रसाद आर्य
खेल समीक्षक-कमेंटेटर

सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया इस टूर्नामेंट में अजेय रही और लगातार सातवीं जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। इसी के साथ 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर सूर्यकुमार ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह सुनील गावस्कर और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे दिग्गजों की एलीट सूची में शामिल हो गए, जिनकी कप्तानी में भारत एशिया का बादशाह बनने में कामयाब रहा।

एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। 2016 में पहली बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला गया। भारतीय टीम सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली टीम है। भारत ने नौवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, पाकिस्तान ने सिर्फ दो बार खिताब अपने नाम किया जबकि श्रीलंका ने छह बार एशिया कप की ट्रॉफी उठाई है। दिलचस्प बात यह है कि रविवार से पहले एशिया कप के 41 साल के इतिहास में कभी भी भारत-पाकिस्तान का फाइनल में आमना-सामना नहीं हुआ

था। लेकिन इतिहास पलटा और भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को एशिया कप 2025 में लगातार तीसरी बार हराकर खिताब जीता।

फाइनल मैच का रोमांचक हाल

भारत ने रविवार को पाकिस्तान पर जीत के साथ रिकॉर्ड नौवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की। मैच की शुरुआत में टॉस जीतकर भारतीय कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और यह निर्णय पूरी तरह सही साबित हुआ। स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की मजबूत बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया और पूरी टीम को महज 146 रन पर समेट दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआत में कुछ झटके जरूर खाए, लेकिन युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने शानदार जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने 53 गेंदों पर तीन चौकों और चार गगनचुंबी छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन ठोकते हुए जीत की मजबूत नींव रखी। आखिरी पलों में जब भारत को जीत के लिए कुछ ही रन चाहिए थे, तब रिंकू सिंह ने चौका लगाकर टीम को विजय दिलाई। ड्रेसिंग रूम में बैठे खिलाड़ी और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी अपनी खुशी रोक नहीं पाए। मैदान पर बल्ला लहराते तिलक और मायूस चेहरों के साथ खड़े पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तस्वीर ने इस ऐतिहासिक फाइनल को और भी यादगार बना दिया।

भारतीय खिलाड़ियों के नाम रही प्राइज सेरेमनी

एशिया कप 2025 के रोमांचक फाइनल के बाद प्राइज सेरेमनी में खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले के बाद कई खिलाड़ियों ने अवॉर्ड्स अपने नाम किए। सबसे पहले गेम चेंजर ऑफ द मैच का खिताब भारत के ऑलराउंडर शिवम दुबे को दिया गया, जिन्हें 3500 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। वहीं, युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने धमाकेदार पारी खेलकर दो बड़े अवॉर्ड्स अपने नाम किए। उन्हें सुपर सिक्सेस ऑफ द मैच (3000 डॉलर) और प्लेयर ऑफ द मैच (5000 डॉलर) चुना गया। टूर्नामेंट की रनर-अप टीम रही पाकिस्तान, जिसे 75,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि दी गई। भारत के स्पिनर कुलदीप यादव को उनके लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के लिए वैल्यू प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला, जिसके साथ 15,000 डॉलर की राशि दी गई। वहीं, सबसे बड़ा सम्मान यानी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब युवा स्टार अभिषेक शर्मा ने जीता। उन्हें 15,000 डॉलर के साथ एक लग्जरी कार भी मिली। इस तरह एशिया कप 2025 की प्राइज सेरेमनी भारतीय खिलाड़ियों के नाम रही, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से धमक मचाई।

कुलदीप और अभिषेक पूरे टूर्नामेंट छाए रहे

कुलदीप ने इस एशिया कप में 6.27 की इकॉनोमी रेट से कुल 17 विकेट झटके। कुलदीप टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इसके साथ ही कुलदीप पूर्णकालिक देशों के बीच किसी टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी और भारत के अर्शदीप सिंह की बराबरी कर ली है। फारूकी और अर्शदीप ने 2024 टी20 विश्व कप में 17-17 विकेट लिए थे। वहीं, इस लिस्ट में श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं जिन्होंने 2021 टी20 विश्व कप में 16 विकेट लिए थे।

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी एशिया कप 2025 में बेहतरीन बल्लेबाजी की है। अभिषेक शर्मा का बल्ला एशिया कप 2025 में जमकर गरजा और उन्होंने इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन

बनाए हैं। एशिया कप के पूरे टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। अभिषेक ने जहां सर्वाधिक रन बनाए, वहीं सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कलाई के स्पिनर कुलदीप सबसे आगे रहे। सुपर चार चरण में अभिषेक ने तीन अर्धशतक लगाए। अभिषेक ने पाकिस्तान के खिलाफ 74, बांग्लादेश के खिलाफ 75 और श्रीलंका के खिलाफ 61 रनों की पारी खेली। फाइनल में वह हालांकि, पांच रन बना पाए। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में अभिषेक 314 रनों के साथ शीर्ष पर रहे। दूसरे स्थान पर श्रीलंका के पाथुम निसांका है जिन्होंने 261 रन बनाए हैं।

एशिया कप 2025 में किसको क्या मिला

- **गेम चेंजर ऑफ द मैच**– 3500 SD- शिवम दुबे
- **सुपर सिक्सेस ऑफ द मैच**– 3000 SD- तिलक वर्मा
- **प्लेयर ऑफ द मैच**– 5000 SD- तिलक वर्मा
- **रनरअप**– 75000 SD- पाकिस्तान
- **वेल्यू प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट** –15000 SD- कुलदीप यादव
- **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट**– 15000 USD & कार- अभिषेक शर्मा

बीसीसीआई ने एशिया कप की विजेता टीम के लिए वित्तीय पुरस्कार की घोषणा की है। बीसीसीआई ने बताया कि सहायक स्टाफ और टीम को इस खिताबी जीत के लिए 21 करोड़ रुपये की ईनामी राशि दी जाएगी।

टीम इंडिया ने की पाकिस्तान की भयंकर बेइज्जती

एशिया कप जीत के बाद भारत ने प्रजेंटेशन सेरेमनी में एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने विनर मेडल तक नहीं लिया। तिलक वर्मा, कुलदीप यादव और अभिषेक शर्मा ने ही व्यक्तिगत ट्रॉफियां लीं, लेकिन मोहसिन नकवी से नहीं। प्रेजेंटर साइमन डल ने कहा कि एशियन क्रिकेट काउंसिल ने जानकारी दी है कि भारतीय क्रिकेट टीम आज रात पुरस्कार नहीं लेगी। प्रेजेंटेशन सेरेमनी के बाद भारतीय टीम ने बगैर ट्रॉफी के एशिया कप का खिताब जीतने का जश्न मनाते हुए फोटो खिंचवाया। फाइनल से पहले ही अटकलें थीं कि अगर भारतीय टीम ट्रॉफी जीतती है तो खिलाड़ी नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष और अपने देश के गृह मंत्री हैं। वह भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं।

भारत माता की जय के नारे लगे : नकवी जैसे ही प्रेजेंटेशन स्टेज पर आए स्टैंड में बैठे भारतीय प्रशंसकों ने भारत माता की जय के नारे लगाने शुरू कर दिए। नकवी के मंच पर आते ही उन्हें बताया गया कि अगर उन्होंने जबरदस्ती की तो भारतीय टीम ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेगी और आधिकारिक विरोध दर्ज कराया जाएगा।

प्रेजेंटेशन सेरेमनी से पहले क्या हुआ : नकवी इंतजार कर ही रहे थे कि अचानक आयोजकों में से कोई ट्रॉफी ड्रेसिंग रूम के अंदर ले गया। भारतीय टीम ने तीनों एशिया कप मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने और फाइनल में टॉस से पहले की जाने वाली पारंपरिक फोटोशूट में शामिल न होकर संदेश दे दिया था कि वह एसीसी अध्यक्ष से ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेगी।

नकवी शर्मिंदगी झेलते रहे : मैच खत्म होने के लगभग एक घंटे बाद तक पाकिस्तानी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में रहे। सिर्फ पीसीबी अध्यक्ष नकवी अकेले खड़े होकर शर्मिंदगी झेलते रहे। लगभग 55 मिनट बाद सलमान आगा और उनके साथी बाहर निकले और इंडियाआआ, इंडियाआआआ के नारे लगे।

नकवी का रोनाल्डो वाला वीडियो : नकवी ने पिछले दिनों एक्स पर विमान क्रैश होने का संकेत देते हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल का जश्न मनाते हुए वीडियो डाला था। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने भी भारत के खिलाफ 21 सितंबर को सुपर 4 मैच के दौरान यही भड़काऊ इशारा किया था, जिसकी वजह से उन पर जुर्माना लगाया गया था।

पाकिस्तान पर करारा वार : तीन रविवार, तीन विवाद और हर बार भारत ने सिर्फ मैदान पर नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी अपना रुख साफ किया और पाकिस्तान पर करारा वार किया। चाहे वह हाथ न मिलाने का विरोध हो, प्री-टॉस फोटो सेशन का बहिष्कार हो या ट्रॉफी न लेने का फैसला, टीम इंडिया ने संदेश दिया कि खेल और राष्ट्रीय स्वाभिमान को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। एशिया कप 2025 का यह अध्याय याद रखा जाएगा एक ऐसे टूर्नामेंट के रूप में, जहां भारत ने पाकिस्तान पर क्लीन स्वीप किया और साथ ही यह भी दिखाया कि मैदान के बाहर भी वे अपनी शर्तों पर खड़े रहने का साहस रखते हैं।

शिवम दुबे ने फाइनल मुकाबले में 22 गेंदों पर 33 रनों की आक्रामक पारी खेलकर भारत की जीत में विशेष भूमिका निभाई।

एशिया कप में भारत के स्कोर बोर्ड

भारत-पाकिस्तान फाइनल

मैच: भारत-पाकिस्तान, **दिनांक:** 28 सितंबर 2025, **स्थान:** दुबई, **टॉस:** भारत ने जीता व पहले गेंदबाजी चुनी, **परिणाम:** भारत 5 विकेट से जीता। **मैन ऑफ द मैच:** तिलक वर्मा (भारत)। **मैन ऑफ द सीरिज:** अभिषेक शर्मा (भारत)।

पाकिस्तान	रन	गेंद	4	6
साहिबजादा कै तिलक बो चक्रवर्ती	57	38	5	3
फखर जमान कै कुलदीप बो चक्रवर्ती	46	35	2	2
सईम अयूब कै बुमराह बो कुलदीप	14	11	2	0
मोहम्मद हारिस कै रिंकू बो अक्षर	0	2	0	0
आगा सलमान कै सैमसन बो कुलदीप	8	7	0	0
हुसैन तलत कै सैमसन बो अक्षर	1	2	0	0
मोहम्मद नवाज कै रिंकू बो बुमराह	6	9	0	0
शाहीन शाह अफरीदी lbw बो कुलदीप	0	3	0	0
फहीम अशरफ कै तिलक बो कुलदीप	0	2	0	0
हारिस रउफ बो बुमराह	6	4	1	0
अबरार अहमद नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्त : 7, **कुल :** 146, **विकेट पतन :** 1-84, 2-113, 3-114, 4-126, 5-131, 6-133, 7-134, 8-134, 9-141, 10-146. **गेंदबाजी :** शिवम दुबे 3-0-23-0, जसप्रीत बुमराह 3.1-0-25-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-30-2, अक्षर पटेल 4-0-26-2, कुलदीप यादव 4-0-30-4, तिलक वर्मा 1-0-9-0.

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा कै रउफ बो अशरफ	5	6	1	0
शुभमन गिल कै रउफ बो अशरफ	12	10	1	0
सूर्यकुमार यादव कै सलमान बो शाहीन	1	5	0	0
तिलक वर्मा नाबाद	69	53	3	4
संजू सैमसन कै साहिबजादा बो अबरार	24	21	2	1
शिवम दुबे कै शाहीन बो अशरफ	33	22	2	2
रिंकू सिंह नाबाद	4	1	1	0

अतिरिक्त : 2, **कुल :** 150/5, **विकेट पतन :** 1-7, 2-10, 3-20, 4-77, 5-137, **गेंदबाजी :** शाहीन शाह अफरीदी 4-0-20-1, फहीम अशरफ 4-0-29-3, मोहम्मद नवाज 1-0-6-0] हारिस रउफ 3.4-0-50-0, अबरार अहमद 4-0-29-1, सईम अयूब 3-0-16-0.

भारत-यूएई

मैच: भारत-यूएई, **दिनांक:** 10 सितंबर 2025, **स्थान:** दुबई, **टॉस:** भारत ने जीता व पहले गेंदबाजी चुनी, **परिणाम:** भारत 9 विकेट से जीता। **मैन ऑफ द मैच:** कुलदीप यादव (भारत)।

संयुक्त अरब अमीरात	रन	गेंद	4	6
आलीशान शराफु बो बुमराह	22	17	13	1
मुहम्मद वसीम lbw बो कुलदीप	19	22	3	0
मोहम्मद जोहैब कै कुलदीप बो चक्रवर्ती	2	5	0	0
राहुल चोपड़ा कै गिल बो कुलदीप	3	7	0	0
आसिफ खान कै सैमसन बो शिवम	2	7	0	0
हर्षित कौशिक बो कुलदीप	2	2	0	0
ध्रुव पराशर lbw बो शिवम	1	7	0	0
सिमरनजीत सिंह lbw बो अक्षर	1	5	0	0
हैदर अली कै सैमसन बो कुलदीप	1	2	0	0
जुनैद सिद्दीकी कै सूर्यकुमार बो शिवम	0	3	0	0
मोहम्मद रोहिद नाबाद	2	2	0	0

अतिरिक्त : 2, **कुल :** 57, **विकेट पतन :** 1-26, 2-29, 3-47, 4-48, 5-50, 6-51, 7-52, 8-54, 9-55, 10-57. **गेंदबाजी :** हार्दिक पंड्या 1-0-10-0, जसप्रीत बुमराह 3-0-19-1, अक्षर पटेल 3-0-13-1, वरुण चक्रवर्ती 2-0-4-1, कुलदीप यादव 2.1-0-7-4, शिवम दुबे 2-0-4-3.

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा कै हैदर अली बो जुनैद	30	16	2	3
शुभमन गिल नाबाद	20	9	2	1
सूर्यकुमार यादव नाबाद	7	2	0	1

अतिरिक्त : 3, **कुल :** 60/1, **विकेट पतन :** 1-48. **गेंदबाजी :** हैदर अली 1-0-10- 0, मोहम्मद रोहिद 1-0-15-0, ध्रुव पराशर 1-0-13-0, जुनैद सिद्दीकी 1-0-16-1, सिमरनजीत सिंह 0.3-0-6-0.

भारत-पाकिस्तान

मैच: भारत-पाकिस्तान, **दिनांक:** 21 सितंबर 2025, **स्थान:** दुबई, **टॉस:** भारत ने जीता व पहले गेंदबाजी चुनी, **परिणाम:** भारत 6 विकेट से जीता। **मैन ऑफ द मैच:** अभिषेक शर्मा (भारत)।

पाकिस्तान	रन	गेंद	4	6
साहिबजादा फरहान कै सूर्यकुमार बो शिवम	58	45	5	3
फखर जमान कै सैमसन बो हार्दिक	15	9	3	0
सईम अयूब कै अभिषेक बो शिवम	21	17	1	1
हुसैन तलत कै चक्रवर्ती बो कुलदीप	10	11	0	0
मोहम्मद नवाज रनआउट (सूर्यकुमार)	21	19	1	1
आगा सलमान नाबाद	17	13	0	1
फहीम अशरफ नाबाद	20	8	1	2

अतिरिक्त : 9, **कुल :** 171/5, **विकेट पतन :** 1-21, 2-93, 3-110, 4-115, 5-149. **गेंदबाजी :** हार्दिक पंड्या 3-0-29-1, जसप्रीत बुमराह 4-0-45-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-25-0, कुलदीप यादव 4-0-31-1, अक्षर पटेल 1-0-8-0, शिवम दुबे 4-0-33-2.

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा कै रउफ बो अबरार	74	39	6	5
शुभमन गिल बो अशरफ	47	28	8	0
सूर्यकुमार यादव कै अबरार बो रउफ	0	3	0	0
तिलक वर्मा नाबाद	30	19	2	2
संजू सैमसन बो रउफ	13	17	1	0
हार्दिक पंड्या नाबाद	7	7	1	0

अतिरिक्त : 3, **कुल :** 174/4, **विकेट पतन :** 1-105, 2-106, 3-123, 4-148. **गेंदबाजी :** शाहीन शाह अफरीदी 3.5-0-40-0, सईम अयूब 3-0-35-0, अबरार अहमद 4-0-42-1, हारिस रउफ 4-0-26-2, फहीम अशरफ 4-0-31-1.

भारत-पाकिस्तान

मैच: भारत-पाकिस्तान, **दिनांक:** 14 सितंबर 2025, **स्थान:** दुबई, **टॉस:** पाकिस्तान ने जीता व पहले बल्लेबाजी चुनी, **परिणाम:** भारत 7 विकेट से जीता। **मैन ऑफ द मैच:** कुलदीप यादव (भारत)।

पाकिस्तान	रन	गेंद	4	6
सईम अयूब कै बुमराह बो हार्दिक	0	1	0	0
साहिबजादा कै हार्दिक बो कुलदीप	40	44	1	3
मोहम्मद हारिस कै हार्दिक बो बुमराह	3	5	0	0
फखर जमान कै तिलक बो अक्षर	17	15	3	0
आगा सलमान कै अभिषेक बो अक्षर	3	12	0	0
हसन नवाज कै अक्षर बो कुलदीप	5	7	0	0
मोहम्मद नवाज lbw बो कुलदीप	0	1	0	0
फहीम अशरफ lbw बो चक्रवर्ती	11	14	1	0
शाहीन शाह अफरीदी नाबाद	33	16	0	4
सुफियान मकीम बो बुमराह	10	6	2	0
अबरार अहमद नाबाद	0	0	0	0

अतिरिक्त : 5, **कुल :** 127/9, **विकेट पतन :** 1-1, 2-6, 3-45, 5-64, 6-64, 7-83, 8-97, 9-111. **गेंदबाजी :** हार्दिक पंड्या 3-0-34-1, जसप्रीत बुमराह 4-0-28-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-24-1, कुलदीप यादव 4-0-18-3, अक्षर पटेल 4-0-18-2, अभिषेक शर्मा 1-0-5-0.

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा कै अशरफ बो सईम	31	13	4	2
शुभमन गिल स्टम्प हारिस बो सईम	10	7	2	0
सूर्यकुमार यादव नाबाद	47	37	5	1
तिलक वर्मा बो सईम	31	31	2	1
शिवम दुबे नाबाद	10	7	0	1

अतिरिक्त : 2, **कुल :** 131/3, **विकेट पतन :** 1-22, 2-41, 3-97, **गेंदबाजी :** शाहीन शाह अफरीदी 2-0-23-0, सईम अयूब 4-0-35-3, अबरार अहमद 4-0-16-0, मोहम्मद नवाज 3-0-27-0, सुफियान मकीम 2.5-0-29-0.

भारत-बांग्लादेश

मैच: भारत-बांग्लादेश, **दिनांक:** 24 सितंबर 2025, **स्थान:** दुबई, **टॉस:** बांग्लादेश ने जीता व पहले गेंदबाजी चुनी, **परिणाम:** भारत 41 रन से जीता। **मैन ऑफ द मैच:** अभिषेक शर्मा (भारत)।

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा रनआउट (रिशाद/मुस्तफिजुर)	75	37	6	5
शुभमन गिल कै तनजीम बो रिशाद हुसैन	29	19	2	1
शिवम दुबे कै हृदोय बो रिशाद हुसैन	2	3	0	0
सूर्यकुमार यादव कै जाकेर बो मुस्तफिजुर	5	11	0	0
हार्दिक पंड्या कै तंजिद हसन बो सैफुद्दीन	38	29	4	1
तिलक वर्मा कै हसन बो तनजीम	5	7	0	0
अक्षर पटेल नाबाद	10	15	0	0

अतिरिक्त : 4, **कुल :** 168/6, **विकेट पतन :** 1-77, 2-83, 3-112, 4-114, 5-129, 6-168. **गेंदबाजी :** तनजीम हसन साकिब 4-0-29-1, नासुम अहमद 4-0-34-0, मुस्तफिजुर रहमान 4-0-33-1, मोहम्मद सैफुद्दीन 3-0-37-1, रिशाद हुसैन 3-0-27-2, सैफ हसन 2-0-7-0.

बांग्लादेश	रन	गेंद	4	6
सैफ हसन कै अक्षर बो बुमराह	69	51	3	5
तंजिद हसन कै शिवम बो बुमराह	1	3	0	0
परवेज हुसैन कै अभिषेक बो कुलदीप	21	19	2	1
मो. तौहीद हृदोय कै अभिषेक बो अक्षर	7	10	0	0
शमीम हुसैन बो चक्रवर्ती	0	3	0	0
जाकेर अली रनआउट (सूर्यकुमार)	4	5	0	0
मोहम्मद सैफुद्दीन कै तिलक बो चक्रवर्ती	4	7	0	0
रिशाद हुसैन कै तिलक बो कुलदीप	2	3	0	0
तनजीम हसन साकिब बो कुलदीप	0	1	0	0
नासुम अहमद नाबाद	4	4	0	0
मुस्तफिजुर रहमान कै अक्षर बो तिलक	6	11	1	0

अतिरिक्त : 9, **कुल :** 127, **विकेट पतन :** 1-4, 2-46, 3-65, 4-74, 5-87, 6-109, 7-112, 8-112, 9-116, 10-127
गेंदबाजी : हार्दिक पंड्या 2-0-14-0, जसप्रीत बुमराह 4-0-18-2, वरुण चक्रवर्ती4-0-29-2, कुलदीप यादव 4-0-18-3, अक्षर पटेल 4-0-37-1, शिवम दुबे 1-0-10-0, तिलक वर्मा 0.3-0-1-1.

भारत-ओमान

मैच: भारत-ओमान, **दिनांक:** 19 सितंबर 2025, **स्थान:** अबूधाबी, **टॉस:** भारत ने जीता व पहले बल्लेबाजी चुनी, **परिणाम:** भारत 21 रन से जीता। **मैन ऑफ द मैच:** संजू सैमसन (भारत)।

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा कै विनायक बो जितेन	38	15	5	2
शुभमन गिल बो शाह फैसल	5	8	1	0
संजू सैमसन कै आर्यन बिकै बो शाह फैसल	56	45	3	3
हार्दिक पंड्या रनआउट (जितेन रामानंदी)	1	1	0	0
अक्षर पटेल कै विनायक शुक्ला बो आमिर	26	13	3	1
शिवम दुबे कै जतिंदर बो आमिर	5	8	0	0
तिलक वर्मा कै जकरिया बो जितेन	29	18	1	2
हर्षित राणा नाबाद	13	8	0	1
अर्शदीप सिंह रनआउट(जितेन रामानंदी)	1	1	0	0
कुलदीप यादव नाबाद	1	3	0	0

अतिरिक्त: 13, कुल : 188/8, **विकेट पतन:** 1-6, 2-72, 3-73, 4-118, 5-130, 6-171, 7-176, 8-179, **गेंदबाजी :** शकील अहमद 3-0-33-0, शाह फैसल 4-1-23-2, मोहम्मद नदीम 1-0-19-0, जितेन रामानंदी 4-0-33-2, समय श्रीवास्तव 2-0-23-0, जकरिया इसलाम 3-0-23-0, आमिर कलीम 3-0-31-2.

ओमान	रन	गेंद	4	6
जतिंदर सिंह बो कुलदीप	32	33	5	0
आमिर कलीम कै हार्दिक बो हर्षित	64	46	7	2
हम्माद मिर्जा कै सब.(रिंकू) बो हार्दिक	51	33	5	2
जकरिया इसलाम नाबाद	0	2	0	0
विनायक शुक्ला कै सब.(रिंकू)बो अर्शदीप	1	2	0	0
जितेन रामानंदी नाबाद	12	5	3	0

अतिरिक्त : 7, **कुल :** 167/4, **विकेट पतन :** 1-56, 2-149, 3-154, 4-155. **गेंदबाजी :** हार्दिक पंड्या 4-0-26-1, अर्शदीप सिंह 4-0-37-1, हर्षित राणा 3-0-25-1, कुलदीप यादव 3-0-23-1, अक्षर पटेल 1-0-4-0, शिवम दुबे 3-0-31-0, तिलक वर्मा 1-0-8-0, अभिषेक शर्मा 1-0-12-0.

भारत-श्रीलंका

मैच: भारत-श्रीलंका, **दिनांक:** 26 सितंबर 2025, **स्थान:** दुबई, **टॉस:** श्रीलंका ने जीता व पहले गेंदबाजी चुनी, **परिणाम:** टाई (भारत सुपर ओवर में जीता)। **मैन ऑफ द मैच:** पतुम निसंका (श्रीलंका)।

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा कै कामिंडु बो असलंका	61	31	8	2
शुभमन गिल कै & बो तीक्षणा	4	3	1	0
सूर्यकुमार यादव lbw बो हसरंगा	12	13	1	0
तिलक वर्मा नाबाद	49	34	4	1
संजू सैमसन कै असलंका बो दसून	39	23	1	3
हार्दिक पंड्या कै & बो चमीरा	2	3	0	0
अक्षर पटेल नाबाद	21	15	1	1

अतिरिक्त : 14, **कुल :** 202/5, **विकेट पतन :** 1-15, 2-74, 3-92, 4-158, 5-162. **गेंदबाजी :** नुवान तुषारा 4-0-43-0, महीश तीक्षणा 4-0-36-1, दुश्मांता चमीरा 4-0-40-1, वानिंदु हसरंगा 4-0-37-1, दसून शानका 2-0-23-1, चरित असलंका 2-0-18-1.

श्रीलंका	रन	गेंद	4	6
पतुम निसंका कै चक्रवर्ती बो हर्षित	107	58	7	6
कुसल मेंडिस कै गिल बो हार्दिक	0	1	0	0
कुसल परेरा स्टंप सैमसन बो चक्रवर्ती	58	32	8	1
चरित असलंका कै गिल बो कुलदीप	5	9	0	0
कामिंडु मेंडिस कै अक्षर बो अर्शदीप	3	7	0	0
दसून शानका नाबाद	22	11	2	1
जनित लियानगे नाबाद	2	2	0	0

अतिरिक्त : 5, **कुल :** 202/5, **विकेट पतन :** 1-7, 2-134, 3-157, 4-163, 5-191. **गेंदबाजी :** हार्दिक पंड्या 1-0-7-1, अर्शदीप सिंह 4-0-46-1, हर्षित राणा 4-0-54-1, अक्षर पटेल 3-0-32-0, कुलदीप यादव 4-0-31-1, वरुण चक्रवर्ती 4-0-31-1.

पाकिस्तान की हुई बड़ी बेईज्जती

नितेश छाबड़ा
खेल समीक्षक

चर्चा होनी थी भारत के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बारे में जहां भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए एशिया कप पर कब्जा किया और एक पखवाड़े में पाकिस्तान को लगातार तीन बार मात देने की पर चर्चा है भारत पाकिस्तान की मैदान में हुई जंग और बहुत से वाकये जो इससे पहले मैदान में कभी इस तरह नजर नही आए और पूर्ण तौर पर ज्वलंत माहौल में बदल चुके परिदृश्य में भारतीयों ने जिस तरह पाकिस्तान पर फतह प्राप्त की और उनकी मैदानी हरकतों का जिस तरह माकूल जवाब दिया वह हमेशा याद रखा जाएगा ।

एशिया कप 2025 में चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच हुई तीन मैचों की भिड़ंत सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नही रही,बल्कि मैदान के अंदर और बाहर कई बड़े विवादों का केंद्र बन गई। भारत ने तीनों मैचों में पाकिस्तान को हराकर नौवीं बार एशिया कप का खिताब जीता, लेकिन पहले मैच से 'नो-हैंडशेक' विवाद से लेकर फाइनल में 'ट्रॉफी विवाद' तक, इस टूर्नामेंट ने खेल भावना पर गंभीर सवाल खड़े किए और यह विवाद अभी भी जारी है और लगातार सुर्खियों में है ।

भारत-पाकिस्तान के तीन मुकाबले : एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना तीन बार हुआ, जिसमें हर बार भारत विजयी रहा।

- **ग्रुप स्टेज मैच :** भारत ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से हराया।
- **सुपर-4 मैच :** भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। इस मैच में भारत ने टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ अपना सबसे बड़ा लक्ष्य को हासिल किया।
- **फाइनल मैच :** भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम किया।यह एशिया कप के 41 साल के इतिहास मे पहला मौका था जब भारत और पाकिस्तान टूर्नामेंट के फाइनल में एक साथ थी ।

विवादों की कहानी विस्तार से :

टूर्नामेंट शुरू होने से लेकर फाइनल की प्रेजेंटेशन सेरेमनी तक, भारत-पाकिस्तान के मैचों में कई बड़े विवाद सामने आए...

1 **नो-हैंडशेक विवाद (पहलगाम आतंकी हमला) :** विवाद की शुरुआत ग्रुप स्टेज मैच के टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने हाथ नहीं मिलाया। यह सिलसिला मैच के बाद भी जारी रहा, जब भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और मैच खत्म होने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार और शिवम दुबे पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ही पविलियन की ओर बढ़ गए और यह संदेश दिया कि टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियो से हैंड शेक नही करेगी, टीम की तरफ से यह बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाने और भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में यह कदम उठाया गया है । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे खेल भावना के खिलाफ बताया। यह विवाद टूर्नामेंट के अंत तक बना रहा, यहां तक कि फाइनल से पहले कप्तानों का फोटोशूट भी रद्द हो गया।

टीम इंडिया ने की नकवी की बड़ी बेईज्जती।

2 **मैदानी नोक-झोंक और आपत्तिजनक इशारे :** भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ग्रुप स्टेज मैच के बाद पाकिस्तान को अब 'चिर प्रतिद्वंद्वी' न मानने जैसा बयान दिया यह बात पाकिस्तान को चुभ गयी । इस बयान के लिए सूर्यकुमार यादव पर मैच फीस का

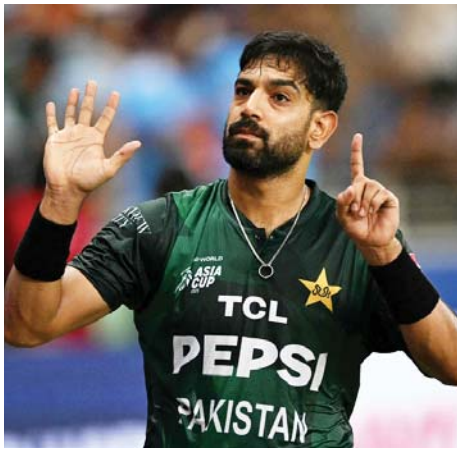

विवादित पाकिस्तानी खिलाड़ियों को भारतीय टीम ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन कर दिया करारा जवाब।

30 प्रतिशत जुर्माना लगा।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों के इशारे : सुपर-4 मैच के दौरान पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने भारतीय टीम और प्रशंसकों को उकसाने वाले इशारे किए।

- **हारिस रऊफ :** उन्होंने भारतीय प्रशंसकों के 'कोहली, कोहली' के नारों पर आपत्तिजनक और उकसाने वाले इशारे किए (यह माना गया कि वह ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान के द्वारा कथित विमान मार गिराने संबंधी था) पर उन्होंने यह बताया कि इशारा 2022 टी20 विश्व कप में विराट कोहली द्वारा लगाए गए छक्कों का मजाक उड़ाने के लिए था। उन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगा।
- **साहिबजादा फरहान :** उन्होंने अर्धशतक बनाने के बाद 'गनशॉट' (बंदूक चलाने जैसा) का इशारा किया। उन्हें आधिकारिक चेतावनी दी गई।

3 मैच रेफरी बदलने की मांग और बहिष्कार की धमकी : पीसीबी का विरोध : नो-हैंडशेक और मैदानी विवादों से नाराज पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के खिलाफ आईसीसी में विरोध दर्ज कराया और उन्हें हटाने की मांग की।

जब आईसीसी ने यह मांग ठुकरा दी, तो पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी। पाकिस्तान बनाम यूएई मैच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ यह इसलिए की पीसीबी बॉयकॉट की धमकी दे रही थी पर इस मामले में उनकी एक न चली और टीम को आखिरकार अपनी बदनामी कराने के बाद मैदान पर उतरना पड़ा ।

4 फाइनल का 'ट्रॉफी विवाद' (मोहसिन नकवी से इनकार) : फाइनल में भारत की जीत के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में सबसे बड़ा विवाद खड़ा हुआ। भारतीय टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।भारतीय टीम के इंतजार के बावजूद, नकवी अपनी जिद पर अड़े रहे और खुद ही ट्रॉफी देने के लिए पोडियम पर खड़े रहे।जब भारतीय टीम अपने फैसले पर कायम रही, तो मोहसिन नकवी लगभग 20 मिनट इंतजार करने के बाद ट्रॉफी लेकर मंच से हट गए और कथित तौर पर ट्रॉफी अपने होटल ले गए। इस घटना से भारतीय फैंस और बीसीसीआई में भारी रोष व्याप्त हुआ।

- **देरी और समाधान :** इस 'ट्रॉफी ड्रामे' के कारण प्रेजेंटेशन सेरेमनी में एक घंटे से अधिक की देरी हुई। अंततः, आयोजकों ने एक वैकल्पिक योजना बनाई, जिसके तहत यह खबर आई कि भारतीय टीम को अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ECB) के उपाध्यक्ष खालिद अल जारूनी के हाथों से ट्रॉफी प्रदान की जाएगा पर ऐसा नही हुआ और प्रेजेंटेशन समारोह आधे अधूरे तौर पर समाप्त हो गया।
- **अन्य घटनाएं :** हारिस रऊफ को कोहली, कोहली के नारों से फिर चिढ़ाया गया, और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने उप-विजेता (Runners-up) का चेक फेंक दिया, जिससे विवाद और बढ़ गया।

इस प्रकार, एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए तीन मुकाबले सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रहे, बल्कि राजनीतिक तनाव, खेल भावना का उल्लंघन और फाइनल में अभूतपूर्व 'ट्रॉफी विवाद' के कारण एक यादगार, लेकिन विवादास्पद अध्याय बन गए।

अभी भी विवाद जारी : फाइनल के दो दिन बाद एसीसी(एशियाई क्रिकेट परिषद) की ऑनलाइन मीटिंग में बीसीसीआई अधिकारी की तरफ से ट्रॉफी प्रदान करने का मुद्दा उठाया गया है जिसमें श्रीलंका, इंडोनेशिया, सिंगापुर समेत कई देशों ने पाकिस्तानी गृह मंत्री और एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से कहा था कि ट्रॉफी विजेता टीम को मिलनी चाहिए और उन्होंने भी इस बात को स्वीकार किया कि जो हुआ अच्छा नही हुआ हमे साथ चलना चाहिए मैं इस पर खेद जताता हूँ । इस दौरान यह भी बात आई कि नकवी ने कहा कि आप सूर्यकुमार यादव को दुबई भेज दीजिए मैं उन्हें ट्रॉफी दे दूंगा पर बीसीसीआई ने इससे साफ इंकार कर दिया और कहा कि आप ट्रॉफी एसीसी के दफ्तर में छोड़ दे हम वहां से उसे मंगवा लेंगे। इसके बाद नकवी ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारतीय टीम को एससी की मुख्यालय आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी और उनका स्वागत है । नकवी ने माफी मांगने वाली बातों को खारिज कर दिया है । देखा जाए तो यह विवाद अभी भी जारी है और इस विवाद पर आगे भी बहुत कुछ सुनाई देगा । बीसीसीआई नवंबर में आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे को जोर शोर से उठाने की तैयारी कर रहा है ।

भारत-श्रीलंका मैच : सुपरओवर में हाईवोल्टेज ड्रामा

एशिया कप 2025 का रोमांच उस वक्त चरम पर पहुंच गया, जब सुपर-4 का आखिरी मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच सुपरओवर तक जा पहुंचा। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने भी निर्धारित ओवरों में पांच विकेट पर इतने ही रन बनाए और मुकाबला टाई हो गया, जिसके बाद फैसला सुपरओवर से आया। सुपरओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने केवल दो रन बनाए। भारत को जीत के लिए तीन रनों का लक्ष्य मिला। जवाब में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली ही गेंद पर तीन रन पूरे कर टीम को शानदार जीत दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली। आइए अब बात करते हैं सुपर ओवर की...

श्रीलंका-सुपरओवर : श्रीलंका ने सुपर ओवर के लिए कुसल परेरा और दसुन शनाका को बल्लेबाजी के लिए भेजा। भारत ने गेंदबाजी की जिम्मेदारी अर्शदीप सिंह को सौंपी।

- **पहली गेंद :** अर्शदीप ने कुसल परेरा को आउट किया। परेरा ने शॉट खेला लेकिन गेंद हवा में गई और रिंकू सिंह ने शानदार कैच पकड़ा। अब बल्लेबाजी के लिए कामिंदु मेंडिस आए। स्कोर 0/1
- **दूसरी गेंद :** नए बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस ने एक रन लिया। स्कोर 1/1
- **तीसरी गेंद :** अर्शदीप ने यॉर्कर बॉल फेंकी लेकिन शनाका शॉट नहीं लगा सके। स्कोर 1/1
- **वाइड गेंद :** अर्शदीप ने फिर वाइड गेंद फेंकी। स्कोर 2/1
- **चौथी गेंद :** अर्शदीप ने लीगल गेंद फेंकी। शनाका क्रीज पर थे। अंदर आती गेंद उनके बल्ले को मिस कर विकेट के पीछे खड़े संजू सैमसन के हाथों में चली गई। अर्शदीप ने कैच की अपील की और अंपायर ने शनाका को कैच आउट दे दिया। हालांकि, रिव्यू में बल्ले का कोई संपर्क नहीं मिला। दिलचस्प बात यह रही कि इस दौरान शनाका रन लेने भाग पड़े थे और संजू सैमसन ने थ्रो से स्टंप उड़ा दिया। लेकिन अंपायर ने इसे रनआउट देने से इनकार कर दिया। मैदानी अंपायर ने बताया कि गेंदबाज ने अपील की थी और आउट का फैसला दे दिया गया था, तभी गेंद डेड हो गई। रिव्यू में बल्ले का गेंद से कोई संपर्क नहीं मिला जिससे शनाका को जीवनदान मिल गया। स्कोर 2/1

शंकर मूर्ति
खेल समीक्षक

- **पांचवीं गेंद :** अर्शदीप ने शानदार गेंदबाजी जारी रखी और शनाका को जितेश शर्मा ने कैच कर लिया। स्कोर 2/2 इस तरह श्रीलंका ने सुपरओवर में सिर्फ दो रन बनाए और भारत को आसान सा लक्ष्य दिया।

भारत-सुपरओवर : भारत को जीत के लिए तीन रन चाहिए थे। पहली ही गेंद पर सूर्यकुमार यादव ने बेहतरीन शॉट खेलकर तीन रन पूरे किए और भारत को रोमांचक जीत दिला दी।

भारत ने बनाया इस टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर : अभिषेक शर्मा ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अर्धशतक लगाया जबकि संजू सैमसन ने 39 रन की उपयोगी पारी खेलकर श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के आखिरी सुपर 4 मैच में भारत को पांच विकेट पर 202 रन तक पहुंचाया। यह इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। इससे पहले भारत ने ओमान के खिलाफ और अफगानिस्तान ने हांगकांग के खिलाफ 188 रन बनाए थे। अभिषेक ने 31 गेंद में 61 रन बनाए जबकि पांचवें नंबर पर सैमसन ने 22 गेंद में 39 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा ने 34 गेंद में नाबाद 49 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट की तरह अभिषेक ने पावरप्ले में गेंदबाजों को खासी नसीहत दी और अर्धशतकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने इस पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाये जबकि शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव सस्ते में आउट हो गए। अभिषेक हालांकि तीसरी बार शतक से चूक गए और श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका की गेंद पर डीप मिडविकेट सीमा पर कैच दे बैठे। गिल चार रन बनाकर महीश तीक्षणा का शिकार हुए। कप्तान सूर्यकुमार (12) को वानिंदु हसरंगा ने एलबीडब्ल्यू आउट किया।

नए बल्लेबाजी क्रम में अपनी लय तलाश रहे सैमसन टूर्नामेंट में पहली बार शानदार फॉर्म में दिखे। उन्होंने तीन छक्के लगाये जिनमें हसरंगा को लगाया गया छक्का शानदार था। उन्होंने जगह बनाने के लिए अपने फ्रंटफुट को लेग स्टंप के बाहर रखा और साइट स्क्रीन पर तूफानी छक्का लगाया। अगले ओवर में उन्होंने दासुन शनाका को छक्का लगाया। उन्होंने तिलक के साथ 6.5 ओवर में 66 रन की साझेदारी की। अक्षर पटेल ने भारतीय पारी का अंत छक्के से किया।

निसंका की शतकीय पारी : सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका के आक्रामक शतक ने भारतीय गेंदबाजों को एशिया कप में पहली बार दबाव में ला दिया लेकिन सुपरओवर में अर्शदीप सिंह के बेजोड़ प्रदर्शन से भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर टूर्नामेंट में लगातार छठी जीत दर्ज की। हर्षित राणा के आखिरी ओवर में उसे 12 रन और आखिरी गेंद पर तीन रन चाहिए थे जिस पर दसुन शनाका दो ही रन ले पाए और मैच सुपरओवर में चला गया।

इससे पहले लक्ष्य का पीछा करते हुए कुसल मेंडिस को हार्दिक पांड्या ने पहले ही ओवर में आउट कर दिया। इसके बाद निसांका (58 गेंद में 107 रन) और परेरा (32 गेंद में 58 रन) ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। हर्षित ने चार ओवर में 54 रन देकर एक विकेट लिया जबकि अर्शदीप ने चार ओवर में 46 रन दिए। बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने तीन ओवर में 32 रन दे डाले। श्रीलंका के दोनों बल्लेबाजों ने 12 ओवर से कम में 128 रन जोड़कर सूर्यकुमार की चिंता बढ़ा दी। आखिर में वरुण चक्रवर्ती ने परेरा को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। आगे बढ़कर खेलने के प्रयास में परेरा चूके और संजू सैमसन ने स्टम्पिंग में चूक नहीं की। इसके बाद चरिथ असलंका (पांच) और कामिंदु मेंडिस (तीन) भी जल्दी आउट हो गए। निसंका ने अर्शदीप के ओवर में अपना शतक 52 गेंद में पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और छह छक्के लगाए।

मोहम्मद सिराज ने घातक गेंदबाजी करते हुए विरोधी टीम के 7 खिलाड़ियों को मैदान के बारह भेजा।

भारतीय सरजमी पर वेस्टइंडीज का खराब रिकार्ड बरकरार, भारत ने पहला टेस्ट ढाई दिन में ही जीता

भारत ने शुभमन गिल की कप्तानी में वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मैच में पारी और 140 रन के बड़े अंतर से दिखा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम एक बेहद कमजोर विरोधी टीम के रूप में नजर आई जिसे रौंदने में भारत को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। बतौर टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की ये भारत में पहली जीत भी रही। भारत की इस बड़ी जीत में टीम के कई खिलाड़ियों को योगदान रहा जिसमें केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ी शामिल रहे। राहुल, ध्रुव और जडेजा ने इस मैच में शतक लगाया तो वहीं सिराज ने सबसे ज्यादा 7 विकेट लिए, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच जडेजा रहे। जडेजा ने इस मैच में पहली पारी में नाबाद 104 रन की पारी खेली और पहली पारी में तो वो कोई भी विकेट नहीं ले पाए, लेकिन दूसरी पारी में जड्डू ने 4 विकेट झटके और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। जडेजा अपने ऑलराउंड प्रदर्शन की वजह से राहुल, ध्रुव और सिराज जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए इस खिताब को अपने नाम किया।

जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 11वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता और वो भारत की तरफ से टेस्ट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी राहुल द्रविड़ के साथ बन गए। राहुल द्रविड़ ने भी टेस्ट में 11 बार प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता था। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर पहले नंबर पर हैं जिन्होंने 14 बार टेस्ट में ये खिताब अपने नाम किया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने तीसरे दिन ही जीत हासिल कर ली। भारत ने दिन के खेल की शुरुआत से पहले अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 448 रन पर घोषित की थी और 286 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। वेस्टइंडीज की टीम पूरे दो सत्र भी बल्लेबाजी नहीं कर सकी और उसकी दूसरी पारी 146 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने इस तरह दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

भारत के लिए रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी की और चायकाल से पहले ही वेस्टइंडीज की पारी ढेर कर दी। दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज में यह 17वीं बार है जब कोई टीम पारी के अंतर से जीती है। इसमें से 20वीं सदी में वेस्टइंडीज ने नौ बार जीत दर्ज की है, जबकि 21वीं सदी में भारत ने सभी आठ मैच जीते हैं। यानी भारत ने वेस्टइंडीज को आठवीं बार पारी के अंतर से हराया है। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दोनों ही पारी में काफी खराब रही है। पिछली 15 पारियों को देखें तो वेस्टइंडीज सिर्फ दो बार 200 रन

खूब चमके रवीन्द्र जडेजा, बने `प्लेयर ऑफ द मैच'।

एक्शन में शतकवीर केएल राहुल और ध्रुव जुरेल।

का आंकड़ा पार कर पाया है और इस दौरान उसका सर्वोच्च टोटल 253 का रहा है।

हाल के वर्षों में वेस्टइंडीज का भारतीय सरजमीं पर टेस्ट में रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच भारत में खेले गए पिछले पांच टेस्ट मैच की बात करें तो चार बार वेस्टइंडीज को पारी की हार झेलनी पड़ी है, जबकि एक मैच में भारत ने उसे 10 विकेट से हराया था। भारत ने कोलकाता में 2013 में खेले गए टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को पारी और 51 रनों से हराया था। वहीं, 2013 में ही मुंबई में खेले गए मैच में भारतीय टीम ने पारी और 126 रनों से जीत दर्ज की थी। 2018 में राजकोट टेस्ट में भारत ने वेस्टइंडीज को पारी और 272 रनों से हराया था, जबकि उसी साल हैदराबाद टेस्ट में 10 विकेट से जीत दर्ज की थी। अब अहमदाबाद में भी वेस्टइंडीज की स्थिति नहीं बदली और उसे पारी की हार झेलनी पड़ी। दिलचस्प बात यह है कि ये सभी पांच मैच तीन दिन के अंदर ही खत्म हुए हैं।

दो सत्र में ही निपटी वेस्टइंडीज की पारी : इस मैच में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दोनों पारी में खराब रही और तीनों दिन भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। वेस्टइंडीज के लिए दूसरी पारी में एलिका अथानाजे ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए, जबकि जस्टिन ग्रीव्स ने 25, जेडन सील्स ने 22, जोहान लेन ने 14, जॉन कैंबेल ने 14, तेगनारायण चंद्रपॉल ने 8, ब्रेंडन किंग ने 5, रोस्टन चेज ने 1 और शाई होप ने 1 रन बनाए। वहीं, खैरी पियरे 13 रन बनाकर नाबाद लौटे। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दूसरी पारी में इतनी खराब रही कि टीम सिर्फ चार घंटे ही भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक सकी।

जडेजा का ऑलराउंड प्रदर्शन : भारत के लिए अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इस मैच में बल्ले के बाद गेंद से भी दम दिखाया। जडेजा ने पहली पारी में नाबाद शतक लगाया था और दूसरी पारी में उन्होंने चार विकेट लिए। जडेजा का साथ सिराज ने निभाया और वह तीन विकेट अपने नाम करने में सफल हुए। वहीं, कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने दो और वाशिंगटन सुंदर को एक विकेट मिला। जसप्रीत बुमराह दूसरी पारी में एक भी सफलता हासिल नहीं कर सके। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और अंतिम मुकाबला 10 अक्तूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत की पहली पारी : भारत ने केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और जडेजा के शतकों से पहली पारी में विशाल स्कोर खड़ा किया था और बढ़त लेने में सफल रही थी। गिल और राहुल ने दूसरे दिन बल्लेबाजी की शुरुआत की थी। शुभमन गिल ने जहां अर्धशतक लगाया, वहीं राहुल ने शतक पूरा किया था। राहुल 197 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 100 रन बनाकर आउट हुए। राहुल और गिल के पवेलियन लौटने के बाद जुरेल और जडेजा ने भारतीय पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। इस दौरान जुरेल के बल्ले से करियर का पहला टेस्ट शतक निकला। जुरेल 210 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 125 रन बनाकर आउट हुए। जुरेल के आउट होने के बाद जडेजा ने भी गियर बदला और तेजी से खेलते हुए अपने टेस्ट करियर का छठा शतक पूरा किया। जडेजा अंत तक क्रीज पर टिके रहे और दूसरे दिन नाबाद रहकर पवेलियन लौटे थे। जडेजा ने 176 गेंदों पर छह चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए।

भारत-वेस्टइंडीज पहला टेस्ट

मैच: भारत-वेस्टइंडीज, **दिनांक:** 02-04 अक्टूबर 2024, **स्थान:** अहमदाबाद, **टॉस:** वेस्टइंडीज ने जीता व पहले बल्लेबाजी ली, **परिणाम:** भारत पारी व 140 रन से जीता। **मैन ऑफ द मैच:** रवीन्द्र जडेजा (भारत)।

वेस्टइंडीज पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जॉन कैंपबेल कै ज्युरेल बो बुमराह	8	19	2	0
तेजनारायण चंद्रपॉल कै जुरेल बो सिराज	0	11	0	0
ऐलेक ऐथनेज कै केएल राहुल बो सिराज	12	24	2	0
ब्रैंडन किंग बो सिराज	13	15	3	0
रॉस्टन चेज कै जुरेल बो सिराज	24	43	4	0
शे होप बो कुलदीप	26	36	3	0
जस्टिन ग्रीव्स बो बुमराह	32	48	4	0
खारी पिएर lbw बो सुंदर	11	34	2	0
जोमेल वारिकन कै जुरेल बो कुलदीप	8	16	1	0
जोहान लेन बो बुमराह	1	4	0	0
जेडेन सील्स नाबाद	6	16	0	0

अतिरिक्त : 21, **कुल :** 162, **विकेट पतन :** 1-12, 2-20, 3-39, 4-42, 5-90, 6-105, 7-144, 8-150, 9-153, 10-162. **गेंदबाजी :** जसप्रीत बुमराह 14-3-42-3, मोहम्मद सिराज 14-3-40-4, नीतीश कुमार रेड्डी 4-1-16-0, रवींद्र जडेजा 3-0-15-0, कुलदीप यादव 6.1-0-25-2, वॉशिंगटन सुंदर 3-0-9-1.

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल कै होप बो सील्स	36	54	7	0
केएल राहुल कै ग्रीव्स बो वारिकन	100	197	12	0
साई सुदर्शन lbw बो चेज	7	19	0	0
शुभमन गिल कै ग्रीव्स बो चेज	50	100	5	0
ध्रुव जुरेल कै होप बो पिएर	125	210	15	3
रवींद्र जडेजा नाबाद	104	176	6	5
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	9	13	0	0

अतिरिक्त : 17, **कुल** : 448/5d, **विकेट पतन :** 1-68, 2-90, 3-188, 4-218, 5-424. **गेंदबाजी :** जेडेन सील्स 19-2-53-1, जोहान लेन 15-0-38-0, जस्टिन ग्रीव्स 12-4-59-0, जोमेल वारिकन 29-5-102-1, खारी पिएर 29-1-91-1, रॉस्टन चेज 24-3-90-2.

वेस्टइंडीज दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
जॉन कैंपबेल कै साई सुदर्शन बो जडेजा	14	32	1	0
तेजनारायण चंद्रपॉल कै नीतीश बो सिराज	8	23	1	0
ऐलेक ऐथनेज कै & बो सुंदर	38	74	3	0
ब्रैंडन किंग कै केएल राहुल बो जडेजा	5	18	1	0
रॉस्टन चेज बो कुलदीप	1	4	0	0
शे होप कै जायसवाल बो जडेजा	1	14	0	0
जस्टिन ग्रीव्स lbw बो सिराज	25	52	4	0
खारी पिएर नाबाद	13	28	2	0
जोमेल वारिकन कै गिल बो सिराज	0	2	0	0
जोहान लेन कै सिराज बो जडेजा	14	13	3	0
जेडेन सील्स कै & बो कुलदीप	22	12	1	2

अतिरिक्त : 5, **कुल :** 146, **विकेट पतन :** 1-12, 2-24, 3-34, 4-35, 5-46, 6-92, 7-98, 8-98, 9-122, 10-146. **गेंदबाजी :** जसप्रीत बुमराह 6-1-16-0, मोहम्मद सिराज 11-2-31-3, रवींद्र जडेजा 13-3-54-4, कुलदीप यादव 8.1-3-23-2, वॉशिंगटन सुंदर 7-1-18-1.

मैदान के बाहर की इन बातों पर भी चर्चा जरूरी है

हरीश हर्ष
खेल समीक्षक

महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट का नवीनतम यानि 13वां अध्याय भारत और श्रीलंका की मेजबानी में आरंभ हो चुका है। विश्व की श्रेष्ठतम आठ टीमों के मध्य राउण्ड रोबिन लीग आधार एवं नॉकआउट पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने हेडलाईन्स बनाना आरंभ कर दिया है। लेकिन इन महिला क्रिकेटरों की चर्चा उनके सिर्फ मैदानी कारनामों तक ही सीमित नहीं है, क्योंकि इन खिलाड़ियों के अन्य पहलुओं पर भी जानकारी अत्यन्त रोचक और प्रेरणादायक रही है। इस लेख में उनके कुछ ऐसे ही रोमाचंक और विस्मयी तथ्यों को पाठकों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं रहे हैं : इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे 120 खिलाड़ियों में कुछ खिलाड़ी ऐसे भी है जिन्होंने क्रिकेट से जुड़ने के पहले अन्य दूसरे खेल में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है। इससे सर्वोपरि नाम न्यूजीलैण्ड की अनुभवी आलराउन्डर 38 वर्षीया सुजी बैट्स का होता है जो इस बार अपना पांचवां विश्व कप खेल रही है। वर्ष 2006 में भारत के खिलाफ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण करने वाली सुजी बैट्स 2008 बीझिंग ओलम्पिक में कीवी बास्केटबाल महिला टीम की सदस्या रह चुकी है। सूजी बैट्स के साथ-साथ व्हाईट फर्न क्रिकेट टीम कप्तान यानि कीवी कप्तान सोफी डेवाइन का भी कैरियर रहा है। 1 सितम्बर 1989 को जन्मी डेवाइन जो बिना हेल्मेट के बल्लेबाजी के लिए मशहूर है और इस बार अपना पांचवां विश्व कप में खेलने के लिए आतुर है, 2012 के लंदन ओलम्पिक के लिए ब्लैक स्टिक टीम (न्यूजीलैण्ड महिला हॉकी टीम) में जगह बनाते-बनाते चूक गई थी। फुल बैक के तौर पर 36 मैच ब्लैक स्टिक टीम के लिए वाली सोफी डेवाइन को अपने देश के लिए 2009 में बोस्टन में जूनियर हॉकी विश्वकप और 2011 एमर्स्टलीन महिला हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी में खेलने का गौरव हासिल है। इस विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी की कमान संभाल रही ओपनिग बैट्र तजमीन ब्रिट्स का पहला खेल प्रेम भाला फेंक रहा था जिसमें वह 2007 के वर्ल्ड यूथ एथलेटिक्स चैम्पियनशीप में विजेता रह चुकी थी। इस खेल में वह 2012 लंदन ओलम्पिक के लिए अपने राष्ट्रीय टीम में जगह भी बना चुकी थी। लेकिन आठ माह पहले हुए एक भीषण कार दुर्घटना में जब उसके शरीर के निचले भाग की हड्डियां टूट गई तो उसका ओलम्पिक खेलने का सपना भी बिखर गया। अलबत्ता इंजरी से उभारने के बाद उसने क्रिकेट की ओर रुख किया और 2018 से दक्षिण अफ्रीका के लिए खेल रही है। आस्ट्रेलियाई आलराण्डर एलिस एलेक्सेण्ड्रा पैरी भी बहुमुखी प्रतिभा वाली खिलाड़ी रही है, जिसे क्रिकेट के साथ-साथ फुटबाल के विश्व कप प्रतियोगिता में भाग लेने का सम्मान प्राप्त है। क्रिकेट में 2007 से ऑस्ट्रेलिया के डेब्यू करने वाली पैरी अब पाचवीं बार विश्वकप खेल रही है। क्रिकेट में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के दो सप्ताह बाद उसने फुटबाल में 16 साल और 9 माह की उम्र में माटील्डास (महिला ऑस्ट्रेलिया फुटबाल टीम) के लिए डिफेन्डर के तौर पर हॉगकॉग के खिलाफ डेब्यू किया। 18 बार माटील्डास के लिए खेलने वाली पैरी ने 2011 में विश्व कप क्वालीफायर में स्वीडन के खिलाफ गोल भी दागी है। एलिस पैरी की भांति पाकिस्तानी तेज गेंदबाज 29 साल की डायना बेग को भी अपने देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फुटबाल और क्रिकेट में प्रतिनिधित्व करने का एजाज हासिल है। फुटबाल में डायना ने 2014 में बहरीन में एसएएफएफ चैम्पियनशिप के दौरान डिफेन्डर के तौर पर डेब्यू किया। फिर अगले साल इंग्लैण्ड के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल में पाकिस्तानी जर्सी पहनी।

माताओं का जलवा : महिलाओं के लिए कुदरत का सबसे बड़ा वरदान मां बनने का है। इस आयोजन में भी चार खिलाड़ी जो माता भी है, शिरकत कर रही है। इनमें से ऑस्ट्रेलियाई मेगन शूट, न्यूजीलैण्ड की ली ताहुहु और दक्षिण अफ्रीकी मासाबाता क्लास तो पिछले विश्व कप में भी खेली थी। इसके अलावा इस बार इंग्लिश कप्तान नेट श्रीवर-ब्रन्ट भी मम्मी की भूमिका में नजर आ रही है। इनमें से मासाबाता क्लास को छोड़कर शेष तीनों क्रिकेटरों ने अपने हमवतन साथी क्रिकेटर

सूजी बैट्स

सोफी डेवाइन, कीवि कप्तान

भारत की वृन्दा राठी, नारायनन जननी व गायत्री वेणूगोपालन निभाएंगी अंपायर की भूमिका।

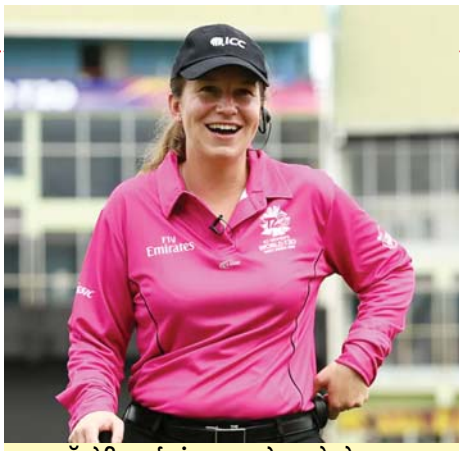

ऑस्ट्रेलियाई अंपायर क्लेयर पोलोसाक।

के साथ समलैंगिक विवाह किया है और रेसीप्रोकल आईवीएफ तकनीक के जरिये मातृत्व प्राप्त किया है। सबसे पहले ली ताहुहु ने 2017 में एमी सटरवेट से विवाह कर 2020 में बेटी ग्रेस एवं 2025 में बेटे लुई को सन्तान के रूप में पाया है। फिर मेगन शूट ने 2019 में जेस होलियोक से शादी रचाकर 2022 में पुत्री राईली की मां बनी। जापान में पैदा हुई इंग्लिश कप्तान नेट श्रीवर -ब्रन्ट ने मई 2022 मे केथरिन ब्रन्ट से शादी करने के बाद इस साल मार्च में बेटे थियोडोर माइकल की माता बनी है। अलबत्ता दक्षिण अफ्रीकी तेज गेन्दबाज मासाबाता क्लास इस आयोजन में सबसे अनुभवी मां होने का सम्मान हासिल है, जिसकी बेटी रेथाबाइल 13 साल की हैं। इससे सम्बन्धित एक और रोचक जानकारी यह भी है कि मेजबान भारत को छोड़कर शेष सात देशों की टीम में कम से कम एक विवाहित खिलाड़ी तो अवश्य है। यह उल्लेखनीय है कि 1973 के प्रथम आयोजन के फाइनल मैच में शतक बनाकर वूमन्स ऑफ फायनल बनी एनिड बैकवेल, जिन्हे महिला क्रिकेट का सोबर्स रहा जाता है, तीन बच्चों की मां थी।

केवल महिलाएं ही सम्भालेंगी मैच की जिम्मेदारी : महिला विश्व कप आयोजन के इतिहास में इस बार पहली दफा केवल महिलाएं ही मैच की जिम्मेदारी सम्भालेंगी। आईसीसी के फैसले के तहत पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप में केवल महिलाओं को एमिरेट्स आईसीसी मैच अधिकारियों के पैनल का हिस्सा बनाया है। यद्यपि ऑल विमेन्स ऑफिसियल्स का कारनामा इससे पहले बर्मिंघम के 2022 राष्ट्रमंडल खेल और पिछले दो आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में भी देखा गया है। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह के अनुसार यह कदम महिला क्रिकेट के सफर का एक निर्णायक क्षण है। मैच अधिकारियों के एक महिला पैनल का गठन न केवल एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि क्रिकेट में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी की अटूट प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतिबिंब भी है। इस महिला पैनल में 14 अंपायर एवं 4 मैच रेफरी को जगह मिली है। चार सदस्यों वाले मैच रेफरी पैनल में 66 वर्षीया टूडी ली एंडरसन (न्यूजीलैण्ड), 40 वर्षीया शैंड्रे एल्वीडा फ्रिट्ज (दक्षिण अफ्रीका), 57 वर्षीया गोन्दीकोटा सुवर्ना लक्ष्मी (भारत) और 43 वर्षीया जेरेलीन मिशेल परेरा (श्रीलंका) शामिल हैं। इनमें से जीएस लक्ष्मी को छोड़कर शेष तीनों को एक प्लेयर के तौर पर विमेन्स विश्व कप में शामिल होने का भी अनुभव प्राप्त है। चौदह महिला अंपायरों के समूह में क्लेयर पोलोसाक (ऑस्ट्रेलिया), जैकलीन विलियम्स (वेस्टइंडीज) और सू रेडफर्न (इंग्लैण्ड) की तिकड़ी शामिल है, जो अपने तीसरे महिला विश्व कप में भाग लेंगी जबकि लॉरेन एजेनबैग (दक्षिण अफ्रीका) और 47 वर्षीया किम कॉटन (न्यूजीलैण्ड) अपने दूसरे विश्व कप में भाग लेंगी। यह गौरतलब है कि 2022 के फायनल में ऑस्ट्रेलिया द्वारा अपना 7वां खिताब जीतने के समय वे दोनो ही अंपायर थीं। 30 सितम्बर को भारत बनाम श्रीलंका के गुवाहाटी में खेले जाने वाले प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच के लिए आस्ट्रेलियाई 37 वर्षीया क्लेयर अन्टोनिया पोलोसाक एवं 40 वर्षीया इलॉयस शेरीडान की जोड़ी मैदान में उतरेगी। फिर 1 अक्टूबर को इन्दौर में आस्ट्रेलियाई एवं न्यूजीलैण्ड के मध्य हाई वोल्टेज मैच में 47 वर्षीया सू रेडफर्न (इंग्लैण्ड) और 46 वर्षीया गायत्री वेणूगोपालन इस भूमिका में नजर आयेंगी। 2 अक्टूबर को बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान के मध्य कोलम्बो, श्रीलंका में खेले जाने वाले प्रतियोगिता के पहले मैच लोकल गर्ल 34 वर्षीया निमाली परेरा के साथ 29 वर्षीया लॉरेन एजेनबैग (दक्षिण अफ्रीका) मैदान में उतरेगी। अन्य चयनित अम्पायरो में 35 वर्षीया सराह डामबनेवना (जिम्बाब्वे), 34 वर्षीया शातीरा जकिर (बांग्लादेश), 38 वर्षीया कैन्डेस ला बोर्डे (वेस्टइंडीज), 27 वर्षीया केरीन क्लास्ते (दक्षिण अफ्रीका) के साथ- साथ भारत की 36 वर्षीया वृन्दा घनश्याम राठी एवं 40 वर्षीया नारायनन जननी शामिल है। इनमें सबसे बुजुर्ग 36 वर्षीया जैकलीन विलियम्स (वेस्ट इंडीज, जन्म 4 मार्च 1976) एवं सबसे युवा 27 वर्षीया केरीन क्लास्ते (दक्षिण अफ्रीका जन्म 3 मार्च 1998) है। इसके अलावा सू रेडफर्न को एक प्लेयर के तौर पर महिला विश्व कप (1997) में शामिल होने का भी गौरव प्राप्त है जबकि शातीरा जकिर (बांग्लादेश) और सराह डामबनेवना (जिम्बाब्वे) ने अपने देश के लिए इन्टरनेशनल मैच खेल चुकी है। जानकारी के लिए पहली बार महिला विश्वकप में 2017 में चार महिला अम्पायरों कैथलीन क्रॉस, क्लेयर पोलोसेक, सू रेडफर्न एवं जैकलीन विलियम्स को चुना गया था।

छप्पर फाड़ कर बटेंगे पुरस्कार राशि : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने इस आयोजन में अपना कुबेर का खजाना खोलते हुए कुल 13.88 मिलियन अमरीकी डॉलर की पुरस्कार राशि की घोषणा की है, जो 2022 न्यूजीलैंड में खेले गये विश्व कप में बंटे 3.5 मिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में 297 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और 2023 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में प्रदत्त 10 मिलियन डॉलर की कुल पुरस्कार राशि से भी अधिक है। इस बार की विजेता देश को मिलने वाली 4.48 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि, पुरूषों के 2023 विश्व कप में दिए जाने वाले 4 मिलियन अमरीकी डॉलर से भी अधिक है जो क्रिकेट में लैंगिक समानता के प्रति आईसीसी के एक ऐतिहासिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उल्लेखनीय है कि 12 साल पहले 2013 में जब भारत ने इस आयोजन की मेजबानी की थी, तब पुरस्कार राशि मात्र 200,000 अमरीकी डॉलर रही थी।

तीन आयोजन में प्रदत्त पुरस्कार राशि (अमरीकी डालर में)

पोजीशन	वर्ष 2025 (देश)	वर्ष 2022 (देश)	वर्ष 2017 (देश)
विजेता	44,80,000 (1)	13,20,000 (1)	6,60,000 (1)
उपविजेता	22,40,000 (1)	6,00,000 (1)	3,30,000 (1)
सेमीफायनल में पराजित	11,20,000 (2)	3,00,000 (2)	1,65,000 (2)
पॉचवे एवं छठवें स्थान	7,00,000 (2)	70,000 (2)	30,000 (2)
सातवें एवं आठवे स्थान	2,80,000 (2)	70,000 (2)	30,000 (2)
ग्रुप मैच विजेता	34,285 (28)	25,000 (28)	20,000 (28)
भागेदारी राशि	2,50,000 (8)	-	-
कुल	**1,38,80,000**	**35,00,000**	**20,00,000**

पुरस्कार राशि अमरीकी डालर (वर्तमान में एक अमरीकी डालर लगभग 88 रू.के बराबर)

पुरुषों के बाद महिला टीम ने भी पाकिस्तान को दी पटखनी

महिला वनडे विश्व कप 2025 के छठे लीग मैच में भारत का सामना 5 अक्टूबर को पाकिस्तान से कोलंबो को आर.प्रेमदासा स्टेडियम में हुआ। इस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 88 रन से हराया और ये भारत की पाकिस्तान पर वनडे क्रिकेट में लगातार 12वीं जीत रही। वनडे क्रिकेट इतिहास में पाकिस्तान की टीम को कभी भारत के खिलाफ जीत नहीं मिली। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर इस मैच में पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 247 रन बनाए और पाकिस्तान को जीत के लिए 248 रन का टारगेट दिया। इसके जबाव में पाकिस्तान की टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने बिखर गई और 43 ओवर में 159 रन पर आउट हो गई।

स्मृति मंधाना ने 23 रन की पारी खेली और आउट हो गईं। प्रतिका रावल 31 रन के स्कोर पर आउट हुईं। हरमनप्रीत कौर ने अपना विकेट 19 रन के स्कोर पर गंवा दिया। हरलीन देओल 46 रन की पारी खेलकर आउट हो गईं। जेमिमा रोड्रिग्स ने 32 रन की पारी खेली। स्नेह राणा ने 20 रन बनाए और पवेलियन लौट गईं जबकि दिसी शर्मा ने टीम के लिए 25 रन बनाए। रिचा ने आखिरी समय पर शानदार बैटिंग की और 20 गेंदों प 35 रन की नाबाद पारी खेली। पाकिस्तान के लिए डायना बेग ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए जबकि सादिया इकबाल और फातिमा सना को 2-2 सफलता मिली। भारत के लिए तीन विकेट लेने वाली क्रांति गौड़ को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला।

पाकिस्तान का पहला विकेट मुनीबा अली के रूप में गिरा जो 2 रन पर रन आउट हो गईं। सदफ शमास ने 6 रन जबकि आलिया रियाज ने 2 रन बनए। नतालिया परवेज ने 33 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। कप्तान फातिमा सना 2 रन पर आउट हो गईं। सिदार अमीन ने इस टीम के लिए सबसे बड़ी पारी खेली और 81 रन पर आउट हुईं। भारत के लिए क्रांति गौड़ और दिसी शर्मा ने 3-3 विकेट लिए जबकि स्नेह राणा को 2 सफलता मिली।

भारत के आगामी क्रिकेट मैच

2025 में भारत इन टीमों के साथ खेलेगा 4 टेस्ट, 6 वनडे और 10 टी20

भारतीय टीम ने कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में अजेय रहते हुए टी20 एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। पिछले दिनों दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर 9वीं बार एशिया कप का खिताब जीता। भारत की इस जीत में हीरो रहे तिलक वर्मा जिन्होंने नाबाद रहते हुए टीम को मुश्किल से निकालकर जीत तक पहुंचाया। अब एशिया कप 2025 के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का शेड्यूल इस साल के बचे हुए महीनों में काफी टाइट होने वाला है। इस दौरान तकरीबन तीन महीनों में भारत को 4 टेस्ट, 6 वनडे और 10 टी20 मुकाबले खेलने हैं।

किन-किन टीमों से होगी भिड़ंत : भारतीय टीम एशिया कप के बाद सबसे पहले रेड बॉल क्रिकेट में वेस्टइंडीज का सामना करेगी। इस दो टेस्ट मैच की सीरीज के बाद भारतीय टीम व्हाइट बॉल सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां उसे तीन वनडे और 5 टी20 मुकाबले खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज भी खेलेगी। अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना करेगी। वहीं साल 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए एकदिवसीय टीम को भी तैयार करने के लिए टीम मैनेजमेंट की नजर होगी।

रो-को फैंस को मिलेगी खुशखबरी : इस दौरान सबसे खास बात यह है कि आने वाले अगले तीन महीनों में रोहित शर्मा और विराट कोहली के फैंस को भी खुशखबरी मिलने वाली है। यह दोनों ही दिग्गज अब टेस्ट और टी20 से रिटायर होने के बाद सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलेंगे। ऐसे में रोको फैंस को उनका वापस मैदान पर उतरने के लिए बेसब्री से इंतजार है। ये दोनों ही खिलाड़ी इस साल मार्च में हुए चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद से भारतीय जर्सी में खेलते नहीं नजर आए हैं। हालांकि, आईपीएल में रोहित और विराट मैदान पर उतरे थे। मगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में लंबे अंतराल के बाद दोनों भारतीय जर्सी में नजर आ सकते हैं।

भारतीय टीम का इस साल का पूरा शेड्यूल

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज

- **पहला टेस्ट-** 2-6 अक्टूबर, अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम)
- **दूसरा टेस्ट-** 10-14 अक्टूबर, दिल्ली (अरुण जेठली स्टेडियम)

ऑस्ट्रेलिया का दौरा

- **पहला वनडे-** 19 अक्टूबर, पर्थ (ऑप्टस स्टेडियम)
- **दूसरा वनडे-** 23 अक्टूबर, एडिलेड (एडिलेड ओवल)
- **तीसरा वनडे-** 25 अक्टूबर, सिडनी (सिडनी क्रिकेट ग्राउंड)
- **पहला टी20-** 29 अक्टूबर, कैनबेरा (मनुका ओवल)
- **दूसरा टी20-** 31 अक्टूबर, मेलबर्न (एमसीजी)
- **तीसरा टी20-** 2 नवंबर, होबार्ट (बिंजा स्टेडियम)
- **चौथा टी20-** 6 नवंबर, गोल्ड कोस्ट (हेरिटेज बैंक स्टेडियम)
- **पांचवां टी20-** 8 नवंबर, ब्रिसबेन (गाबा)

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज

- **पहला टेस्ट-** 14-18 नवंबर, कोलकाता (ईडन गार्डन)
- **दूसरा टेस्ट-** 22-26 नवंबर, गुवाहाटी (बरसापारा स्टेडियम)
- **पहला वनडे-** 30 नवंबर, रांची (जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम)
- **दूसरा वनडे-** 3 दिसंबर, न्यू रायपुर (शहीद विजय नारायण सिंह स्टेडियम)
- **तीसरा वनडे-** 6 दिसंबर, विशाखापट्टनम (ACA-VDCA क्रिकेट स्टेडियम)
- **पहला टी20-** 9 दिसंबर, कटक (बाराबाती स्टेडियम)
- **दूसरा टी20-** 11 दिसंबर, न्यू चंडीगढ़ (मोहाली पीसीए स्टेडियम)
- **तीसरा टी20-** 14 दिसंबर, धर्मशाला (HPCA स्टेडियम)
- **चौथा टी20-** 17 दिसंबर, लखनऊ (इकाना क्रिकेट स्टेडियम)
- **पांचवां टी20-** 19 दिसंबर, अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम)

ऑस्ट्रेलिया-न्यूज़ीलैंड वनडे वर्ल्डकप 2025 की खास झलकियां

विश्व कप ट्रॉफी को निहारते युवा।

डाई लगाकर गेंद को रोकने का प्रयास करती न्यूज़ीलैंड की खिलाड़ी।

शतक लगाने के बाद एशले गार्डनर।

न्यूज़ीलैंड की कप्तान ने भी जमाया शतक।

गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी।

इंदौर के होलकर स्टेडियम में आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूज़ीलैंड को 89 रनों से हराकर अपनी शानदार शुरुआत की। इस मैच के कुछ रोमांचक क्षणों को हमारे फोटो जर्नलिस्ट **मनीष शुक्ला** ने बड़ी बेबाकी से अपने कैमरे में कैद किया। मैच में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एशले गार्डनर ने 85 गेंदों में 115 रनों की पारी खेली, तो वहीं न्यूज़ीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भी शानदार शतक लगाया। उन्होंने 112 गेंदों में 111 रन बनाए।

मिलिए बीसीसीआई के नए अध्यक्ष मिथुन मनहास से

जम्मू-कश्मीर और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके पूर्व क्रिकेटर और अनुभवी बल्लेबाज मिथुन मनहास बीसीसीआई (BCCI) के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ट्वीट कर मिथुन मनहास को बधाई दी है। मनहास का नाम हाल ही में नई दिल्ली में हुई बीसीसीआई की एक अनौपचारिक बैठक के बाद सामने आया, जहां यह तय किया गया कि उन्हें अध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। यह पद पिछले महीने रोजर बिन्नी के कार्यकाल समाप्त होने के बाद से खाली था। यह पहली बार है, जब जम्मू-कश्मीर से कोई खिलाड़ी इस पद के लिए चुना गया है।

जितेंद्र सिंह ने लिखा, मिथुन मनहास को आधिकारिक तौर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का नया अध्यक्ष घोषित किया गया है। जम्मू और कश्मीर के सबसे दूरदराज जिलों में से एक, डोडा के लिए यह दिन कितनी बड़ी उपलब्धि है, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह जिला मेरी अपनी जन्मभूमि भी है। कुछ ही घंटों के अंदर दो बड़ी खबरें आई हैं। पहले किश्तवार की बेटी शीतल विश्व चैंपियन बनकर चमकती हैं, और उसके कुछ समय बाद मिथुन इस प्रतिष्ठित पद के लिए चुने जाते हैं।

45 साल के मिथुन मनहास भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक घरेलू क्रिकेट के स्टार रहे। मनहास घरेलू क्रिकेट में दिल्ली टीम के लिए खेले। उन्होंने 1997-98 से लेकर 2016-17 तक के लंबे करियर में 157 फर्स्ट क्लास, 130 लिस्ट ए और 91 टी20 मुकाबले खेले हैं। उनके नाम 9714 फर्स्ट क्लास रन दर्ज हैं।

भले ही उन्हें भारतीय टीम में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन आईपीएल में वह तीन फ्रेंचाइजियों के लिए खेले। इनमें दिल्ली डेयरडेविल्स, पुणे वॉरियर्स और चेन्नई सुपर किंग्स शामिल हैं। हाल फिलहाल में वह जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (JKCA) के प्रशासक रहे और इससे पहले दलीप ट्रॉफी के लिए नॉर्थ जोन के संयोजक रह चुके हैं। इसके अलावा, वे आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा भी रह चुके हैं।

बिन्नी की जगह लेंगे मनहास : मनहास रॉजर बिन्नी की जगह लेंगे। बिन्नी को पद छोड़ना पड़ा क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के नियमों के मुताबिक किसी भी पदाधिकारी की अधिकतम आयु सीमा 70 वर्ष है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह और रघुराम भट्ट भी इस दौड़ में थे। हालांकि, अंत में मनहास पर सहमति बनी। बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (AGM) में औपचारिक रूप से नई कमेटी पर फैसला लिया गया।

अमिता महिला चयन समिति की अध्यक्ष : वार्षिक आम बैठक में अमिता शर्मा को महिलाओं की चयन समिति की अध्यक्ष नियुक्त करने की पुष्टि की गई। उन्होंने नीतू डेविड की जगह ली है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अमिता शर्मा, जिन्होंने 116 वनडे मैच खेले हैं, के साथ श्यामा डे, जया शर्मा और श्रावंती नायडू इस पैनल में शामिल होंगी। इनका कार्यकाल भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले महिला विश्व कप के बाद शुरू होगा।

बीसीसीआई में अन्य बदलाव : बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को राष्ट्रीय सीनियर पुरुष चयन समिति में शामिल किया गया। वे एस शरथ की जगह शामिल किए गए हैं। एस शरथ को जूनियर चयन समिति का नया चेयरमैन बनाया गया है और वह वीएस तिलक नायडू की जगह लेंगे। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आरपी सिंह को सुब्रतो बनर्जी की जगह चयन समिति में शामिल किया गया।

सैकिया ही बने रहेंगे सचिव : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्नाटक के दिग्गज रघुराम भट को कोषाध्यक्ष चुने गए हैं, जबकि छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के प्रभतेज सिंह भाटिया को संयुक्त सचिव बनाया गया है। देवजीत साकिया बीसीसीआई सचिव पद पर बने रहेंगे। वहीं, राजीव शुक्ला उपाध्यक्ष बने रहेंगे। शुक्ला पहले ही इस पद पर पांच साल पूरे कर चुके हैं। इसके बाद भी उन्हें एक्सटेंशन मिला है।

आगे क्या होगा रोल : मनहास की नियुक्ति से उम्मीद जताई जा रही है कि बीसीसीआई में खिलाड़ी-केंद्रित नीतियों को और मजबूती मिलेगी और युवा क्रिकेटरों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वहीं, सैकिया ने अपने पुराने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए थे और उनकी प्रशासनिक दक्षता की काफी सराहना की जाती है।

नया नेतृत्व, नए अवसर : इस नई टीम के गठन के साथ ही भारतीय क्रिकेट में नई ऊर्जा आने की उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि पूर्व खिलाड़ी के नेतृत्व में बोर्ड का दृष्टिकोण और भी खिलाड़ी-केंद्रित और रणनीतिक हो जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस टीम की प्राथमिकताओं में युवा क्रिकेटरों के विकास, घरेलू टूर्नामेंटों की गुणवत्ता बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की स्थिति मजबूत करना शामिल रहेगा। **-एनएसटी डेस्क**

संकट जिसे कोई देख नहीं रहा- अच्छे बैट न मिलेंगे तो क्रिकेट कैसे खेलेंगे?

टेस्ट क्रिकेट ने क्रिकेट को 100 से भी ज्यादा साल में लोकप्रियता के जिस मुकाम पर पहुंचाया, एक दिन वाली क्रिकेट ने लोकप्रियता के पैमाने पर उस मुकाम को कुछ ही साल में पार कर लिया था। टी20 क्रिकेट ने इतना समय भी नहीं लगाया। लोकप्रियता के मुकाम की बात तो छोड़िए, उसके तो पारंपरिक क्रिकेट को निगलने की चर्चा हो रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तो पीछे रह गई और अब हर देश में अपनी आईपीएल जैसी टी20 लीग है और तो कई देशों में राज्य भी अपनी टी20 लीग आयोजित कर रहे हैं। सभी पर अपने हिसाब से पैसा बरस रहा है।

जब इतना क्रिकेट होगा तो खिलाड़ी भी बढ़ेंगे। अब 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब' वाली बात किस्सों-कहानियों के लिए ठीक रह गई है। अब अगर मां-बाप अपने घर में बच्चे के बैट पकड़ते ही एक 'विराट कोहली' या एक 'स्मृति मंधाना' का सपना देखने लगते हैं तो कोई हैरानी की बात नहीं।

तो सीधा सा समीकरण ये है कि ज्यादा क्रिकेट तो ज्यादा खेलने का सामन और इसमें सबसे खास है बैट। गली-मोहल्ले की क्रिकेट में भी गेंद चाहे जैसी हो, बैट तो लकड़ी का ही होगा। क्रिकेट में, खिलाड़ी के हर ऊपर की पायदान पर कदम रखते हुए, पिछले से बेहतर बैट की चाह गलत नहीं। अब तो स्टडी ने भी ये साबित कर दिया है कि आज टी20 क्रिकेट में जिस तरह से रन बन रहे हैं और बल्लेबाज जैसे स्ट्रोक लगा रहे हैं, उसके लिए खास तौर पर बेहतर लकड़ी से तैयार हो रहे बैट बहुत कुछ जिम्मेदार हैं।

बेहतर बैट, किसी आम लकड़ी से नहीं बनते। अच्छे दर्जे के क्रिकेट बैट एक खास किस्म की लकड़ी से बनते हैं और कई क्रिकेट खेलने वाले देशों में तो ये लकड़ी है भी नहीं। इसे विलो कहते हैं और ऊंचे दर्जे के बैट बनाने के लिए ज्यादातर इंग्लिश विलो या काश्मीर विलो का इस्तेमाल होता है। विश्वास कीजिए बेहतर बैट की कीमत हजारों रुपये की गिनती पार कर लाखों में पहुंच रही है। अब मुद्दा ये है कि ऐसे क्रिकेट बढ़ेगा तो खेलने के लिए बैट बनाने के विलो कहां से आएगी? इस तरफ किसी का ध्यान नहीं लेकिन चिंता करने वाले भी हैं।

इस समय 100 से ज्यादा देश टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। जिन देशों में कोई ये नहीं जानता था कि क्रिकेट होता क्या है, उनकी टीम अब अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं। सऊदी अरेबिया जैसा देश अगर टी20 क्रिकेट की लीग के लिए कई अरब रुपये खर्च करने के लिए तैयार है तो अंदाजा लगा लें कि क्रिकेट किस मुकाम पर है। क्या ये सभी टी20 लीग बेहतर बैट पर मंडरा रहे संकट के लिए जिम्मेदार हैं?

जिसके पास पैसा है, उसे इंग्लिश विलो का बैट चाहिए। बाजार में बैट नहीं मिल रहे। क्रिकेट मैच के दौरान, खेल में गेंद बदलने पर होने वाला शोर सब देखते हैं पर इसका कोई रिकॉर्ड नहीं कि अपनी पारी के दौरान, बैट न टूटा हो तब भी, बल्लेबाज अपना बैट कितनी बार बदलता है? इसलिए नहीं कि ब्लेड टूट गए या किनारे टूट गए, बल्कि इसलिए कि बल्लेबाज को एक अलग एहसास पसंद था और क्रिकेट लॉ में बैट बदलने पर कोई रोक-टोक नहीं।

इस साल लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेस्ट के दौरान, खेल देखते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक गैटिंग ने बताया कि वे साल में सिर्फ़ तीन बैट इस्तेमाल करते थे। आज, स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ी के किट बैग में 18 से भी ज़्यादा बैट मिल जाएंगे। हर एक पर नंबर है, उनकी कंडीशनिंग और उसे तैयार किया जाता है। आज याद ये रखना होगा कि हर इस्तेमाल हो रहा बैट किस तरह से पर्यावरणीय से कीमत ले रहा है। शुरुआत एक ऐसे पेड़ के हिस्से से जिसे बैट योग्य लकड़ी बनने में दो दशक तक लग जाते हैं। एक पेड़, एक बार काटें तो लगभग 40 बैट की लकड़ी के टुकड़े मिलते हैं। अब टी20 के उछाल से बैट की जो मांग बढ़ी, उसने सदियों पुरानी विलो खेती की परंपरा पर दबाव डाल दिया है।

चरनपाल सिंह सोबती
खेल समीक्षक

इंग्लैंड में सैलिक्स अल्बा कैरुलिया - इंग्लिश विलो - की खेती कर रहे, रग्गल्स कहते हैं, आईपीएल शुरू होने के बाद से, बैट की मांग हर साल बढ़ी है। 20 साल पहले के अनुमान से कई गुना ज्यादा। जहां विलो कभी नदियों और बाढ़ के मैदानों के किनारे चुपचाप उगता था, अब एक कमर्शियल प्रॉडक्ट है। उनकी कंपनी जेएस राइट ने पिछले साल लगभग 11000 पेड़ काटे और इसीलिए 44000 पेड़ लगाए। इस समय, हर काटे पेड़ के बदले लगभग तीन से चार पेड़ लगाने का अनुपात जरूरी हो गया है। आज जो पेड़ तैयार हैं, वे वही हैं जिन्हें 2008 के आसपास लगाया था, जब टी20 क्रिकेट का बोलबाला शुरू हुआ।

गड़बड़ ये हुई कि लगभग 15 साल पहले, मांग में इस उछाल का अंदाजा नहीं लगाया था। 2008 में 44000 पेड़ वाला समीकरण नहीं लगाया था। तब लगाते तो आज जैसी चिंता न होती। इस फर्क से बैट की कीमत पर असर आ रहा है और सही इंग्लिश विलो की कमी का मतलब है बेहतर दर्जे के बैट लगभग 1500 अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.40 लाख रुपये) और महंगे।

एक पेड़ काटने पर यूके में कानून है एक-के-लिए-एक का पर लगा रहे हैं तीन और विश्लेषण ये है कि इन तीन में से एक पेड़ मर जाएगा, जानवर नुकसान पहुंचाते हैं, सूखा पड़ता है, और हनी फंगस जैसी बीमारी फैल सकती है। इसीलिए अब इनकी नर्सरी बनने लगी हैं जिससे खर्चा बढ़ गया। हर कोई ऐसा नहीं करता। काश्मीर में कोई नर्सरी नहीं। वहां अभी भी जंगल में ही कश्मीर विलो के पेड़ हैं। ये जरूर है कि ठेकेदार अब उनकी बेहतर देखभाल करा रहे हैं।

सिर्फ कोई पेड़ काटते हुए, एक नया पेड़ लगाने के गणित से काम नहीं चलेगा। कई जगह पैसा बचाने के लिए अंगूठे जितने मोटे, पतले, सीधे पेड़ नहीं लगाते और नतीजा ये कि आगे इनसे बहुत ज्यादा बैट नहीं मिलेंगे। हर कोई नर्सरी और सही नस्ल पर खर्चा नहीं कर रहा। यही एक बड़ी गड़बड़ है।

बढ़ती कीमतों के लालच में विलो का व्यापार भी बढ़ गया है और इरादा सिर्फ ज्यादा से ज्यादा मुनाफा है। अब इसने बैट विलो की संस्कृति खत्म करने की राह पकड़ ली है। किसी को भविष्य की चिंता नहीं। इस उद्योग के सामने और भी बड़ी चुनौतियां हैं। मौसम के बदलाव ने खेती के तरीके बदल दिए हैं। इंग्लैंड और काश्मीर में हल्की ठंड होती है पर अब गर्म होने लगे हैं। इससे खेती का मौसम लंबा हो गया है। अप्रैल से अक्टूबर की बजाय ये मार्च से नवंबर हो गया है। नतीजा ये कि पहले विलो का जो पेड़ 20 साल से ज्यादा में तैयार होता था, अब कुछ पेड़ 12-15 साल में तैयार हो जाते हैं। ये सब भूल गए कि इससे लकड़ी का मिजाज भी बदल जाता है। तेज विकास से सही लकड़ी नहीं मिल रही।

बड़े खिलाड़ी अभी भी पुराने अंदाज की खेती करने वालों के ही बैट खरीद रहे हैं। यही खिलाड़ी पसंद करते हैं। कई लोगों को यह पसंद नहीं है। नए बैट चिकने और चमकदार हैं। युवा लड़के और लड़कियां इन्हें चाहते हैं। ये टूटते भी नहीं। पुराने बैट जल्दी टूट जाते हैं।

बड़े खिलाड़ी इस सब से बेखबर हैं क्योंकि ज्यादातर को अपने कॉन्ट्रैक्ट में बहुत सारे मुफ्त बैट मिलते हैं। सोचने वाली बात ये है कि आखिरकार कोई तो इनकी ऊंची कीमत चुका रहा है। भारत में सरीन (एसएस स्पोर्ट्स) और एसजी (सैनस्पेरिल्स ग्रीनलैंड्स) में से हर एक के पास पिछले आईपीएल में कम से कम 60 खिलाड़ी थे। सभी को मुफ़्त बैट मिले। इनकी कीमत बाजार में बेचे बैट से वसूल की जाती है। इसीलिए बाजार में अच्छे बैट महंगे होते जा रहे हैं।

इस सब मुश्किल पर चर्चा के लिए, एमसीसी ने इस साल जून में विश्व क्रिकेट कनेक्ट्स सम्मेलन आयोजित किया। इसमें कई बड़े बैट निर्माताओं को भी बुलाया और बैट की आपात स्थिति टॉपिक पर चर्चा की। वहां एक समाधान सामने आया और वह है लैमिनेटेड बैट का। इस समय जूनियर क्रिकेट में लैमिनेटेड बैट हैं, जिनमें बैट के लिए लकड़ी के एक ही टुकड़े को तराशने के बजाय कई टुकड़ों को जोड़ते हैं। इसकी कीमत कम है। अब हो सकता है ऐसे बैट बाजार में आएं जिनमें सामने इंग्लिश या कश्मीरी विलो हो पर पीछे साधारण लकड़ी। इसमें बचे टुकड़े, जिनसे पूरा बैट नहीं बन सकता, इस्तेमाल हो जाएंगे। अभी भी यही हो रहा है पर ज्यादा नहीं। लैमिनेटेड बैट बनाने से कचरा भी कम हो रहा है। ये सब परंपरा के उलट है पर आधुनिकता की दौड़ में अब परंपरा की चिंता किसे है?

इस समय लक्ष्य कचरे को कम से कम करना भी है। मौजूदा स्थिति ये है कि बची फांकों को ईंधन या अन्य उत्पाद के लिए, इस्तेमाल किया जाता है। तब भी छोटी टहनियां और खराब लकड़ी वहीं जला दी जाती हैं। ये पर्यावरण के लिए सही नहीं लेकिन इन टूटी लकड़ियों को इधर-उधर फेंक देंगे तो बीमारी फैलती ही है।

इसलिए क्रिकेट के बैट, क्रिकेट में तनाव की एक बड़ी वजह बन गए हैं। जैसे-जैसे टी20 बढ़ रहा है, बच्चे अपना बैट होने का का सपना देख रहे हैं तो जरूरी है कि ज़्यादा पौधे लगाएं, बैट का ज्यादा समझदारी से इस्तेमाल करें, और विलो की खूबियों का मजा लें। इसे ऐसा संकट मत बनने दो कि समाधान न हो सके और आगे वाले प्लास्टिक से बने बैट से खेलें।

मप्र सीनियर क्रिकेट टीम घोषित
रजत पाटीदार बने कप्तान

इंदौर। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (MPCA) ने रणजी ट्रॉफी बीसीसीआइ टूर्नामेंट 2025-26 के लिए मेन्स सीनियर टीम की घोषणा कर दी है। टीम के कप्तान के रूप में रजत पाटीदार को चुना गया है, जिनके अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी को टीम की सफलता की कुंजी माना जा रहा है। टीम में कुल 15 खिलाड़ी शामिल हैं। इसमें बल्लेबाजों और गेंदबाजों का संतुलित मिश्रण है, जिससे टीम मजबूत और प्रतिस्पर्धी दिखाई देती है। चयनित खिलाड़ियों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है, जो मध्यप्रदेश टीम के लिए रणनीतिक तौर पर फायदे का संकेत देता है। MPCA अधिकारियों ने कहा कि टीम की तैयारी और रणनीति पर ध्यान दिया गया है ताकि खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी के हर मैच में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। टीम की कोचिंग स्टाफ ने विशेष ध्यान दिया है कि बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग सभी विभागों में खिलाड़ी मजबूत बने। मध्यप्रदेश क्रिकेट प्रेमियों में टीम के चयन को लेकर उत्साह है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह टीम रणजी ट्रॉफी 2025-26 में प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन करेगी। टीम के युवा खिलाड़ी नए अवसरों के साथ मैदान पर उतरेंगे, जबकि अनुभवी खिलाड़ी टीम को नेतृत्व और संतुलन प्रदान करेंगे।

टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), यश दुबे, हर्ष गवली, शुभम शर्मा, हिमांशु मंत्रि, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, कुमार कार्तिकेय, सारांश जैन, अधीर प्रताप, आर्यन पांडे, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल और कुलदीप सेन।

चिराग दोशी
विशेष संवाददाता (मुंबई)

उस दिलचस्प मैच में सचिन तेंदुलकर अकेले आस्ट्रेलिया पर भारी पड़े थे

मेरे प्यारे देशवासियों नमस्कार, दिवाली के त्योहार की तैयारियां शुरू हो चुकी है। हरमनप्रीत कौर की भारतीय महिला टीम भी ओडीआई वर्ल्ड कप जीतने के लिए कड़ी महेनत कर रही है। मुझे आपको बताते हुए बहुत आनंद हो रहा है कि भारत अगले महीने 11-25 नवंबर में विमेंस का पहला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप की मेजमानी कर रहा है। ब्लाइंड लोगों की सेवा करना हमारा परम कर्तव्य है। इस माह भारत की क्रिकेट टीम आस्ट्रेलिया दौरे में ओडीआई श्रंखला खेलेगी। इस बार यह कॉलम में आपके साथ हम सचिन तेंदुलकर की आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई सर्वश्रेष्ठ ओडीआई पारी की सुवर्ण यादें ताजा कर रहे है। उनकी यह पारी काजू कतरी, रसगुल्ले, गुलाब जामुन, मिस्ती दोई इत्यादि मीठाई से कम नहीं है। 24 अप्रैल 1998 को सचिन तेंदुलकर ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की धूलाई की वह बेहद धमाकेदार, आनंदपूर्ण, संतोषजनक नजारा था। उस मैच में सचिन तेंदुलकर ने अपने जन्मदिन पर 131 गेंदों में 134 रन बनाकर चैम्पियन होने की प्रतिष्ठा हासिल की थी। यह पारी से पहले सचिन तेंदुलकर ने 22 अप्रैल 1998 को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास की दूसरी सर्वोत्कृष्ट, सर्वश्रेष्ठ, सर्वोत्तम, सुपरडुपर और अविस्मरणीय पारी खेली थी जिसमें उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ ही धुआंधार 143 रन बनाकर आस्ट्रेलियाई गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाई थी और यह पारी, उस समय के बाद दुनिया के महान गेंदबाज शेन वार्न ने कहा था कि सचिन मेरे ख्वाबों में भी सिक्सर मारते थे। उस मैच में सचिन ने 6 शानदार सिक्सर लगाए थे जो किसी भी उभरते हुए खिलाड़ी के लिए सीखने का माध्यम है।

24 अप्रैल 1998 को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में त्रिकोणीय स्पर्धा कोका-कोला कप के फाइनल मैच में भारत और आस्ट्रेलिया का मुकाबला था। सचिन की 143 रन की पारी के बाद सभी क्रिकेटप्रेमी बेहद उत्सुक, आश्वस्त थे कि सचिन तेंदुलकर इस मैच में भी उसी धुआंधार अंदाज में बल्लेबाजी करेंगे जैसे पिछले मैच में की थी। लेकिन शारजाह का मौसम बेहद गर्म था इसलिए खिलाड़ियों के लिए इतनी गर्मी में क्रिकेट खेलना बहुत मुश्किल हो रहा था।

भारत के कप्तान ने टोस जीत के पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। आस्ट्रेलिया पारी की शुरुआत मार्क वा और एडम गिलक्रिस्ट ने की और गेंदबाजी की शुरूआत भारत के वेंकटेश प्रसाद ने की। प्रसाद ने कसी हुई गेंदबाजी करके प्रेशर बनाया और चौथे ओवर में मार्क वा (7) अजीत आगरकर की गेंदबाजी में विकेटकीपर नयन मोंगिया के ग्लव्स में लपक लिए गए, **स्कोर**- 18-1 3.4 ओवर। अगले ही ओवर में युवा बल्लेबाज रिकी पोंटिंग (1) ने आगरकर की गेंदबाजी में मोंगिया को कैच दे दिया, **स्कोर** - 19-2, 4.1 ओवर। आगरकर बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे थे और उन्होंने टोम मूडी (1) को भी पेवेलियन भेज दिया, कोट बाय विकेटकीपर, **स्कोर** - 26-3, 5.5 ओवर। आस्ट्रेलियाई पारी लड़खड़ा रही थी। गिलक्रिस्ट और माईकल बेवन ने डेमेज कंट्रोल करना शुरू किया। गिलक्रिस्ट ने कवर, पोइंट, लोंग-ओफ इत्यादि फ़ील्ड पोजिशन पर 6 चौंके लगाए। कप्तान अजहर ने विकेट लेने के लिए चालाकी से नियमित स्पिनर राहुल संघवी को गेंदबाजी न देते हुए पार्ट-टाइम गेंदबाज रिशीकेश कानिकटर को गेंदबाजी दी। प्लान कामयाब! गिलक्रिस्ट कानिकटर की पहली ही गेंद पर चकमा खा बैठे और मोंगिया ने शानदार कैच लपक लिया, **स्कोर** - 85-4, 20.1 ओवर। आस्ट्रेलिया की इस दुर्दशा का श्रेय गेंदबाजों के साथ विकेट-कीपर मोंगिया को भी जाता है, उन्होंने 4 कैच लपके। अगले बल्लेबाज कप्तान स्टीव वा आए। बेवन अपने नैसर्गिक तेजतर्रार हार्डहिटिंग न करके धीमी लेकिन बेहद किमती रन बना रहे थे। कुंबले की ओवर में दोनों बल्लेबाज रन लेना चाहते थे लेकिन वीवीएस लक्ष्मण का थ्रो जल्दी आ गया और बेवन रनआउट हो गए, **स्कोर**- 121-5, 26.6 ओवर। नंबर 7 पर डेरेन लेहमन आए। भारतीय गेंदबाजों ने बहुत अच्छा नियंत्रण बना लिया था और आस्ट्रेलिया पूरी तरह से बेकफूट पर था। विपक्षी कप्तान का विकेट कुंबले और राहुल संघवी को नहीं मिल रहा था इसलिए कप्तान ने एक एक ओवर लक्ष्मण और तेंडुलकर को भी दिए लेकिन कोई रिजल्ट नही मिला। 40 ओवर के बाद आस्ट्रेलिया 200 रन तक पहुंच चुका था। रिशीकेश कानिकटर की गेंदबाजी में स्टीव वा (70) ने बड़ा स्ट्रोक लगाया और आगरकर ने शानदार कैच लपक लिया। **स्कोर** - 224-6, 42.6 ओवर। विशेषज्ञ बल्लेबाज डेमियन मार्टिन को नंबर 8 पर आना पड़ा क्योंकि टोम मूडी को नंबर 4 पर भेजा गया था और वह बुरी तरह से असफल रहे थे। डेरेन लेहमन (70) कुंबले के जाल में फंस गए और राहुल संघवी ने शानदार कैच किया। **स्कोर** - 255-7, 47.2 ओवर। आस्ट्रेलिया 26-3 के स्कोर से आखिरकार 50 ओवरों में 272-7 का फाईटिंग टोटल बना पाया।

273 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को चेंज करने के लिए सभी की उम्मीदें सचिन तेंदुलकर पर ज्यादा टिकी थी क्योंकि पिछले मैच में सचिन के स्ट्रोक्स, टेम्परामेंट, जोश, परिपक्वता, हर फेक्टर में वह उम्दा नजर आ रहे थे। मैच से पहले टीवी पर सुनील गावस्कर, इयान चेपल, टोनी ग्रेग को पूछा गया कि फाइनल कौन जीतेगा? सभी ने कहा - 'आस्ट्रेलिया फेवरिट है अगर सचिन तेंदुलकर असफल रहे तो' इस मैच से पहले भारत ने आस्ट्रेलिया को कभी फाइनल में नहीं हराया था।

बर्थ-डे बोय सचिन तेंदुलकर के साथ 'दादा' सौरव गांगुली ओपनिंग करने उतरे। एक और बर्थ-डे ब्वॉय डेमियन फ्लेमिंग के सामने दादा स्ट्राइक ले रहे थे। दर्शक सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी देखना चाहते थे। पारी की पहली दो गेंद पर सौरव गांगुली ने क्रमशः लेग साइड और एक्स्ट्रा कवर पर चौका लगाके बेहतरीन आगाज किया। दर्शक यही इंतजार कर रहे थे कि सचिन कब स्ट्राइक पर आयेंगे। तीसरी गेंद फ्लेमिंग ने राउंड द विकेट और चौथी गेंद मिड-ओफ पर खेली, कोई रन नहीं। पांचवीं गेंद पर दादा ने थर्ड-मेन पर बेहतरीन शोट खेला और बाउंड्री पर माइकल कास्प्रोविच ने डाईव लगाकर फील्ड किया और तीन रन रोके। अब स्ट्राइक पर आए जिसका इंतजार करोड़ों लोग कर रहे थे- सचिन तेंदुलकर। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में पहली बार बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों अपने जन्मदिन पर आमने-सामने थे। आखिरी गेंद पर सचिन ने एक रन बनाया। दूसरा ओवर माईकल कास्प्रोविच ने फेंका और दादा ने एक रन बनाया। तीसरा ओवर में फ्लेमिंग की एक गेंद पर कैच की अपील हुई और अम्पायर ने कहा गेंद थाई-पेड पर लगी है।

आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बिनजरूरी अपील करके बेवजह प्रेशर बना रहे थे क्योंकि वह अच्छी तरह से जानते थे कि इन दो प्रतिभाशाली खिलाड़ीओं को आउट करना आसान नहीं है। तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर फ्लेमिंग ने गांगुली का कैच ड्रोप कर दिया। चौथे ओवर में सचिन ने कास्प्रोविच को पोइंट और कवर के बीच शानदार चौका लगा दिया। गेंद इतनी तेज रफ्तार से बाउंड्री की तरफ जा रही थी कि क्षेत्ररक्षक ने गेंद के पीछे भागना जरूरी समझा ही नहीं। सचिन का यह शोट देखना बेहद दर्शनीय था। पांचवें ओवर में फ्लेमिंग की पांचवीं गेंद जो आउटस्विंगर थी सचिन ने आखिरी मौके पर बेट हटा लिया, गेंद ने बेट के किनारे को छुआ, स्टम्प के बिल्कुल करीब से होते हुए, बाउंड्री के बाहर, 'विकेट बची और चौका पाया'। छठे ओवर में कास्प्रोविच ने एक ही रन बनने दिया। सातवे ओवर में सचिन ने फ्लेमिंग को हाफ-वोली पर स्ट्रेईट शोट लगाया जो नोन-स्ट्राइकर गांगुली के मुंह के सामने आया और वह बिल्कुल सही समय पर नीचे झुक गए, गेंद दनदनाती हुई बाउंड्री पार। आठवें ओवर में कास्प्रोविच की गेंदबाजी में एक गेंद सचिन के शरीर को छुई, लेग-बाई का रन मिल गया। गेंदबाजों ने गांगुली को पिछले 2-3 ओवर से नियंत्रण में रखा था। नौवें ओवर में फ्लेमिंग की पहली चार गेंद पर दादा कोई रन नहीं बना पाए। पांचवीं गेंद पर दादा ने पूल शोट लगाया, गेंद ज्यादा उपर नहीं उठी थी, गेंद बल्ले के बाहरी हिस्से में लगी, मिड-ओन पर टोम मूडी ने आसान कैच लपक लिया। सौरव गांगुली ने 42 गेंदों में 23 रन बनाए। पिछले मैच में नयन मोंगिया वन-डाउन में अच्छी पिंच हिटिंग करने में कामयाब रहे थे इसलिए लगातार दूसरे मैच में उनको वन-डाउन भेजना एकदम सटीक निर्णय था। दसवां ओवर कास्प्रोविच ने फेंका, सामने सचिन थे। नीची गेंद पर सचिन ने पूल नोट खेलने की कोशिश की, गेंद मिड-ओन के सिर के उपर से निकलने में कामयाब रही, चौका। चौथी गेंद पर सचिन ने एक रन लिया और बाद में कास्प्रोविच ने सचिन से कुछ कहा। 10 ओवर के बाद भारत का स्कोर : 44-1, सचिन 15 गेंदों में 20 रन ।

कप्तान स्टीव वा ने पहले गेंदबाजी बदलाव में ही महान शेन वार्न को बुला लिया क्योंकि फाइनल जीतने के लिए उनका लक्ष्य सचिन का प्राईज विकेट ही था। पहली गेंद पर सचिन पूल करना चाहते थे लेकिन मिड-ओन पर कोई रन नहीं। तीसरी गेंद पर सचिन ने डीप मिड-विकेट पर शोट मारा, दूसरा रन पूरा करते समय नयन मोंगिया क्रीज से बाहर थे और वार्न को लगा थ्रो डायरेक्ट स्टम्प पर आयेगा इसलिए वार्न ने गेंद कलेक्ट नहीं की, गेंद स्टम्प्स पर नहीं लगी, मोंगिया बच गए। चौथी गेंद पर सचिन ने लोंग-ओफ पर एक रन लिया। आखिरी गेंद पर मोंगिया ने फूल-टोस गेंद पर मिड-विकेट पर सिंगल लिया। 12वें ओवर में सचिन ने मिड-विकेट पर 2 रन लिए। 13वें ओवर में मोंगिया ने वार्न की धीमी गेंद पर उनके सिर के उपर से शानदार चौका लगाया। फाइनल मैच का तनाव इतना था कि वार्न ने अम्पायर जावेद अख्तर को याद दिलाया कि ओवर खत्म हो गया है। 14वें ओवर में टोम मूडीका स्वागत सचिन ने अपनी जगह से हीले बिना मिड-विकेट पर बड़े चौके से किया। सचिन अब कुछ मुड़ में नजर आ रहे थे। चौथी गेंद पर सचिन ने बिल्कुल आखिरी मौके पर गेंद खेली और एक्स्ट्रा कवर पर 2 रन और पांचवीं गेंद पर लोंग-ओन पर एक रन लिया। आखिरी गेंद पर मोंगिया ने टोम मूडी के सिर के उपर से बेहतरीन चौका और अगले ओवर में वार्न को भी ठीक इसी अंदाज में चौका लगाया। कप्तान ने विविधता के लिए अपने जुड़वा भाई मार्क वा को गेंदबाजी करने बुलाया। मार्क ने गेंदे लेग-स्टम्प के बाहर ही रखी। अगले ओवर में वार्न को सचिन दो बार 2 रन लेने में कामयाब हो गए। सचिन ने मार्क को 18वें ओवर में एक और 20वें ओवर में 2 चौके लगाकर रन-पार्टी शुरू की। 20 ओवर के बाद स्कोर 105-1 सचिन 45 गेंदों में 50* रन।

अगले ओवर की पहली गेंद पर सचिन ने वोर्न की लेग-स्टम्प की लाइन की गेंद पर लोंग-ओन पर बेहतरीन सिक्सर लगाया जो देखना बेहद सुंदर, दर्शनीय नजारा था। सचिन ने स्टीव वा को लोंग-ओफ और डीप मिड-विकेट पर 2 सिंगल्स लिए। आस्ट्रेलिया की फील्डिंग अच्छी थी। डेमियन फ्लेमिंग की गेंदबाजी में मोंगिया का कैच विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने लपका। अपील पर अम्पायर के निर्णय से पहले ही मोंगिया (28) ने चलना शुरू कर दिया। 25 ओवर के बाद भारत का स्कोर 129-2, सचिन 66 गेंदों में 70* रन। नये बल्लेबाज कप्तान अजहरने सिंगल्स लेना शुरू किया। सचिन ने फ्लेमिंग के लेग-कटर गेंद पर थर्ड-मेन पर लाजवाब चौका लगाया, टोम मूडी ने स्लाइड करके रोकने की कोशिश की, लेकिन विफल रहे। 30 ओवर के बाद भारत का स्कोर - 154-2, सचिन 83*। भारत को जीत के लिए 114 गेंदों में 115 रन बनाने थे। भारत को तेज रनों की सख्त जरूरत थी। अजहर जोरदार एलबीडब्ल्यू अपील में बच गए। 35 ओवर के बाद जीतने के लिए 96 रन 90 गेंदों में बनाने थे। 36वें ओवर में सचिन 2 सिंगल्स के साथ 98 स्कोर पर पहुंच गए। अगले ओवर में टोम मूडी की पहली गेंद पर सचिन ने कवर पर तेज सिंगल लिया और 99 स्कोर पर पहुंच गए। अजहर ने भी सिंगल लेके स्ट्राइक सचिन को दे दी। क्राउड का शोर अपने चरम पर था, क्योंकि सचिन अपने शतक से एक रन दूर थे। 37वें ओवर में टोम मूडी की गेंद पर सचिन ने फ्लिक करके एक रन ले लिया और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15वां शतक पूरा किया और 40 की एवरेज को भी छू लिया। अगले ओवर में वार्न की गेंदबाजी में अजहर एलबीडब्ल्यू आउट थे लेकिन स्टीव बकनर गलत निर्णय ले बैठे।

40 ओवर के बाद भारत को जीतने के लिए 60 गेंदों में 64 रन बनाने थे। सचिन ने वार्न को दो लगातार गेंदों में शानदार चौके लगाए- खुबसूरत स्ट्रेइट ड्राइव और बेहतरीन कवर ड्राइव। ऐसा लगता था सचिन के जन्मदिन की पार्टी चल रही हो। अब जीतनी गेंद बची थी उतने ही रनों की दरकार थी। 43वां ओवर भारत का था। टोम मूडी की पहली गेंद पर सचिन बीट हुए, गेंद ने बेट को नहीं छुआ, गेंद विकेटकीपर के दस्तानों में। मूडी ने अपने यह स्पेल में सचिन को 4 बार बीट किया लेकिन विकेट नहीं मिला। अगली गेंद के लिए कैच के लिए विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट को स्टम्प्स के करीब बुला लिया। आखिरी गेंद पर सचिन ने उसके सिर के उपर बेहतरीन सिक्सर लगा दिया। यह बेहद आश्चर्य कि बात थी कि इतनी भयंकर गर्मी में सचिन इतने शानदार सिक्सर कैसे लगा लगा लेते हैं। 44वां ओवर कप्तान स्टीव ने अपने ट्रप कार्ड फ्लेमिंग को दिया। दूसरी और पांचवीं गेंदों पर सचिन के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की जोरदार अपील हुई, दोनों गेंदे लेग-साईड पर टप्पा खाई थी, स्टीव बकनर ने सही निर्णय दिया। ओवर ख़त्म होने के बाद फ्लेमिंग ने गुस्से में अम्पायर से अपनी कैप छिनी। सचिन को साईटस्क्रीन के पास पौलीसमेन का लगातार आना-जाना परेशान कर रहा था, इससे गेंदबाज रन-अप के दौरान गेंद को सिलाई से पकड़ रहा है या नहीं यह जानने में दिक्कत हो रही थी। 45वें ओवर में कास्प्रोविच को सचिन ने पहली ही गेंद पर उसके सिर के उपर से स्ट्रेईट धमाकेदार सिक्सर लगा दिया। रोमांच अपने चरम पहुंच चुका था। अगली गेंद पर सचिन ने मिड-विकेट पर दो रन दिए। तीसरी गेंद विकेट के उपर से जा रही थी फिर भी अम्पायर ने सचिन को एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया। आखिरकार आस्ट्रेलिया की जान में जान आई। सचिन तेंदुलकर ने एक और यादगार, लाजवाब, समझदारी और सुझ-बुझ भरी पारी खेली। सचिन ने बेहद गर्मी में 195 मिनट लंबी पारी में 131 गेंदों में 12 चौके, 3 सिक्सर की मदद से 134 रन बनाए। अब जीतने के लिए 33 गेंदों में केवल 25 रन चाहिए थे। नए बल्लेबाज अजय जडेजा आए, जिसे बस भारत को जीत की मंजिल तक पहुंचाना था। कप्तान अजहर ने अपने 50%रन पूरे किए और फिर वह भी आउट हो गए। अजय जडेजा और हिरीकेश कानिकटर ने आस्ट्रेलिया को कोई मौका न देते हुए भारत को मैच, फाइनल और कोका-कोला कप त्रिकोणीय स्पर्धा में विजेता बनाया। भारत के हर खिलाड़ी ने इस फाइनल में किमती योगदान दिया लेकिन सचिन तेंदुलकर की अफलातून पारी दशकों तक याद रखी जाएगी। नयन मोंगिया और अजहर ने सचिन का सूंदर साथ दिया। प्रसाद, आगरकर और कानिकटर के 2-2 विकेट बहुत किमती थे। सचिन तेंदुलकर को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के एवार्ड से नवाजा गया। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब में उनको कार भेंट में मिली, जिसे ग्राउंड में चलाई भी। यह मैच सचिन के लिए एक अनोखा विश्व रिकॉर्ड लाया- आपको जानकर हैरानी होगी कि यह ओडीआई मैच सचिन का लगातार 185वां ओडीआई मैच था, जो आज भी एक वर्ल्ड रेकॉर्ड है।

एशिया के बाद अब विश्व कप में जीत का इंतजार

आत्मा राम भाटी
खेल समीक्षक

भारत ने 7 सितंबर को बिहार के राजगीर खेल परिसर में संपन्न एशिया पुरुष हॉकी का खिताब जीत लिया। भारत ने पांच बार की विजेता व गत विजेता कोरिया को 4-1 से पराजित कर चौथी बार ट्रॉफी अपने नाम की। पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय टीम को जिस तरह से सुपर - 4 के मैच में केवल दक्षिण कोरिया के खिलाफ बराबरी पर मैच खत्म करने को मजबूर होना पड़ा। उससे सबक लेते हुए खिताबी मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरू से अपने तेजतर्रार खेल के दम पर दबदबा बनाए रखते हुए तीन मैदानी और एक पेनल्टी कॉर्नर की मदद से गोल कर शानदार जीत दर्ज की। खिताबी मुकाबले के हीरो दो मैदानी गोल करने वाले भारत के दिलप्रीत सिंह रहे जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के लिए भारत को आठ साल इंतजार करना पड़ा। इससे पहले 2017 में भारत ने मलेशिया को पराजित कर अपना तीसरा खिताब जीता था। इस जीत का बोनस भारत के लिए यह रहा कि उसने 2026 में नीदरलैंड्स एवं बेल्जियम में खेले जाने वाले विश्व कप के लिए भी सीधे योग्यता प्राप्त कर ली।

खिताबी मुकाबले में दक्षिण कोरिया के विरुद्ध मैच की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया। मैच शुरू होने के कुछ मिनट में ही सुखजीत सिंह ने शानदार फील्ड गोलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत को पेनल्टी स्ट्रोक भी मिला,लेकिन गोल नहीं हो पाया। तीसरे क्वार्टर में कोरिया को लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले पर वह एक को भी गोल में परिवर्तित नहीं कर पाया। दिलप्रीत ने दो मैदानी गोल कर भारत का स्कोर 3-0 कर दिया। चौथे क्वार्टर के 50वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर पर अमित ने गोल कर भारत का स्कोर 4-0 कर मैच में भारत की जीत को पक्का कर दिया। कोरियाई टीम ने एक मात्र गोल 51वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर किया। इस तरह 5 बार की विजेता कोरिया को मैच समाप्ति पर 4-1 की शिकस्त झेलनी पड़ी। जैसे ही भारतीय टीम ने जीत दर्ज की राजगीर खेल परिसर की दर्शक दीर्घा में मौजूद लगभग 8 हजार खेलप्रेमी झूम उठे और मैदान के आसपास हुई आतिशबाजी से आकाश जगमगा उठा।

कोरिया ने अपने आखिरी सुपर-4 मैच में मलेशिया को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन वो भारत के सामने लगातार अपने खिताब की रक्षा करने में व छठा खिताब जीतने में सफल नहीं हो पाया। भारत और साउथ कोरिया अब तक 23 बार आमने-सामने हुए हैं, जिसमें भारत का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने 11 और कोरिया ने 2 मैच जीते हैं। 10 मैच ड्रॉ रहे हैं। मेजबान भारत का इस प्रतियोगिता में प्रदर्शन शानदार रहा और बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। भारत ने लीग चरण में चीन को 4-3 से, जापान को 3-2 से जरूर हराया पर यह जीत कांटे के मुकाबलों में मिली, लेकिन कजाकिस्तान को 15-0 के बड़े अंतर से पराजित कर अपना विजयी रथ सुपर-4 में प्रवेश करवाया।

सुपर-4 के मैचों में भी जीत का सिलसिला जारी रखा। पहले मैच में मलेशिया को 4-1 से, दूसरे मैच में दक्षिण कोरिया के साथ मुकाबला जबरदस्त रहा। दोनों टीमों को गोल के कई अवसर मिले , भारतीय खिलाड़ियों के पास भी गोल करने के बेहतरीन अवसर आये लेकिन अंतिम समय में गेंद को गोलपोस्त में डालने में नाकामयाब रहे। नतीजा यह रहा कि भारत के विजयी रथ पर यहां ब्रेक लग गया और 2-2 गोल से बराबरी पर मैच को खत्म कर हार बचाई। लेकिन अंतिम मैच में चीन पर धमाकेदार 7-0 से जीत दर्ज कर भारत ने खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में मलेशिया ने चीन को 4-1 से मात दी। वहीं पांचवें एवं छठे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में जापान ने बांग्लादेश को एकतरफा मुकाबले में 6-1 से पराजित कर दिया।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भारत के अभिषेक को चुना गया। सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का अवार्ड जेहान किम, दक्षिण कोरिया को दिया गया। टूर्नामेंट में सबसे अधिक 12 गोल मलेशिया के अखिमुल्लाह ने किए। टीम गोल के मामले में भारत 39 गोल के साथ शीर्ष पर रहा।

भारत अब तक इस प्रतियोगिता के 12 संस्करणों में 4 बार विजेता व 5 बार उपविजेता रहा है। भारत ने इससे पहले 2003 में क्वालालम्पुर में पाकिस्तान को , 2007 चेन्नई में दक्षिण कोरिया को व 2017 ढाका में मलेशिया को हरा खिताब जीता था। वहीं 1982, 1985, 1989 में पाकिस्तान से व 1994 व 2013 में दक्षिणी कोरिया से फाइनल में हार 5 बार उपविजेता रहा है। सबसे ज्यादा 5 बार विजेता दक्षिणी कोरिया रहा है वो 1994, 1999, 2009, 2013 व 2022 में विजेता रहा और 2 बार 2007 व 2025 में उपविजेता रहा। पाकिस्तान प्रथम 3 आयोजन 1982, 1985 व 1989 में विजेता रहा तथा 2 बार 1999 व 2009 में उपविजेता रहा। अभी तक के सभी संस्करण में फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम मलेशिया रही जो 2017 में भारत से व 2022 में कोरिया से हार उपविजेता रही।

एशिया कप का खिताब जीतने पर हॉकी इंडिया ने भारत के प्रत्येक खिलाड़ी को तीन-तीन लाख और सपोर्ट स्टाफ को डेढ़ लाख रुपये देने की घोषणा की।

भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन इस जीत से बहुत ही खुश हुए, क्योंकि इनके मार्गदर्शन में एशिया कप से पहले भारत का प्रदर्शन एफआईएच प्रो0 लीग में 9 टीमों में 8वां रहा जो बेहद खराब रहा। इसलिए उन्होंने इस जीत के बाद कहा कि लड़कों ने एशिया में चैंपियन टीम बनकर उनकी इच्छा पूरी की है। उन्होंने कहा कि टीम का प्रदर्शन अच्छा था। अगर आप 10 दिन में सात मैच खेलते हैं तो ऐसा करना वाकई मुश्किल है। मुझे लगता है कि हम यहां की सभी टीमों से शारीरिक रूप से ज्यादा मजबूत थे। उन्हें लगता है कि एशिया कप से ठीक पहले आस्ट्रेलिया का मुश्किल दौरा भारत के लिए एक आदर्श तैयारी थी। फुल्टोन ने कहा कि मुझे लगता है कि आस्ट्रेलिया दौरा सच में महत्वपूर्ण था।

कुल मिलाकर भारतीय टीम ने एशिया में तो अपना परचम एक बार फिर से लहरा दिया। पिछले दो ओलंपिक में भी लगातार दो कांस्य जीतकर टीम इंडिया ने दिखाया कि भारतीय हॉकी अब निरंतर मैदान में जीत के विजयी रथ के साथ आगे बढ़ रही है। लेकिन विश्व कप हमारे हाथ में आये 50 साल हो गए हैं। अगले साल विश्व कप होना है। ऐसे में खेल प्रेमियों के मन में यह प्रश्न जरूर है कि इस जीत से प्रोत्साहित हो कर क्या भारतीय शेर 5 दशक बाद देश को हॉकी का सबसे बड़ा खिताब दिला पाएंगे। वैसे यह आसान नहीं है। विश्व कप में यूरोपीय देशों जर्मनी, नीदरलैंड, स्पेन व ब्रिटेन के साथ बेल्जियम व ऑस्ट्रेलिया जैसी इस खेल में मजबूत टीमें सामने होती है। उनके खिलाफ जीत की लय बरकरार रखना आसान नहीं है। इसका कारण यह भी है कि एशिया कप में भी भारतीय टीम को एशियाई देशों चीन, जापान व कोरिया के खिलाफ भी संघर्ष के बाद जीत मिली। ऐसे में विश्व कप जीत का सपना पूरा करना आसान नहीं है।

ANKUR CRICKET ACADEMY

WE GIVE TO NATION

Er. Jyoti Prakash Tyagi
BCCI, NCA Level A Coach
Director

Goal : Empower Youth to Make Stronger Country.
Vision & Mission : To develop young people as professionals like cricket players, Administrators, IIT Engineers,Doctors, Lawyers, Teachers & overall good citizens.

International Players
Ayan Mohd. Khan (Oman)
Samay Shrivastava (Oman)
Mohnish Mishra (WCU19)
Rahul Batham (WCU 19)
Pranjal Puri (Under 17)

Ranji Trophy, Vijay Hazare & Mushtaq All players
Mohnish Mishra
Amarjeet Singh
Aditya Shrivastav
Anupam Topo
Vickrant Singh
Shivam Tiwari
Varun Sharma
Punit Date
Ayan Mohd Khan
Rahul Batham
Ankush Singh
Yuvraj Nema

Senior Women's
Ankita Chaturvedi
Akshita Chaturvedi
Tammana Nigam
Nikita Singh
Dipika Shakya

India & BCCI Camp's
Amarjeet Singh (Under 23)
Punit Date (MRF Pace Foundation)
Aditya Shrivastav (Under 19 & 16)
Tanmay Patwardhan (Under 19)
Ayan Mohd Khan (Under 22)
Vickrant Singh (Under 17)
Tammana Nigam (Under 19)
Nikita Singh (Under 19)
Rahul Batham (Under 19 & 16)
Ankush Singh (Under 19 & 16)
Shivam Chobey (Under 19)
Shivam Tiwari (Under 16)
Akhil Yadav (Under 19)
Yuvraj Nema (Under 19)

IPL Players
Mohnish Mishra (Pune, Deccan Chargers)
Amarjeet Singh (Rajasthan Royals)
Aniket Verma (hydrabad SRH)
Shivam Shukla (KKR)

International County Players
Amarjeet Singh (England)
Mohnish Mishra (England)
Abhimanyu Pandey (England)
Varun Sharma (Australiya)
Samay Shrivastav (Kenya)
Ayan Mohd Khan (Oman)
Vickrant Singh (USA)
Punit Date (England)
Anupam Topo (England)

M.P.L players
Aniket Verma
Shivam Shukla
Rahul Batham
Punit Datey
Ankush Singh
Kanishq Dubey
Aviral Singh
Ritik Tada
Akhil Yadav
Tanishq Yadav
Yuvraj Nema
Vanshika Prajapati

State Captain's
Aditya Shrivastav (Ranji Trophy Champion)
Mohnish Mishra (Vijay Hazare Trophy)
Shivam Tiwari (Under 16, MP)
Shreyash Singh (Under 16, MP)
Man Dubey (Under 16, MP)
Vaidaihi Rajpoot (Under 16, MP)

We Also Produced Many Engineers, Doctors, Lawyers, Businessmen ,IITans & Good Citizens Of India

Thank's to All Promotors &Well-wishers.
MP Sports Youth & Welfare Dept.
MP Cricket Association.
All Coaches To Coach Players.

FACILITIES AVAILABLE

NCA BCCI Coaches Available.
All Coaching Programming Designed by NCA Pattern.
Indoor Practice Arena Available. Flood Light Practice Arena.
8 Turf, 5 Kota Stone Artificial, 3 Synthetic Turf Available ,Bowling Machine Available.
All Types of Advanced Coaching Equipment Available.
Hostel Facility Available.
Speed Gun. ,Fitness Trainers & Dedicated Coaching Staff.

एनएसटी अवार्ड 2025

महापौर श्रीमती मालती राय एवं अन्य अतिथि हॉकी ओलंपियन शिवेन्द्र सिंह को एनएसटी खेल रत्न से सम्मानित करते हुए।

महापौर एवं अन्य अतिथि पद्मश्री सुशील दोशी को एनएसटी लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित करते हुए।

भगवानदास सबनानी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए मंच के अतिथिगण।

बाक्सिंग कोच रोशनलाल को हाई परफार्मेंस कोच अवार्ड से सम्मानित करते हुए अतिथिगण।

पद्मश्री सुशील दोशी और ओलंपियन शिवेंद्र सिंह सहित 34 खेल हस्तियां सम्मानित

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स (एनएसटी) के 30वें खेल अवार्ड समारोह में दिखा खिलाड़ियों का हौसला, शिवेंद्र सिंह बने `मध्यप्रदेश खेल रत्न', सूरज शर्मा `स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर'। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य विवेक सागर प्रसाद की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

भोपाल। राजधानी भोपाल का अपेक्स बैंक समन्वय भवन सभागार बीते दिनों जुनून, उत्साह और प्रेरणा के ज्वार से लबालब रहा। मौका था नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स (एनएसटी) के 30वें खेल अवार्ड समारोह का, जहां प्रदेश और देश की 34 खेल हस्तियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का हर पल एक लाइव कवरेज की तरह जीवंत था जैसे खेल के मैदान पर कोई रोमांचक मुकाबला चल रहा हो, जहां हर खिलाड़ी का सम्मान एक गोल्ड मेडल जीतने जैसा था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर मालती राय ने सभी खिलाड़ियों को अवार्ड, शॉल और श्रीफल भेंट कर उनके संघर्ष और सफलता की यात्रा को सराहा। महापौर मालती राय ने कहा कि खिलाड़ियों के समर्पण और मेहनत से मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन होता है।

1996 में शुरू हुआ यह खेल अवार्ड समारोह, अब तक करीब डेढ़ हजार से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित कर चुका है, जो इसे खेल जगत के लिए एक 'महाकुंभ- बना देता है। इस बार 32 के मुकाबले 34 हस्तियों का सम्मान किया गया, जो मध्यप्रदेश में खेल के बढ़ते दायरे और नई प्रतिभाओं के उदय की कहानी कहता है। इस मौके पर खिलाड़ी अतिथि के रूप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य इटारसी के विवेक सागर प्रसाद सहित कई खेल हस्तियां मौजूद रहीं।

स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर सूरज शर्मा का अवार्ड उनके माता-पिता ने ग्रहण किया।

हॉकी के नायक शिवेंद्र सिंह को मप्र खेल रत्न, युवा प्रतिभा को मिला बूस्ट : समारोह का सर्वोच्च सम्मान, मध्यप्रदेश खेल रत्न अवार्ड, भारतीय हॉकी टीम के कोच और ओलिंपियन शिवेंद्र सिंह को प्रदान किया गया। जब शिवेंद्र सिंह सम्मान ग्रहण करने मंच पर आए, तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। यह केवल एक खिलाड़ी का सम्मान नहीं था, बल्कि हॉकी जैसे राष्ट्रीय खेल के प्रति उनके दशकों के समर्पण को सलाम था। इस सम्मान ने युवा खिलाड़ियों में अपने खेल के प्रति समर्पण की भावना को और भी मजबूत किया। इस मौके पर उनके शिष्य और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य विवेक सागर प्रसाद ने भी खिलाड़ियों को अपने संबोधन से प्रेरित किया।

सूरज शर्मा को स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर मिला : मप्र राज्य शूटिंग अकादमी के युवा शूटर सूरज शर्मा को स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर चुना जाना एक रोमांचक पल था। उनकी सटीकता और एकाग्रता ने उन्हें यह गौरव दिलाया। सूरज की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने का दम रखती हैं। हर किसी की जुबान पर यही था कि यह सम्मान युवा खिलाड़ियों को सपनों को हकीकत में बदलने की नई ऊर्जा देगा। वे टूर्नामेंट में व्यस्त थे इसलिए उनका सम्मान उनके माता-पिता के ग्रहण किया।

पद्मश्री सुशील दोशी- हिंदी कमेंट्री के भीष्म पितामह को लाइफटाइम अचीवमेंट : खेल को केवल देखने नहीं, बल्कि महसूस कराने वाले, हिंदी कमेंट्री में अपना अहम योगदान देने वाले पद्मश्री सुशील दोशी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। दोशी का दशकों का अनुभव और उनका अद्वितीय वर्णन खेल प्रेमियों के लिए एक अनमोल धरोहर है। उनके सम्मान पर मौजूद खेल पत्रकारों और कमेंटेटरों ने उन्हें अपना आदर्श बताया। श्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड पाने वाले अन्य खिलाड़ियों में अंतरराष्ट्रीय शूटर निरू ढाडा, आईपीएल क्रिकेटर अनिकेत वर्मा, एथलीट पूजा और शटलर अनुष्का शाहपुरकर भी शामिल रहे। यह अवार्ड उनकी अथक मेहनत और खेल के प्रति आजीवन समर्पण को दर्शाता है। पूजा, अनुष्का शाहपुरकर और सचिव, मप्र ओलंपिक संघ दिग्विजय सिंह निजी कारणों से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उनके स्वजनों ने उनकी गैरहाजिरी में पुरस्कार ग्रहण किए, जो इस बात का प्रमाण था कि खेल की सफलता पूरे परिवार की होती है।

प्रोत्साहन की बारह श्रेणियां : कोच से लेकर प्रमोटर तक सम्मानित : एनएसटी के प्रधान संपादक और आयोजन सचिव इन्द्रजीत मौर्य ने बताया कि इस बार समारोह में कुल 12 श्रेणियों में अवार्ड दिए गए, ताकि खेल जगत के हर पहलू को सम्मान मिल सके। इन श्रेणियों में खेल रत्न, श्रेष्ठ खिलाड़ी, प्रतिभा खिलाड़ी, लाइफटाइम अचीवमेंट, कोच, खेल प्रमोटर, खेल पत्रकार और संस्थागत अवार्ड शामिल थे। मौर्य ने कहा कि इस अवार्ड का मूल उद्देश्य केवल खिलाड़ियों को नहीं, बल्कि खेलों से जुड़े हर उस शख्स को प्रोत्साहन देना है, जो पर्दे के पीछे रहकर खेल को आगे बढ़ाता है। इस वर्ष 34 खेल हस्तियों का सम्मान किया गया, जो पिछले वर्ष की संख्या 32 से अधिक है।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद : कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक दक्षिण-पश्चिम भगवानदास सबनानी, अंतरराष्ट्री सिंगर साईराम अय्यर, नागपुर की समाजसेविका गीता अय्यर, खेल प्रमोटर ग्रुप के चेयरमैन एएस सिंहदेव (बाबा साहब) और यूको बैंक के अंचल प्रमुख लोकेश कुमार, अंतरराष्ट्रीय कराते कोच जयदेव शर्मा, समाजसेविका श्रीमती गीता अय्यर, महाकौशल खेल संस्था के प्रमुख डॉ. प्रशांत मिश्रा की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। इन विशिष्ट अतिथियों ने खिलाड़ियों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और सफलताएं अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में खिलाड़ी अतिथि के रूप में पद्मश्री सुशील दोशी, शिवेन्द्र सिंह और विवेक सागर ने भी युवा खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अनिकेत वर्मा मंच पर सम्मानित अतिथियों से अपना अवार्ड ग्रहण करते हुए।

साईराम अय्यर ने गाया वंदे मातरम, देशभक्ति और प्रेरणा का संगम : समारोह में मुंबई से आए अंतरराष्ट्रीय गायक साईराम एस. अय्यर की प्रस्तुति ने एक अविस्मरणीय माहौल बना दिया। अपने डुएट सांग्स से उन्होंने श्रोताओं को खूब आनंदित

अपने कोच को बधाई देते बॉक्सिंग खिलाड़ी।

क्लब अवार्ड के साथ गुरुंग क्लब।

एचएमजी को मिला श्रेष्ठ खेल संस्थान का अवार्ड।

अपने कोच को बधाई देते ट्रायथलान के खिलाड़ी।

खेल संस्थान स्कूल का अवार्ड लेते कोच गणेश कुंटे।

कार्यक्रम में खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाते हुए खेल प्रेमी व दर्शक।

किया, लेकिन जब उन्होंने महिला और पुरुष दोनों स्वरों में च्वंदे मातरमज्की प्रस्तुति दी, तो पूरे सभागार में देशभक्ति और जोश का माहौल छा गया। दर्शकों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साह बढ़ाया। इस प्रस्तुति ने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को यह याद दिलाया कि उनकी सफलता केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की होती है। गर्व और प्रेरणा से भरे इस क्षण ने समारोह को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया।

विधायक ने खिलाड़ियों को दी प्रेरणा : कार्यक्रम में विधायक दक्षिण-पश्चिम भगवानदास सबनानी ने कहा कि वे स्वयं जूडो के नेशनल खिलाड़ी रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों को मंच पर प्रदर्शन का अवसर मिलता है और उन्हें नई प्रेरणा मिलती है, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और खेल में सुधार होता है।

प्रायोजकों का विशेष सहयोग: इस बार कार्यक्रम में एनएसटी अवार्ड डॉ. पंकज शुक्ला चेयरमैन ग्राम्या भोपाल के सौजन्य से दिए गए। सभी अवार्डों को अंतरराष्ट्रीय कराते खिलाड़ी सुप्रीया जाटव ने डिजाइन किए थे। कार्यक्रम में खेल युवक कल्याण विभाग, भारतीय जीवन बीमा निगम भोपाल, यूको बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एलएनसीटी ग्रुप, आरएनटीयू ग्रुप, एनएचडीसी लिमिटेड आदि संस्थानों का विशेष योगदान रहा।

एनएसटी खेल अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ियों की सूची

- **मप्र खेल रत्न अवार्ड :** शिवेंद्र सिंह,हॉकी, ग्वालियर।
- **स्पोर्टस मैन ऑफ द ईयर :** सूरज शर्मा, शूटिंग, मप्र अकादमी।
- **श्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड :** अनिकेत वर्मा (क्रिकेट, भोपाल)। नीरू ढांडा (शूटिंग, मप्र राज्य शूटिंग अकादमी)। हर्षवर्धन सिंह (कयाकिंग-केनोइंग, साई)। पूजा (एथलेटिक्स, साई भोपाल)। मिथुन वर्मा (थ्रोबॉल, भोपाल)। सोनिया कुमरे (हॉकी, रायसेन)।
- **श्रेष्ठ प्रतिभा खिलाड़ी :** अनुष्का शाहपुरकर (बैडमिंटन, इंदौर)। भव्य प्रताप सिंह (बॉक्सिंग, मप्र अकादमी)। कुंदन कछावा (मलखंभ, शाजापुर)। संयुक्त पुरस्कारः आकांक्षा सोलंकी (कराते, मध्यप्रदेश अकादमी)। एरिका गुप्ता (कराते, शाजापुर)।
- **लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड :** पद्मश्री सुशील दोशी (क्रिकेट कमेंटेटर, इंदौर)।
- **हाई परफॉर्मेंस कोच पुरस्कार :** रोशन लाल (कोच, बॉक्सिंग, मध्यप्रदेश अकादमी)।
- **कोच अवार्ड :** योगेश मालवीय (मलखंभ, उज्जैन)। मनोज कुमार झा (ट्रायथलॉन, मप्र अकादमी)। विरेंद्र खारसोदिया। संगीता दीक्षित (हॉकी, खेल विभाग ग्वालियर)।
- **खेल प्रमोटर्स अवार्ड :** दिग्विजय सिंह (सचिव, मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ, जबलपुर। शांति कुमार जैन (सचिव, भोपाल क्रिकेट संघ)। जोसेफ बाक्सला (डीएसओ, ग्वालियर) । दीवान चंद्र मौली (स्पोर्ट्स हेड ऑफ डिपार्टमेंट, मॉडल स्कूल भोपाल)।
- **खेल पत्रकार अवार्ड :** राजदिल शिवहरे (नई दुनिया, ग्वालियर)। रफी मोहम्मद शेख (स्वतंत्र खेल पत्रकार, इंदौर)। नितेश छाबड़ा (नव प्रदेश, रायपुर)
- **स्पेशल अवार्ड :** प्रतीक शर्मा (कराते रेफरी, डब्ल्यूकेएफ, इंदौर)। सुनीता सिंह (पर्वतारोही, जबलपुर)। योगेंद्र सिंह-योगराज सिंह (क्रिकेट, भोपाल)। मोनिका तोमर (फिजियो)। अर्जुन पवार (ग्राउंड्समैन, खेल विभाग)। विधि बोंडे (साइकिलिंग, भोपाल।
- **खेल संस्थान अवार्ड :** एचएमजी सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस, भोपाल। स्कूल आफ सागर ग्रुप, भोपाल। ■**क्लब अवार्ड (संयुक्त) :** गुरुंग ताइक्वांडो अकादमी, भोपाल। फिजिक एंड फिगर जिम, भोपाल।

एनएसटी अवार्ड के खिलाड़ी अतिथि: सुशील दोशी, शिवेंद्र सिंह और विवेक सागर प्रसाद से विशेष बातचीत

हॉकी स्पीड और पावर का खेल है, हर टीम के खिलाफ अलग रणनीति जरूरी : शिवेंद्र सिंह

एशियन गेम्स को लक्ष्य मानकर हो रही है तैयारी, अजलन शाह टूर्नामेंट में युवाओं को मिलेगा मौका

भोपाल। भारतीय हॉकी टीम इस समय एशियन गेम्स की तैयारी में जुटी हुई है। भारतीय टीम के सहायक कोच शिवेंद्र सिंह का मानना है कि हॉकी केवल तकनीक नहीं, बल्कि स्पीड और पावर का खेल है। इसलिए कैंप में खिलाड़ियों की स्ट्रेंथ और फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अलग रणनीति बनाना जरूरी होती है। कोच ने अजलन शाह टूर्नामेंट में युवाओं को मौका देने, इंडिया ए टीम के गठन, पाकिस्तान के खिलाफ मैचों के माहौल और खिलाड़ियों के सम्मान से मिलने वाली जिम्मेदारी पर विस्तार से बातचीत की। **यहां पेश हैं शिवेन्द्र सिंह से बातचीत के मुख्य अंश...**

प्रश्नः भारतीय टीम की मौजूदा तैयारी को आप कैसे देखते हैं?

उत्तरः हमारी टीम लगातार मेहनत कर रही है। कैंप में खासकर स्ट्रेंथ और फिटनेस पर काम हो रहा है। हॉकी स्पीड और पावर का खेल है, इसलिए खिलाड़ियों को तेज और मजबूत बनाना जरूरी है। हर टीम के खिलाफ अलग रणनीति तैयार की जाती है।

प्रश्नः अजलन शाह टूर्नामेंट में क्या नई रणनीति होगी?

उत्तरः इस टूर्नामेंट में हम युवाओं को ज्यादा से ज्यादा मौके देंगे। कई बार जूनियर इंडिया के बाद खिलाड़ी घर चले जाते हैं, इसी वजह से हमने इंडिया की 'ए टीम' बनाई है। इससे हमें बैकअप मिलेगा और टीम का पूल मजबूत होगा। यही खिलाड़ी भविष्य में सीनियर टीम का हिस्सा बनेंगे।

प्रश्नः ए टीम का कार्यक्रम क्या है?

उत्तरः ए टीम अभी हाल ही में चाइना के दौरे पर गई थी और जल्द ही यूरोप जाएगी। इन अनुभवों से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों का सामना करने की तैयारी होगी।

प्रश्नः एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम की स्थिति कैसी है?

उत्तरः एशियन गेम्स हमारा मुख्य लक्ष्य है और मौजूदा समय में हम रैंकिंग में नंबर वन पर हैं। लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि कोरिया, जापान और चाइना जैसी टीमें लगातार मेहनत कर रही हैं। वे पीछे से मजबूत होकर आ रही हैं। इसलिए हमें सतर्क रहकर अपनी रणनीति और खेल को अपग्रेड करना होगा।

प्रश्नः यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव कैसा रहा?

उत्तरः जर्मनी जैसी टीमों के साथ मैच में हमें कुछ कमियां नजर आती हैं, लेकिन सकारात्मक पहलू यह है कि हमारी टीम अब बहुत तेज और आक्रामक हॉकी खेल रही है। ऐसे मुकाबले हमें अपनी कमजोरियों को पहचानने और सुधारने का मौका देते हैं।

प्रश्नः खिलाड़ियों को सम्मान और पुरस्कार मिलने से कितना फर्क पड़ता है?

उत्तरः जब खिलाड़ियों को नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के अवॉर्ड जैसे सम्मान मिलते हैं तो उनका मनोबल बढ़ता है। साथ ही जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है कि देश के लिए और बेहतर प्रदर्शन करें।

प्रश्नः पाकिस्तान के खिलाफ मैचों को आप कैसे देखते हैं?

उत्तरः भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में हमेशा तनाव रहता है, लेकिन मैदान पर खिलाड़ी सिर्फ खेल और देश के सम्मान के लिए उतरते हैं। मैदान के बाहर की राजनीति खेल के बीच नहीं आती।

समारोह में शिवेन्द्र सिंह और विवेक सागर सम्मानित खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए।

हॉकी 2026 विश्वकप में पोडियम फिनिश लक्ष्य है: विवेक सागर

विवेक सागर प्रसाद ने बताया टीम की तैयारी का राज, कहा- कठिन अभ्यास से बदल रही है टीम इंडिया की तस्वीर

मप्र इटारसी के हॉकी स्टार विवेक सागर प्रसाद ने नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स खेल अवार्ड समारोह में कहा कि उनका लक्ष्य 2026 विश्वकप में पोडियनम फिनिश करना है। उन्होंने बताया कि टीम यूरोप में होने वाले टूर्नामेंट के लिए कठिन अभ्यास कर रही है। एशियन गेम्स को भी अहम बताते हुए उन्होंने कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवाओं को मौका देकर टीम को मजबूत बनाया जा रहा है। विवेक ने मप्र हॉकी की प्रगति पर भी खुशी जताई। **पेश हैं विवेक से बातचीत के अंश...**

प्रश्नः आपका अगला बड़ा लक्ष्य क्या है?

उत्तरः मेरा सबसे बड़ा सपना 2026 का हॉकी विश्वकप जीतना है। इसके एक महीने बाद ही एशियन गेम्स भी हैं। पचास साल हो गए हैं और भारत ने विश्वकप नहीं जीता है। मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि इस बार हम पोडियम फिनिश करें।

प्रश्नः विश्वकप की तैयारियां कैसी चल रही हैं?

उत्तरः यह विश्वकप यूरोप में होने वाला है, इसलिए टीम बेहद कठिन अभ्यास कर रही है। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। चाहे लीग स्टेज हो या नॉकआउट, हर जगह अनुभव काम आता है। युवाओं को भी मौका मिल रहा है और 'ए टीम' का गठन इसी सोच के साथ हुआ है कि जो अच्छा खेलेगा, वह सीनियर टीम में जगह बनाएगा।

प्रश्नः क्या आपको कप्तानी करने की इच्छा है?

उत्तरः मैं हमेशा अपनी व्यक्तिगत प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाने पर ध्यान देता हूं। कप्तानी मिले तो जरूर निभाऊंगा, लेकिन यह फैसला हॉकी इंडिया और कोच के हाथ में रहती है।

प्रश्नः मप्र की हॉकी को लेकर क्या कहना चाहेंगे?

उत्तरः मप्र की टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। पिछले साल सीनियर नेशनल में हमारी टीम ने 40 साल बाद रजत पदक जीता। लड़कियां और जूनियर टीमें भी अच्छा कर रही हैं। राज्य सरकार अगले साल हॉकी लीग कराने जा रही है, जिससे और नए खिलाड़ी सामने आएंगे।

प्रश्नः खेल से दूर होने पर आप क्या करना पसंद करते हैं?

उत्तरः मुझे प्रकृति और आस्था से लगाव है। धार्मिक स्थलों पर जाना और प्राकृतिक वातावरण में समय बिताना अच्छा लगता है। मेरा सपना है कि मैं अपने माता-पिता को देश ही नहीं, पूरी दुनिया घूमाऊं।

प्रश्नः एनएसटी खेल अवार्ड को लेकर आपका क्या कहना है?

उत्तरः यह आयोजन पिछले 30 सालों से लगातार हो रहा है, जो बहुत बड़ी बात है। यह खिलाड़ियों के लिए गर्व की बात है। इससे मनोबल बढ़ता है और खिलाड़ियों को प्रेरणा भी मिलती है।

हिंदी को नहीं मिल रहा सही सम्मानः पद्मश्री सुशील दोशी

पहले हिंदी कमेंट्री से बदली क्रिकेट की आवाज, अब दक्षिण भारत में बढ़ रही हिंदी की पहचान

पद्मश्री और देश के पहले हिंदी क्रिकेट कमेंटेटर सुशील दोशी ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उनकी हिंदी कमेंट्री की शुरुआत मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम से हुई थी। उन्होंने कहा कि मैं पहली बार 13 साल की उम्र में पिता के साथ स्टेडियम गया था। वहीं कमेंट्री बॉक्स में लोगों को देखकर मेरे मन में भी कमेंट्री करने का जज्बा जागा। श्री दोशी का मानना है कि आज क्रिकेट में हिंदी कमेंट्री जरूर की जा रही है, लेकिन शुद्ध और सुंदर हिंदी बोलने की कला का अभाव दिखाई देता है।

दक्षिण भारत में बढ़ी हिंदी की पहचान : सुशील दोशी ने साफ कहा कि आजकल हिंदी का वह सम्मान नहीं हो रहा है, जो मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कमेंट्री में हिंदी शब्दों का गलत उच्चारण होता है। यह खेल प्रेमियों को अच्छा नहीं लगता। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि अब दक्षिण भारत में हिंदी की पहचान लगातार बढ़ रही है। साउथ के क्रिकेटर खुद हिंदी सीखने की कोशिश कर रहे हैं। यह बदलाव हमें उम्मीद देता है कि आने वाले समय में हिंदी और मजबूत होगी। इससे खेल भी बढ़ेगा।

हर युवा को अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए : अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए सुशील दोशी भावुक हुए। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन में माता-पिता का अहम योगदान रहा है। आज जो भी पहचान मुझे मिली है, उसमें उनका आशीर्वाद शामिल है। युवाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि हर युवा को अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए और उन्हें हमेशा अपनी प्रेरणा मानना चाहिए। यही संस्कार आगे चलकर जीवन में सफलता की राह दिखाते हैं। अंत में उन्होंने खेल पत्रिका नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के खेल प्रयासों की जमकर सराहना की।

मीनाक्षी हुड्डा

जैस्मिन लंबोरिया

जैस्मिन और मीनाक्षी का गोल्डन पंच

बेटियों के गोल्डन पंच ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश की जय-जयकार करा दी। इंग्लैंड में 57 किलो भार वर्ग में जैस्मिन लंबोरिया और 48 किलो भारवर्ग में मीनाक्षी हुड्डा ने देश को स्वर्ण पदक दिलाकर इतिहास रच दिया। दोनों पहली बार विश्व चैंपियन बनीं हैं। इनसे पहले देश की आठ और महिला मुक्केबाज विश्व चैंपियन रह चुकी हैं। सेना में नायब सूबेदार जैस्मिन राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। बेटियों ने विश्व चैंपियनशिप में चार पदक दिलाए। 80+ किलो भारवर्ग में नूपुर श्योराण ने रजत और 80 किलो भार वर्ग में 34 वर्षीय पूजा रानी ने कांस्य पदक जीता। चारों चैंपियन बेटियां हरियाणा की हैं। पूजा को सेमीफाइनल में इंग्लैंड की एमिली एसक्विथ के हाथों 1-4 से पराजय मिली।

भारत को मिले दो स्वर्ण : मीनाक्षी ने फाइनल मुकाबले में पेरिस ओलंपिक की कांस्य विजेता कजाखस्तान की नाजिम किजाईबे को 4-1 से और जैस्मिन ने पोलैंड की पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता जूलिया स्जेरमेटा को 4-1 के ही अंतर से हराया। अपनी तीसरी विश्व चैंपियनशिप में 24 वर्षीय जैस्मिन को जूलिया ने पहले दौर में कड़ी टक्कर दी। जूलिया के नाम यह दौर 2-3 से रहा, पर दूसरे और तीसरे दौर में जैस्मिन ने जबरदस्त वापसी कर सोना जीत लिया। भारत ने इस चैंपियनशिप में दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीता। पुरुषों को 12 साल बाद इस चैंपियनशिप में कोई पदक नहीं मिला। मीनाक्षी विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली 10वीं बेटी बनीं।

नूपुर श्योराण

पूजा रानी

अब तक देश की 10 बेटियां मुक्केबाजी में विश्व चैंपियन : मैरी कॉम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010, 2018), निकहत जरीन (2022, 2023), सरिता देवी (2006), आरएल जेनी (2006), केसी लेखा (2006), नीतू (2023), लवलीना (2023), स्वीटी बूरा (2023), जैस्मिन (2025), मीनाक्षी (2025)।

नूपुर स्वर्ण से चूकीं : 1966 और 1970 के एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाले हवा सिंह की पोती नूपुर को फाइनल में पोलैंड की अगाथा काज्मार्स्का के हाथों करीबी मुकाबले में 2-3 से हार मिली।

दिल्ली में जीते 4 स्वर्ण : पिछली विश्व चैंपियनशिप वर्ष 2023 में दिल्ली में हुई थी। तब निकहत जरीन, नीतू, लवलीना और स्वीटी बूरा ने चार स्वर्ण जीते थे। तब जैस्मिन क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई थीं।

आपका प्रदर्शन प्रेरणादाई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर मुक्केबाजों को बधाई दी। पीएम ने लिखा, विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर जैस्मिन और मीनाक्षी को बधाई। आपका प्रदर्शन आने वाले समय में कई खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

भारतीय फुटबॉल को 'गोल' से बचाने की कोशिश सुप्रीम कोर्ट के गलियारे में रंग लाई

20 सितंबर 2025 का दिन भारतीय फुटबॉल के लिए एक यादगार दिन के तौर पर दर्ज रहेगा। कोई टूर्नामेंट नहीं जीते उस दिन पर एक नई शुरुआत हुई। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के नए संविधान को न सिर्फ मंजूरी दी, इसे राज्य और स्थानीय एसोसिएशन पर भी लागू कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सभी राज्य और स्थानीय एसोसिएशन पर लागू होने वाला यह संविधान 'भारतीय फुटबॉल के लिए एक नई शुरुआत करेगा और खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।'

जहां एक तरफ सुप्रीम कोर्ट के अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के संविधान के मसौदे को मंजूरी देने की बात इतिहास का हिस्सा है, वहीं सोचने वाली बात ये है कि ये काम सुप्रीम कोर्ट को क्यों करना पड़ा? इसी की आगे चर्चा करेंगे। अभी ये जान लें कि एकीकृत ढांचा बनाने के लिए सभी राज्य और स्थानीय एसोसिएशन को इस संविधान को अपनाना होगा, चार हफ्तों के भीतर लागू करना होगा और इसके लिए अपनी, एजीएम बुलानी होगी।

इस खबर का भारत में फुटबॉल की हालत पर चिंतित खेल प्रेमियों ने स्वागत किया और आम तौर पर ये सोच बन रही है कि शायद इससे देश में फुटबॉल की दुर्दशा का सिलसिला रुकेगा। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की दो-जस्टिस की बेंच ने निर्देश दिया कि कोर्ट द्वारा नियुक्त एडमिनिस्ट्रेटर की कमेटी (सीओए) द्वारा तैयार संविधान चार हफ्तों के भीतर लागू हो जाए। इसके लिए जो भी जरूरी हो करें। बेंच ने उम्मीद जाहिर की कि संविधान, एक बार अपनाए जाने के बाद, भारतीय फुटबॉल के लिए एक नई शुरुआत करेगा और इस खेल को नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

एआईएफएफ के लिए मंजूर संविधान की कुछ खास बातें

- पदाधिकारियों की न्यूनतम उम्र 25 साल
- पदाधिकारी 'भारत का नागरिक और निवासी' हो
- तीन उपाध्यक्ष होंगे जिनमें से एक महिला होगी
- किसी पदाधिकारी को दोष साबित होने और सजा मिलने पर ही अयोग्य घोषित किया जा सकता है
- एआईएफएफ का संविधान सभी राज्य संघ और स्थानीय स्तर के फुटबॉल संघ द्वारा भी अपनाया जाएगा
- मंत्री एआईएफएफ में पदाधिकारी नहीं बन सकते
- सरकारी कर्मचारी, जरूरी मंजूरी और इजाजत के बाद कोई पद ले सकते हैं
- कोई भी पदाधिकारी 12 साल से ज्यादा तक पद पर नहीं रह सकता जिसमें दो लगातार चार-साल के दौर हो सकते हैं।
- 8 साल के बाद 4 साल का कूलिंग-ऑफ जरूरी
- 70 साल से ज्यादा उम्र का कोई भी पदाधिकारी नहीं होगा
- फीफा और एशियाई फुटबॉल एसोसिएशन से नाता रखने में पारदर्शिता राखी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे क्यों?

अब आते हैं उस सवाल पर जो ऊपर लिखा है कि आखिरकार खेल से जुड़ा ये फैसला सुप्रीम कोर्ट को क्यों करना पड़ा? ये सवाल खुद भारतीय फुटबॉल की दुर्दशा और इससे जुड़े विवाद का संकेत है। कोर्ट ने कहा कि जैसे खिलाड़ी जब एक टीम के तौर पर जब खेलते हैं, तो व्यक्तिगत मतभेद दरकिनार कर जीत के एक ही लक्ष्य के लिए खेलते हैं, वैसे ही एआईएफएफ को सब कुछ भूल इस बारे में सोचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला एआईएफएफ की उस अपील पर दिया जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट ने 2017 में उस समय के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल सहित उसके सभी पदाधिकारियों के चुनाव को रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट ने ये फैसला सीनियर एडवोकेट राहुल मेहरा द्वारा दायर अपील पर दिया। इसके बाद, टॉप कोर्ट ने सीओए बना दी जिसमें पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी, पूर्व भारतीय कप्तान और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी भास्कर गांगुली और पूर्व जस्टिस, जस्टिस अनिल दवे को सदस्य बनाया और इन्हें भारतीय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता (एनएससी), 2011 और आदर्श दिशानिर्देशों के अनुरूप संविधान तैयार करने के लिए कहा। 2023 में, कोर्ट ने अपने पूर्व जस्टिस, जस्टिस एल.एन. राव को संविधान को अंतिम रूप देने के लिए कहा था।

बेंच ने सीईओ में कोई बदलाव नहीं किया और कहा कि यह सितंबर 2026 में अपने कार्यकाल के खत्म होने तक ये काम करती रहेगी। बेंच ने मेहरा के उस सुझाव को नहीं माना जिसमें किसी भी राष्ट्रीय खेल महासंघ के पदाधिकारी के तौर पर काम कर चुके व्यक्ति को एआईएफएफ में पद लेने से रोकने के प्रावधान में संशोधन का सुझाव दिया था। बेंच ने कहा कि इससे फेडरेशन को कोई फायदा नहीं होगा और खेल प्रशासकों पर बोझ और बढ़ जाएगा। बेंच ने फेडरेशन की निरंतर निगरानी की बात को नहीं माना लेकिन ये मान लिया कि एआईएफएफ के संविधान में कोई भी संशोधन कोर्ट की मंजूरी के बिना नहीं माना जाएगा। इससे संविधान का मसौदा सही रहेगा। एआईएफएफ के 3 उपाध्यक्ष हों, ये सुझाव सीईओ का था (दो से बढ़ाकर तीन जिसमें एक महिला) और इसे मान लिया।

और भी कुछ शर्त एजीएम के बारे में कोर्ट ने तय की। जस्टिस नरसिम्हा ने अपने 78 पेज के फैसले में लिखा,ज्हमारा देश होनहार खेल टेलेंट से भरा पड़ा है जो सही मौके और एसोसिएशन के समर्थन की तलाश में हैं। हमें इस टेलेंट को सही तरह से आगे बढ़ाने की जरूरत है - गांव के मैदानों से अंतरराष्ट्रीय मंच तक। हमारा मानना है कि एआईएफएफ का संविधान इस संबंध में एक महत्वपूर्ण आधार बनेगा और भारतीय खेलों का भला चाहने वालों की यह जिम्मेदारी होगी कि भारतीय फुटबॉल रोमांचक, मुकाबले वाली और सही कीमत वाली बनी रहे और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप बना सके। इसीलिए बेंच ने रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को कहा कि वे आगे आएं, खेल को आगे बढ़ाने में हिस्सेदार बनें और इस से भारतीय फुटबॉल को सही रास्ता मिलेगा।

कोर्ट का फैसला कैसे मदद करेगा?

आम तौर पर ये माना जा रहा है कि कोर्ट की बेंच का ये फैसला भारतीय फुटबॉल प्रशासन में लंबे समय से चली आ रही गड़बड़ को रोकने और स्थिरता देने का काम करेगा। बेंच ने फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे की इस समय काम कर रही वर्किंग कमेटी को भी मान्यता दी और कहा कि इस वक्त इसे हटाने का कोई मतलब नहीं क्योंकि इसका सिर्फ एक ही साल बचा है। इसलिए, नए चुनाव को ज्यादा जरूरी माना जो 2026 में होने हैं।

इस फैसले का अभी दो तरह से फायदा हुआ है

- फीफा के एआईएफएफ को 30 अक्टूबर तक नया संविधान न बनाने पर सस्पेंड किए जाने का खतरा हट गया।
- फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल), जो इंडियन सुपर लीग का संचालन करती है के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर बातचीत पर लगी रोक भी हट गई और अब ग्लोबल स्पांसर, पार्टनर और फुटबॉल को पसंद करने वाले ये जान गए हैं कि भारतीय फुटबॉल स्थिरता और पारदर्शिता की ओर लौट रहा है।

इस तरह से इस फैसले को भारतीय फुटबॉल की जीत मान रहे हैं। कोर्ट का फैसला स्पष्टता और स्थिरता तो देता है पर सच ये है कि अब हम मुकदमेबाजी में फंसने के बजाय जमीनी स्तर पर प्रशासनिक सुधारों और विकास पर ध्यान लगा, फुटबॉल की बेहतरी पर ध्यान लगा सकते हैं। जस्टिस नरसिम्हा ने सही कहा कि ये संविधान, एक बार अपनाए जाने के बाद, भारतीय फुटबॉल की एक नई शुरुआत करेगा और इस खेल को और ऊंचाई पर ले जाएगा।

खतरा उम्मीद से भी बड़ा था

आज ये अंदाजा लगाना भी मुश्किल है कि फीफा ने संविधान बनाने और उसे लागू करने के लिए 30 अक्टूबर 2025 की आखिरी तारीख तय कर भारतीय फुटबॉल को किस तरह के संकट में डाल दिया था। इसी से इंडियन सुपर लीग भी खतरे में थी। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को साख लिख दिया था कि सस्पेंड किए जाने का मतलब होगा कि सभी राष्ट्रीय टीम और क्लब का अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेना बंद। साथ ही अहमदाबाद में 2036 ओलंपिक खेलों के लिए भारत की कोशिश पर भी अनिश्चितता बन जाना।

हैरानी ये है कि यह पहली बार नहीं है जब भारतीय फुटबॉल को इस तरह की शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। अगस्त 2022 में, फीफा ने भारत को 'तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप' के आरोप में सस्पेंड कर दिया था। तब सुप्रीम कोर्ट की सीओए ने अस्थायी तौर पर एआईएफएफ का सारा काम संभाल लिया था। ये प्रतिबंध, देश की स्वतंत्रता के 75वें साल के जश्न के दौरान लगा था। बहरहाल सीओए को हटाया और चुनाव हुए तो उसके दो हफ्ते के अंदर ये प्रतिबंध हटा लिए। आपको याद होगा कि ये वही चुनाव हैं जिनमें चौबे ने एकतरफा नतीजे में फुटबॉल के दिग्गज बाईचुंग भूटिया को हराया था।

सुप्रीम कोर्ट ने इसके बाद एआईएफएफ और उसके कमर्शियल पार्टनर फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड के बीच मास्टर राइट्स समझौते से संबंधित मामले की सुनवाई की। यह समझौता 8 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। मौजूदा स्थिति ये है कि एआईएफएफ और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद एक अस्थायी समझौता कर लिया है, जिसके तहत दिसंबर 2025 में अपने पिछले मास्टर राइट्स एग्रीमेंट के खत्म होने के बाद इंडियन सुपर लीग के कमर्शियल अधिकारों के लिए नया टेंडर जारी होगा। इस समझौते से आईएसएल के दिसंबर 2025 में अपना 2025-26 सीजन शुरू करने का रास्ता साख हो गया। एफएसडीएल ने पहले बातचीत करने के अपने अधिकार को छोड़ दिया और उसी से ये समझौता हो सका।

चैंपियन भारतीय टीम।

आखिरकार भारत ने हासिल कर लिया विश्व कप का टिकट

मो. अफरोज
खेल समीक्षक

भारतीय हॉकी के लिए फिर से इतराने के दिन आ गए हैं। वजह साफ है, भारत ने एशिया कप पुरुष हॉकी प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया है और इसके साथ ही अगले साल होने वाले विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। विश्व कप के लिए एशिया से सिर्फ एक ही देश को मौका मिलना था और उसे भारत ने अपनी मेजबानी में प्राप्त कर लिया। यह चौथा मौका है जब भारत ने एशिया कप खिताब जीता है। इस तरह अब वह पाकिस्तान के तीन खिताब के रिकॉर्ड से आगे चला गया है।आने वाले वर्षों में भारत को दक्षिण कोरिया के पांच बार खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी करने का प्रयास करना होगा।

भारतीय हॉकी के लिए पिछले दो ओलंपिक काफी यादगार साबित हुए क्योंकि लंबे अरसे के बाद भारत ने लगातार दो कांस्य पदक जीते थे और इससे भारतीय हॉकी की पुरानी छाप फिर से सामने आ गई थी। लेकिन दुर्भाग्य से एफआईएच प्रो लीग हॉकी लीग में खराब प्रदर्शन ने भारतीय हॉकी की दशा बिल्कुल ही खराब कर दी थी। जिसके आधार पर विश्व कप का टिकट मिलना था वह नहीं मिल पाया। सबको याद है कि भारतीय हॉकी टीम ने यूरोप के दौरे पर प्रो हॉकी लीग में बिल्कुल ही खराब प्रदर्शन किया था और इससे भारतीय हॉकी की काफी किरकिरी हुई थी। लगातार हार का सिलसिला जारी था और इससे निकल पाना भारत के लिए आसान नहीं था। ऐसे में जब भारत को बिहार के राजगीर में एशिया कप खेलने का मौका मिला तब भारतीय खिलाड़ियों ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। काफी हद तक कई कमजोरी को सामने नहीं आने दी। भारत ने एक भी मैच गंवाएं बिना टूर्नामेंट को जीत लिया। साथ ही आठ साल के सूखे को भी खत्म किया। 2017 के बाद यह पहला मौका है जब भारतीय पुरुष टीम ने एशिया कप जीता है।

शुरुआत धीमी और अंत धारदार : राजगीर खेल विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक आयोजित बारहवें संस्करण के इस एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जिस तरह खिताब जीता वह काबिले तारीफ है। भारतीय टीम की प्रतियोगिता में शुरुआत बिल्कुल ही अनुमान के विपरीत थी। उसे पहले ही मैच में चीन के खिलाफ संघर्ष का सामना करना पड़ा। हालांकि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही भारत को खिताब का दावेदार माना जा रहा था। एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि भारत की टीम चीन से यह मैच हार जाएगी। चीन ने शुरुआत भी धमाकेदार ढंग से की थी क्योंकि उसने खेल के 12वें मिनट में गोलकर बढ़त हासिल कर ली थी और यह सिलसिला आगे भी बना रहा। भारत ने इसके बाद इस मुकाबले को 4-3 से जीत लिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह को इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए याद किया जाएगा जिन्होंने छोटी जीत के बावजूद अपनी तरफ से तीन गोल किए और तीनों ही गोल पेनाल्टी कार्नर पर हुए। हालांकि उनका एक शर्तिया गोल नहीं हो सका जब उन्होंने पेनल्टी स्ट्रोक जाया कर दिया। ऐसे में भारत को आगे के मैचों के लिए चेतावनी मिल गई थी कि वह संभल कर खेले वरना कुछ भी हो सकता है।

जापान के खिलाफ दूसरे लीग मुकाबले में भारत ने किसी तरह 3-2 से जीत हासिल की। यहां भी भारतीय टीम ने जापान के खिलाफ पहले हाफ में जिस तरह का प्रदर्शन किया वह जबरदस्त साबित हुआ और यही जीत का कारण भी बना क्योंकि मनदीप सिंह और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने आपस में ये तीनों गोल बांट लिए थे। वैसे जापान की टीम ने भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी थी और यह जता दिया था कि मेजबान को आसानी से सफर तय करने नहीं देंगे।

पहले दो लीग मुकाबले के बाद भारत की इस बात की आलोचना हो रही थी कि उसने जो दोनों मैच जीते हैं वह कम गोल अंतर से जीते हैं और इससे भारत को आगे परेशानी हो सकती है। फिर भी भारतीय टीम ने हिम्मत नहीं हारी और जब तीसरा मुकाबला कजाकिस्तान के खिलाफ खेला गया तो भारत ने गोलों की बौछार कर दी। 15-0 के अंतर से भारत ने इस मैच को जीतकर अपने हौसले बुलंद किए और फिर

फाइनल मैच से पहले दोनों टीमें।

बता दिया कि उनके इरादे क्या हैं। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इस मैच में सिर्फ एक ही गोल किया लेकिन अभिषेक ने चार गोल और सुखजीत सिंह तथा जुगराज सिंह ने तीन-तीन गोल कर बता दिया था कि उनके लिए यह प्रतियोगिता क्यों खास है। यह अलग बात है कि कजाकिस्तान की टीम काफी कमजोर थी लेकिन बड़े अंतर की जीत ने भारत के आत्मविश्वास को काफी हद तक बढ़ा दिया था। ग्रुप ए से भारत के अलावा चीन और ग्रुप बी से मलेशिया और दक्षिण कोरिया ने सुपर 4 चरण के लिए क्वालीफाई किया।

दूसरे ग्रुप में मलेशिया और दक्षिण कोरिया की टीम आशा के अनुरूप खेल रही थी और दोनों ने क्रमशः तीन और दो मैच जीतकर सुपर 4 के लिए क्वालीफाई किया। इस दौरान मलेशिया की गत विजेता और पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया पर 4 -1 की जीत धमाकेदार साबित हुई। जिस समय यह प्रतियोगिता खेली जा रही थी उस समय इस जीत को काफी महत्व दिया जा रहा था क्योंकि मलेशिया को कोरिया से ज्यादा मजबूत नहीं माना जा रहा था। फिर भी कोरिया पर मलेशिया ने 4-1 के अंतर से जीत कर अपने लिए राह आसान बना ली थी। अखिमुल्लाह अनुआर ने तीन गोल किए। मलेशिया ने एक मैच में 15-0 से चीनी ताईपे को रौंद दिया था जिससे उसे भी भारत की तरह आत्मविश्वास बढ़ाने का मौका मिल गया।

सुपर फोर में बदल गया खेल : दोनों ग्रुप की शीर्ष दो-दो टीमें ने सुपर फोर के लिया क्वालीफाई किया। इसमें सभी चारों टीमों को एक दूसरे का सामना करना था। मलेशिया ने चीन को हराकर अच्छी शुरुआत की। दूसरी ओर भारत को दक्षिण कोरिया ने 2-2 की बराबरी पर रोक दिया। तेज बारिश के कारण यह मैच रात 7.30 बजे की बजाय 8.24 में शुरू हो पाया। हालांकि भारत ने हार्दिक सिंह के गोल से बढ़त ले ली थी, लेकिन जल्दी ही गत विजेता टीम ने पहले ही क्वार्टर में 2-1 से अग्रता हासिल कर ली। आखिरी सात आठ मिनट तक लगा भारत को तीन अंक खाने पड़ेंगे। 53वें मिनट में आखिरकार मनदीप सिंह ने फील्ड गोल कर भारत को हार से बचा लिया।

जिस तरह भारत को कोरिया से अंक बांटना पड़ा उससे एक बार फिर हॉकी प्रेमियों में अपने खिलाड़ियों को लेकर नाराजगी देखी गई। ऐसा लगा भारत को खिताबी होड़ से बाहर होना पड़ेगा। लेकिन अब मेजबान टीम के कोच की बात सबके सामने आई। क्रेग फुल्टन ने कहा था कि हम हर मैच के बाद अपनी रणनीति तय करेंगे। फुल्टन ने थोड़ा बदलाव यह भी किया कि पेनल्टी कॉर्नर की बजाय फील्ड गोल पर ज्यादा ध्यान दिया। पेनल्टी कॉर्नर आशा के अनुरूप कन्वर्ट नहीं हो पा रहे थे। कई पीसी बेकार जाते रहे।

चैंपियन बनने पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह को गोद में उठा लिया।

सुपर फोर के दूसरे दिन भारत का उस समय उत्साह बढ़ गया जब चीन ने कोरिया को 3-0 से शिकस्त दी। कोरिया की हार मानो भारत के लिए टॉनिक की तरह काम कर गई। भारत ने अगले मैच में मलेशिया को 4-1 से हराकर अविश्वनीय जीत दर्ज की। एक समय मलेशिया सबसे प्रबल दावेदार दिख रहा था। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इस जीत को अपने कैरियर के 250वें मैच का जश्न मनाया। भारतीय खिलाड़ी इस मैच के बाद तो इतने उत्साहित थे कि इन सब ने चीन को हॉकी सीखा दी। चीन को 7-0 से रौंद दिया। इस परिणाम पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा था। एक अन्य मैच में कोरिया ने मलेशिया को पीटकर हैरतभरी जीत हासिल की और फाइनल में स्थान बना लिया। कोरिया ने इस तरह ग्रुप लीग में मिली हार का बदला भी ले किया।

कोरिया पर भारत की जीत और कप हमारे हाथ : भारत और कोरिया सुपर फोर में पहले दो स्थानों पर रहने के कारण फाइनल में पहुंचे। पलड़ा भारत का ही भारी माना जा रहा था। जिस तरह से कोरिया ने मलेशिया को हराया था, उससे भारतीय खेमे में भी घबराहट थी। सुखजीत सिंह ने शुरुआती मिनट में गोल कर दर्शकों को उछलने का अवसर दे दिया। दिलप्रीत सिंह भी पीछे रहने वाले नहीं थे। लगातार दो गोल कर भारतीय टीम को कोरिया पर दबाव बढ़ाने का मौका दिया। अमित रोहिदास ने भी खुद को स्कोररों में शुमार कराया। भले ही कोरिया ने एक गोल किया, पर जीत भारत के गले आई। इस तरह भारत ने आठ साल बाद और कुल चौथी बार एशिया कप खिताब जीत लिया। साथ ही अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई भी कर लिया।

हरमनप्रीत को मिली संजीवनी : जिस तरह से पिछले कुछ टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रदर्शन खराब रहा था, उससे ऐसा माना जा रहा था कि अगर एशिया कप में सफलता नहीं मिली तो शायद उनकी कप्तानी जा सकती है। खुद हरमनप्रीत का भी परफॉर्मेंस पहले की तरह नहीं हो रहा था। चोट के बाद उनके खेल पर असर पड़ा है। कई बार उनको दौड़ लगाने के बजाय खड़े खड़े खेलते हुए देखा गया। इस कारण वह ज्यादा प्रभावी नजर नहीं आ रहे थे। सेलेक्टर्स की खास निगाहें उनपर थीं। अब जबकि एशिया कप भारत ने जीत लिया है तो शायद हरमनप्रीत पर लटकी तलवार म्यान में लौट जायेगी। यह माना जा सकता है कि फिलहाल उनकी कप्तानी पर कोई खतरा नहीं है। यह जरूर हो सकता है कि अगले कुछ टूर्नामेंट या किसी दौरे से आराम दिया जाए।

हरमनप्रीत ने वैसे खराब खेल नहीं दिखाया, बस पहले जैसी खनक नहीं रही। विश्व कप के समय वे कप्तान रहेंगे या नहीं, फिलहाल नहीं कहा जा सकता। अभिषेक ने टूर्नामेंट में छह गोल दागे और सभी फील्ड

गोल। उनका प्रदर्शन शानदार रहा और इसी कारण उन्हें हीरो ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। एशिया कप में शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह और नीलकंठ शर्मा को नहीं रखा गया था। तीनों पेरिस ओलंपिक की टीम में थे। इनकी जगह खेलने वाले राजिंदर सिंह, शिलानंद लकड़ा ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया। यह माना जा रहा है कि टीम में अब युवा खिलाड़ियों को जगह दी जानी चाहिए। हालांकि यह एक साथ नहीं हो सकता। कुछ नए को आजमाकर उन्हें अनुभव दिलाया जा सकता है। 400 से ज्यादा मैच खेलने वाले मनप्रीत सिंह पर ज्यादा निगाहें हैं।

कोच फुल्टन ने हार नहीं मानी : टूर्नामेंट में जिस तरह से भारतीय टीम की शुरुआत ज्यादा बेहतर नहीं रही थी, उससे कोच की प्लानिंग पर शक होने लगा था। चीन के बाद जापान से मिली संघर्षपूर्ण जीत को लोग आलोचना की नजर से देख रहे थे। इसका सीधा मतलब कोच को लेकर था। हॉकी जानने वाले कोच पर दोष म? रहे थे। इससे उनपर दबाव बढ़ गया था। बावजूद इसके कोच ने प्लानिंग में बदलाव कर भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन करवा लिया। शुरू से ही उनकी नीति थी, एक मैच के बाद अगले के बारे में सोचना। यह कारगर साबित हुआ। कोच के सामने पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद गोलकीपर की समस्या को सुलझाना महत्वपूर्ण है। राजगीर में केबी पाठक उम्मीदों के मुताबिक नहीं खेले। जबकि सूरज करकेरा थोड़ा बेहतर खेले। ऐसे में तीसरे गोलकीपर की तलाश जरूरी है।

राजगीर आने से पाकिस्तान ने किया इनकार : पाकिस्तान ने एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता में खेलने से इनकार कर दिया, जिसके कारण अंतिम समय में बांग्लादेश को शामिल किया गया था। पाकिस्तान के भाग नहीं लेने का कारण सुरक्षा को बताया गया है लेकिन विशेषज्ञ इसे राजनीति से प्रेरित भी बता रहे हैं। एशिया कप किसी भी देश के लिए महत्वपूर्ण होता है लेकिन पाकिस्तान ने इसमें ना खेल कर विश्व कप का खेलने का एक मौका गवां दिया। इस बीच पाकिस्तान ने नवम्बर-दिसम्बर में तमिलनाडु में होने वाले जूनियर विश्व कप में खेलने की पुष्टि कर दी है। पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया। इसके ओमान ने भी अपना नाम वापस लिया। उसकी जगह उज़्बेकिस्तान को आमंत्रित किया गया।

पुरस्कारों की बारिश : भारतीय टीम के एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीतने और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने पर हॉकी इंडिया और बिहार सरकार ने खिलाड़ियों के लिए इनाम देने की घोषणा की। बिहार सरकार ने तो 19 सितंबर को पटना में समारोह में सभी खिलाड़ियों, मुख्य प्रशिक्षक और सहायक प्रशिक्षकों को 10-10 लाख रुपए की राशि प्रदान की। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टीम के बाकी सपोर्ट स्टाफ को भी 5-5लाख रुपए का पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह को पुरस्कार राशि प्रदान करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

भारत और कोरिया के बीच फाइनल मैच का नजारा।

इधर हॉकी इंडिया ने सभी खिलाड़ियों को तीन-तीन लाख रुपए देने की घोषणा की थी और साथ ही सभी सपोर्ट स्टाफ को डेढ़-डेढ़ लाख रुपए की इनाम राशि देने की घोषणा की।

परिणाम एक नजर में

ग्रुप ए
- जापान ने कजाकिस्तान को 7-0 से हराया
- भारत ने चीन को 4-3 से हराया
- चीन ने कजाकिस्तान को 13-1 से हराया
- भारत ने जापान को 3-2 से हराया
- चीन और जापान 2-2 से ड्रॉ रहे
- भारत ने कजाकिस्तान को 15-0 से हराया।

ग्रुप बी
- मलेशिया ने बांग्लादेश को 4-1 से हराया
- कोरिया ने चीन ताइपे को 7-0 से हराया
- बांग्लादेश ने चीन ताइपे को 8-3 से हराया
- मलेशिया ने कोरिया को 4-1 से हराया
- कोरिया ने बांग्लादेश को 5-1 से हराया
- मलेशिया ने चीन ताइपे को 15-0 से हराया।

स्थान के मैच
- पांचवें से आठवें स्थान तक के मुकाबले
- जापान ने चीन ताइपे को 2-0 से हराया
- बांग्लादेश ने कजाकिस्तान को 5-1 से हराया
- सातवें और आठवें स्थान का मुकाबला
- कजाकिस्तान ने चीन ताइपे को 6-4 से हराया
- पांचवां और छठा स्थान का मुकाबला
- जापान ने बांग्लादेश को 6-1 से हराया

सुपर फोर के मुकाबले
- मलेशिया ने चीन को 2-0 सेहराया
- भारत और कोरिया 2-2 से ड्रॉ रहे
- चीन ने कोरिया को 3-0 से हराया
- भारत में मलेशिया को 4-1 से हराया
- कोरिया ने मलेशिया को 4-3 से हराया
- भारत ने चीन को 7-0 से हराया
- पांच में और छठे स्थान का मैच
- जापान ने बांग्लादेश को 6-1 से हराया
- तीसरे और चौथे स्थान का मैच
- मलेशिया ने चीन को 4-1 से हराया

फाइनल मैच
- भारत में कोरिया को 4-1 से हराया।

अवार्ड्स
- **हीरो का द टूर्नामेंट:** अभिषेक (भारत)
- **बेस्ट यंग प्लेयर :** एंडी वालफ़यान जेफरीनस (मलेशिया)
- **बेस्ट गोलकीपर :** किम जाए ह्यून (कोरिया)।

टॉप स्कोरर
- **12 गोल :** अनुआर अख़िमुल्लाह (मलेशिया)
- **6 गोल :** अभिषेक (भारत)
- **6 गोल :** अशरान हमसानी (मलेशिया)
- **6 गोल :** रायोसूके शिनोहरा (जापान)
- **6 गोल :** हरमनप्रीत सिंह (भारत)
- **6 गोल :** सुखजीत सिंह (भारत)
- **6 गोल :** दैन सोन (कोरिया)
- **6 गोल :** एजीमेटे ड्यूसेंगगाजी (कजाकस्तान)।

भारतीय महिला हॉकी टीम उपविजेता बनी, विश्व कप में जाने से चूकी

महिला एशिया कप हॉकी का खिताब चीन ने जीता

महिला एशिया कप हॉकी चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन चीन के हांगझोउ शहर में 5 से 14 सितंबर तक हुआ। यह प्रतियोगिता एशियाई महिला हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट माना जाता है, क्योंकि इसमें खिताब जीतने वाली टीम न केवल एशिया की श्रेष्ठता हासिल करती है बल्कि सीधे विश्व कप में क्वालीफाई भी कर लेती है। भारतीय टीम उपविजेता रहकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई। अब भारत को विश्व कप के लिए अलग से होने वाले क्वालीफाइंग टूर्नामेंट का इंतजार करना होगा।

ग्रुप लीग में भारत का शानदार प्रदर्शन : इस बार टूर्नामेंट में आठ टीमें शामिल हुईं- भारत, चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर और ताइवान। प्रतियोगिता के शुरू होने से पहले ही भारत की नजरें स्वर्ण पदक पर टिकी थीं, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय महिला हॉकी ने उल्लेखनीय प्रगति की है और इस टूर्नामेंट को जीतना उनके आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा तय कर सकता था।

भारत की महिला हॉकी का इतिहास संघर्ष और सफलता का मिश्रण है। आजादी के बाद पुरुष हॉकी को बहुत अधिक प्रसिद्धि और गौरव प्राप्त हुआ, लेकिन धीरे-धीरे महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 1970 और 80 के दशक में महिला हॉकी टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर नजर आने लगी, परंतु लगातार संसाधनों और अवसरों की कमी से उनका विकास बाधित रहा। 2004 और 2017 में भारत ने एशिया कप जीता और यह इस बात का प्रमाण था कि भारतीय महिलाएँ किसी भी एशियाई टीम को टक्कर दे सकती हैं। 2017 का खिताब विशेष महत्व रखता है क्योंकि उसी ने भारतीय महिला हॉकी को नई पहचान दी। टोक्यो ओलंपिक 2021 में चौथे स्थान पर रहकर भारतीय महिला हॉकी टीम ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा और यह साबित किया कि यह टीम अब केवल भाग लेने वाली नहीं बल्कि पदक की दावेदार भी बन चुकी है।

2025 के एशिया कप में जब भारतीय टीम मैदान पर उतरी तो उसके साथ उम्मीदें और दबाव दोनों थे। पहला मैच थाईलैंड के खिलाफ था। यह मैच भारतीय टीम के लिए आत्मविश्वास से भरा साबित हुआ। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और एक के बाद एक गोल करते हुए सिंगापुर को कोई मौका नहीं दिया। नतीजा 11-0 रहा। इस मैच में भारत ने अपने हमले की धार और स्ट्राइकिंग सर्कल में प्रभावशीलता दिखाई। मुमताज ,नवनीत कौर, लालरेम्सियामी और उदिता जैसी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस जीत ने भारत को टूर्नामेंट की मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित कर दिया।

दूसरे मुकाबले में भारत का सामना जापान से हुआ। जापान हमेशा से अनुशासित और तेज खेल के लिए जाना जाता है। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। भारत ने शुरुआती बढ़त ली लेकिन जापान ने तुरंत वापसी की। दोनों टीमों ने शानदार हमले और बचाव किए और अंततः मुकाबला 2-2 से ड्रॉ पर खत्म हुआ। यह परिणाम भारत के लिए थोड़ा निराशाजनक जरूर था क्योंकि वह बढ़त बरकरार नहीं रख सका, लेकिन जापान जैसी मजबूत टीम से अंक लेना भी आसान नहीं था। इस मैच ने भारतीय टीम को यह एहसास कराया कि फाइनल तक का सफर आसान नहीं होगा और हर मैच में शत-प्रतिशत देना होगा। भारतीय टीम ने अपने अंतिम ग्रुप मैच में सिंगापुर को 12-0 से रौंद दिया।

सुपर फोर चरण में भी रहा दमदार प्रदर्शन : पूल चरण से आगे बढ़कर भारत सुपर-4 में पहुंचा। यहाँ उसका पहला बड़ा मुकाबला कोरिया से हुआ। कोरिया एशियाई हॉकी की पारंपरिक मजबूत टीम है, जिसने तीन बार यह खिताब जीता है। इस मैच में भारतीय टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 4-2 से जीत हासिल की। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण रही क्योंकि कोरिया के खिलाफ भारत ने आक्रमण और रक्षा दोनों क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखा। इस जीत ने टीम को फाइनल की दौड़ में मजबूती दी।

सुपर-4 का अगला मुकाबला चीन से था। मेजबान टीम का आत्मविश्वास ऊँचा था और घरेलू दर्शकों का समर्थन भी उसके साथ था। भारत ने इस मैच में

शुरुआत में अच्छा खेल दिखाया लेकिन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में नाकाम रहा। चीन ने मौके का पूरा फायदा उठाया और भारत को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट की पहली हार दी। यह हार भारत के लिए चेतावनी थी कि फाइनल में खिताब जीतने के लिए उसे और सटीक रणनीति अपनानी होगी। तीसरा मैच भारत का जापान से 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

चीन ने तोड़ा भारत का सपना : सुपर-4 के परिणामों के बाद भारत और चीन फाइनल में पहुँचे। 14 सितंबर को खेले गए इस फाइनल का माहौल बेहद रोमांचक था। स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था और चीनी दर्शकों का जोश देखते ही बनता था। मैच की शुरुआत भारत ने शानदार की। पहले ही मिनट में उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला और नवनीत कौर ने गोल दाग दिया। इससे भारत को 1-0 की बढ़त मिल गई और पूरे स्टेडियम में सन्नाटा छा गया। लेकिन धीरे-धीरे चीन ने अपने आक्रामक खेल से मैच पर पकड़ बनानी शुरू की। दूसरे क्वार्टर में चीन ने बराबरी का गोल किया। तीसरे क्वार्टर में चीनी टीम ने भारत की रक्षा पंक्ति को तोड़ते हुए दो और गोल दागे। चौथे क्वार्टर में भारत ने वापसी की कोशिश की लेकिन गोल करने में असफल रहा। इसके विपरीत चीन ने एक और गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। अंतिम सीटी बजते ही चीन तीसरी बार एशिया कप चैंपियन बन गया और भारत को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह मेजबान चीन ने भारत का सपना तोड़ दिया।

कुछ बेहतर, कई कमजोरी : हरेंद्र सिंह द्वारा प्रशिक्षित भारत टीम के फाइनल हारने के बावजूद टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में सराहनीय रहा। सिंगापुर पर बड़ी जीत, जापान के खिलाफ ड्रा और कोरिया पर शानदार विजय ने साबित किया कि भारत अब एशियाई हॉकी में शीर्ष टीमों में शामिल है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसका आक्रामक खेल और फिटनेस रही। खिलाड़ियों ने मैदान पर तेज पासिंग, आक्रामक मूवमेंट और फुर्ती दिखाई।

हालांकि कुछ कमजोरियाँ भी साफ सामने आईं। सबसे बड़ी समस्या रही पेनल्टी कॉर्नर का गोल में बदलना। आधुनिक हॉकी में पेनल्टी कॉर्नर गोल करने का सुनहरा मौका होते हैं और चीन के खिलाफ हार का बड़ा कारण यही रहा कि भारत अपने मिले अवसरों का लाभ नहीं उठा सका। दूसरी कमजोरी दबाव के पलों में संयम बनाए रखने की रही। जब चीन ने बराबरी का गोल किया, उसके बाद भारतीय टीम का तालमेल बिगड़ गया और उसने जल्दबाजी में गलतियाँ कीं। तीसरी चुनौती अनुभव की रही। चीन और जापान जैसी टीमों के पास बड़े टूर्नामेंट का ज्यादा अनुभव है, जबकि भारत की युवा खिलाड़ियों को अभी और परिपक्व होने की आवश्यकता है।

इन कमजोरियों के बावजूद इस टूर्नामेंट से भारत को कई सबक मिले। सबसे महत्वपूर्ण यह कि उसे तकनीकी दक्षता, मानसिक मजबूती और पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन पर विशेष ध्यान देना होगा। कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के साथ अधिक मनोवैज्ञानिक सत्र आयोजित करने चाहिए ताकि वे दबाव की परिस्थितियों में भी शांत और केंद्रित रह सकें। इसके साथ ही खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक अनुभव दिलाने की जरूरत है। अगर भारत नियमित रूप से यूरोपीय और ऑस्ट्रेलियाई टीमों के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा तो खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और कौशल दोनों बढ़ेंगे।

अंतिम स्थान : 1 चीन, 2 भारत, 3 जापान, 4 कोरिया, 5 मलेशिया, 6 सिंगापुर, 7 थाईलैंड, 8 चीन ताइपे।

टूटी पसली से हिमालय की चोटी का सफर एक अल्ट्रा रनर की अविश्वसनीय जीत

भोपाल (मुकेश विश्वकर्मा)। भोपाल के अल्ट्रा रनर धर्मेंद्र जोगी की जिंदगी में वह मोड़ पांच मार्च 2025 को आया, जब एक बस दुर्घटना में उनकी दो पसलियां टूट गईं। डाक्टर ने एक महीने का कंप्लीट बेड रेस्ट बताया। जो धावक रोज दौड़ता हो, उसके लिए हिलना या खांसना भी दर्दनाक हो जाए तो वह कैसा महसूस करेगा? पहले 15 दिन बेहद मुश्किल थे। दौड़ रुकने से धर्मेंद्र शारीरिक और मानसिक रूप से टूट गए। निराश होकर उनके मन में बार-बार यही सवाल गूंजता रहा कि क्या मैं अब फिर कभी दौड़ पाऊँगा? यह समय उनकी हिम्मत की सबसे बड़ी परीक्षा थी।

धर्मेंद्र जोगी ने दुनिया की सबसे ऊंची अल्ट्रा मैराथन जीतकर साबित किया, हौसला ही सबसे बड़ी ताकत है।

दर्द को बनाया ताक़त, चुना दुनिया का सबसे कठिन रास्ता : कमजोरी और निराशा के उस दौर में धर्मेंद्र ने एक फैसला लिया जिसने उनकी पूरी कहानी बदल दी। उन्होंने तय किया कि अब कुछ बड़ा और नया करना है। उसी टूटी हुई पसली के साथ उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची अल्ट्रा मैराथन खारदुंगला चैलेंज (72 किमी) में हिस्सा लेने का रजिस्ट्रेशन किया। यह मैराथन लगभग 13,000 फीट से शुरू होकर 18,000 फीट की बर्फीली, पतली हवा वाली ऊंचाई तक जाती है, जहां ऑक्सीजन का स्तर 50 प्रतिशत रह जाता है। धर्मेंद्र ने अपने दर्द को चुनौती को जीतने के जुनून में बदल दिया।

लेह की चुनौती के लिए भोपाल में बहाया पसीना : चुनौती बड़ी थी इसलिए तैयारी भी ख़ास होनी थी। धर्मेंद्र ने खारदुंगला के बारे में रिसर्च की, पुराने धावकों के ब्लॉग पढ़े और एक परफेक्ट ट्रेनिंग प्लान बनाया। उनकी ट्रेनिंग में हर हफ्ते 70 से 80 किमी की दौड़ शामिल थी, जिसमें भोपाल की मनुआभान टेकरी पर पहाड़ चढ़ने का अभ्यास भी शामिल था। अपनी प ी अरुणा के जबरदस्त समर्थन और परिवार के साथ ने उन्हें हर दिन मजबूत बनाया। यह साबित हुआ कि परिवार का हौसला किसी भी ट्रेनिंग से ज़्यादा जरूरी होता है।

रेस शुरू होते ही तबीयत बिगड़ी, पर रुका नहीं जुनून : 12 सितंबर 2025 की सुबह तीन बजे जब खारदुंग गांव से रेस शुरू हुई तो किस्मत ने एक और इम्तिहान लिया, धर्मेंद्र की तबीयत खराब हो गई और उल्टी होने लगी। इतनी कठिन दौड़ में ऐसी शुरुआत किसी भी धावक का मनोबल तोड़ सकती थी, पर धर्मेंद्र ने हार नहीं मानी। उन्होंने उल्टी के बाद ब्रिस्क वॉक और हल्की जॉगिंग से अपनी गति पकड़ी। 32 किमी की खड़ी चढ़ाई पूरी कर जब वह खारदुंगला टॉप पहुंचे, तो उन्हें 5 घंटे 27 मिनट लग चुके थे। लेकिन उन्हें रुकना नहीं था।

तिरंगा थामकर पार की फिनिश लाइन, दिया प्रेरणा का संदेश : टॉप से लेह तक की 40 किमी डाउनहिल दौड़ में उन्होंने बेहतरीन वापसी की और शेष दूरी 4 घंटे 32 मिनट में पूरी कर ली। दर्शकों की तालियों के बीच लेह में प्रवेश करते ही उनकी थकान छूमंतर हो गई। फिनिश लाइन से 2 किमी पहले, उन्होंने गर्व से तिरंगा हाथ में लिया और 10 घंटे 9 मिनट में इस असंभव सी लगने वाली अल्ट्रा मैराथन को पूरा कर लिया। धर्मेंद्र जोगी की यह अविस्मरणीय यात्रा हम सबको सिखाती है कि दृढ़ संकल्प, धैर्य और आत्मविश्वास के दम पर शरीर की किसी भी कमजोरी और जीवन की किसी भी मुश्किल चुनौती को पार किया जा सकता है। वह आज युवाओं के लिए एक सच्ची प्रेरणा बन चुके हैं।

सबालेंका की हैट्रिक

कार्लोस अल्काराज

अर्यना सबालेंका

पिछले दो वर्षों से अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिताओं में पुरुषों के वर्ग में दो युवा खिलाड़ी स्पेन के 22 वर्षीय कार्लोस अल्काराज गारफिया व इटली के 24 वर्षीय जैनिक सिनर का राज रहा है। इन दोनों वर्षों में दोनों ही खिलाड़ी प्रतिष्ठित 4 ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं के फायनल में आपस में तीन बार टकराये, तो सिनर 6 बार और अल्काराज 5 बार फायनल में पहुंचे और इनके रहते तीसरा कोई भी खिलाड़ी विजेता नहीं बन पाया। 2025 का यह अमेरिकी ओपन टेनिस प्रतियोगिता का 145वां संस्करण और 62 वर्षीया कनाडा अमेरिका की महिला उद्यमी स्टेसी ऐन अलास्टर के निर्देशन में खेली गई अंतिम प्रतियोगिता भी साबित हुआ। यह प्रतियोगिता 18 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक न्यूयॉर्क के यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर के आउटडोर हार्ड कोर्ट पर खेला गया।

अबकि प्रतियोगिता के फॉर्मेट में थोड़ा परिवर्तन किया गया। आमतौर से साथ ही साथ खेले जाने वाले, मिश्रित युगल (137वां संस्करण) के मुकाबले पहले 19 व 20 अगस्त को ऑर्थर ऐश स्टेडियम व लुईस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम के हार्ड कोर्ट पर खेला गया। इसमें 16 जोड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें आठ को उनके रैंकिंग के आधार पर सीधे और शेष 8 जोड़ियों को वाईल्ड कार्ड से प्रवेश मिला। पहले ही दौर में टॉप सीड जेसिक पेगुला-जैक ड्रेयर, तीसरी सीड ईगा स्वातेक-कैस्पर रुड, छठवीं सीड मीरा एंड्रिना -डेनियल मेंदवेदवे व आठवीं सीड कैरोलीना मुचोवा-आन्द्रेई रुबलेव ही आगे बढ़ पाए। फिर अगले दौर में छठवीं व आठवीं सीड जोड़ी भी बाहर हो गई। जिससे सेमीफाइनल में पहली, तीसरी व दो अनसीडेड जोड़ी पहुंची। सेमीफाइनल में तीसरी सीड ने पहली सीड को हराकर बाहर कर दिया। तो अनसीडेड जोड़ी और पूर्व विजेता जोड़ी सारा ईरानी -एंड्रिया वावस्मोरी ने डेनियले रोज कोलिंस-क्रिश्चियन हैरिसन को हराकर लगातार दूसरी बार फायनल में प्रवेश किया। जहां उन्होंने ईगा-कैस्पर की जोड़ी को हराया। इससे पहले इस जोड़ी ने इस वर्ष फ्रेंच ओपन में भी जीत का परचम लहराया था। जबकि ऑस्ट्रेलियाई व विम्बलडन के दूसरे दौर में ही यह जोड़ी परास्त हो गई थी। इसके साथ अब ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में इस जोड़ी के नाम 3-3 खिताब हो गए।

हरेन्द्र नागेश साहू
खेल समीक्षक

सामान्य वर्ग- एकल : किसी भी ग्रैंड स्लैम टेनिस प्रतियोगिता का आकर्षण एकल मुकाबला होता है और फायनल मुकाबला भी आशानुरूप सीड नंबर 1 व 2 के मध्य खेला गया। जिसमें एक बार फिर कार्लोस अल्काराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके, हाई कोर्ट के प्रमुख खिलाड़ी जैनिक सिनर को 2 घंटे 42 मिनट चले मुकाबले में 6-2, 3-6, 6-1 व 6-4 से हराकर अपना छठवां प्रमुख (ग्रैंड स्लैम) खिताब और दूसरा (2022 के बाद) अमरीकी ओपन खिताब जीता। यही नहीं इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज पुनः नं 01 रैंकिंग पर वापस आ गये। फाइनल मैच में अल्काराज शुरू से ही आक्रामक रहे। जिसमें सिनर की परेशानियां शुरू हो गई और 4 मिनट के भीतर ही उन्हें पहला ब्रेक प्वाइंट झेलना पड़ा। फिर शीघ्र ही कार्लोस अल्काराज ने 5-2 की बढ़त बना लिया तथा एक और ब्रेक प्वाइंट के जरिए पहला सेट 37 मिनट में जीत लिया। दूसरे सेट में सिनर ने संभलकर शुरुआत किया और एक ब्रेक पॉइंट के जरिए 3-1 से बढ़त बनाया और फिर कोई मौका गवायें अंततः सेट 6-3 से जीतकर, मैच को बराबरी व रोमांचक मोड़ पर ला दिया।

तीसरे सेट में अल्काराज ने फिर आरंभ से ही आक्रामक रूप अपनाया और लगातार बिजली की तेजी जैसे प्रहार से 2-0 की बढ़त बनाया। फिर उन्हें 4-0 से आगे बढ़ने और 6-1 से सेट जीतने में कोई परेशानी नहीं हुआ। इस दरमियान उन्होंने ओवरहैड शॉट, साईड वाइंडिंग स्मैश, फोरहैंड का बढ़िया प्रदर्शन किया। चौथे सेट में फिर अल्काराज ने अपनी ताकत का इस्तेमाल किया और अपनी बेदाग झन्नाटेदार सर्विस से सिनर के लिए कोई मौका ही नहीं बनने दिया। इससे उन्होंने 3 -2 की बढ़त को आगे बढ़ते हुये अपना 11वां ऐस लगाकर जीत पक्की कर दिया। इस पूरे मैच में अल्काराज ने कोर्ट पर अपने खेल क्षमता की विविधता का और अपने पास मौजूद शॉट्स का विस्तार से प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन वे आज के मौजूद नई पीढ़ी के खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा होनहार होने का सम्मान पाते हैं। इस जीत के साथ अल्काराज ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं के तीनों प्रकार के कोर्ट पर(2 क्ले ऑस्ट्रेलियाई ओपन, 2 ग्रास विम्बलडन व 2 हार्ड अमरीकी ओपन जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गये।

आसान मुकाबला : वैसे पुरुषों के एकल मुकाबलों में अधिक मैच आसान रहे और तीन सेट में ही उनका फैसला हो गया। जबकि खेल के दरम्यान गर्मी और कड़े संघर्ष के कारण कुछ खिलाड़ी चोटिल होकर बाहर भी हुए। फायनल तक के सफर में कार्लोस अल्काराज को कोई बहुत अधिक परेशानी नहीं हुई। क्योंकि उन्होंने अपने 6 मैचों में कोई सेट हारा तो नहीं, अलबत्ता दो बार टाई ब्रेकर में सेट जीता।

फायनल तक जीत में उनका सफर इस तरह रहा

- **पहले दौर-** रियली ओपेल्का (अमेरिका) 6-4,7-5, 6-4, 2 घंटा व 5 मिनट में,
- **दूसरा दौर-** मैटिया बेलुकी (ईटली) 6-1, 6-0, 6-3, 1 घंटा व 36 मिनट में,
- **तीसरा दौर-** लूसियानो टेडियोपारडेरी (ईटली) 6-2,6-4,6-0, 1 घंटा व 44 मिनट में,
- **चौथा दौर-** आर्थर रिंडर्कनेक (फ्रांस) 7-6, (7-3), 6-3, 6-4, 2 घंटा व 12 मिनट में,
- **क्वार्टर फाइनल-** जीरी लेहच्को (चेक रिपब्लिक) 6-4, 6-2, 6-4, 1 घंटा 56 मिनट में
- **सेमी फाइनल-** नोवाक जाकोविक (सर्बिया) 6-4, 7-6, (7- 4), 6-2, 2 घंटा 23 मिनट

में हराकर रहा।

सबसे ऊंचा खिलाड़ी : वैसे अल्काराज के अधिकांश प्रतिद्वंद्वी (जाकोविक-7 सीड)अनसीडेड या 20, 32 वरीयता के रहे। इन्हीं खिलाड़ियों में अमेरिकी रियली ओपेल्का की ऊंचाई 6 फुट 11 इंच थी। जो की टेनिस के इतिहास में सबसे ऊंचे खिलाड़ी आईवो कार्लोविक(क्रोशिया) के बराबरी पर है। दूसरी ओर सिनर को आरंभ में आसान प्रतिद्वंदी मिले। जिससे उन्हें आगे बढ़ाने में आसानी हुआ। इसी क्रम में उन्होंने इस साल के फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनलिस्ट कजाकिस्तान के अलेक्जेंड्रा बूबलिक को 6-1,6-1,6-1 से हराया। फिर फायनल तक पहुंचते-पहुंचते सीनियर डेनिस विक्टोरोविक शैदोवालोव (कनाडा) व फेलिक्स आगर आलिया सिमे (कनाडा) से एक-एक सेट हारे। फायनल में पहुंचकर सिनर 24 वर्ष की उम्र में एक ही सत्र के सभी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचकर रोजर फेडरर (अंडर-25, 2006 में)को पछाड़कर सबसे युवा खिलाड़ी में भी बने।

इसी क्रम में नोवाक जोकोविक ने 38 वर्ष 103 दिन की उम्र में सेमीफाइनल खेल कर 1991 में जिमी के बाद सबसे बुजुर्ग सेमीफाइनलिस्ट बने। यही नहीं तीसरे दौर में कैम नूरी (यूनाइटेड किंगडम)को 6-4,6-7,6-2,6-3 से हराकर ग्रैंड स्लैम मुकाबले में हार्ड कोर्ट पर 192 वां मैच जीतकर रोजर फेडरर (191 जीत -29 हार) के रिकॉर्ड को अब 194 जीत-25 से और बेहतर किया। इसके अलावा जोकोविक ने रोजर फेडरर के 69 ओपन दौर में ग्रैंड स्लैम मुकाबले में चौथे दौर तक पहुंचने के भी रिकॉर्ड की बराबरी कर लिया।

न्यूनतम वरीयता : पुरुषों के एकल मुकाबले में कुछ और मजेदार रिकार्ड भी बने। स्विट्जरलैंड के 23 वर्षीय क्वालीफायर 6 फुट 3 इंच ऊँचे लिन्ड्रो रुईडी ग्रैंड स्लैम मुकाबला के चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे निम्न रैंक (435 वाँ) के खिलाड़ी बने। इससे पहले नीदरलैंड के 31 वर्षीय 6 फुट 5 इंच ऊंचे रिचर्ड पीटर स्टेनलीस्लोव क्रिस्टल, जो 1996 में विंबलडन एकल जीत चुके थे, 1093 वाँ वरीयता के साथ 2002 के विंबलडन के चौथे दौर में पहुंचे थे और क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई 6 फुट 5 इंच ऊंचे मार्क एंथोनी फिलीपौलिस से कड़े संघर्ष के बाद 7-6 (7-2), 6-7 (4-7), 7-6 (7-1), 6-7 (5-7), 6-4 से हारे थे। वैसे इस मामले में रिकार्ड फ्रांस के गॉय फॉरगेट (6 फुट 3 इंच) का है। जो 1994 के विंबलडन मुकाबले में 1130 वीं वरीयता के साथ क्वार्टर फाइनल पहुंचे थे। फिर उपविजेता क्रोशिया के 6 फुट 4 इंच ऊंचे गोरान इवानिसेविक से हारे।

सबालेंका की हैट्रिक : पुरुष वर्ग में जैसा मुकाबला अल्काराज- सिनर तक ही सिमटा नजर आया। वही महिला एकल में बेलारूस की 27 वर्षीया अर्यना सबालेंका ही सबसे प्रबल दावेदार के रूप में उभरी। सबालेंका पिछले दो वर्षो की अमेरिकी ओपन विजेता होने के साथ ही साथ विंबलडन 2025 को छोड़कर ऑस्ट्रेलियाई व फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची है।

अबकि अमेरिकी ओपन के फाइनल में सबालेंका का मुकाबला अमेरिकी अमांडा की विक्टोरिया अनिसिमोवा से हुआ। 24 वर्षीया अमांडा की गिनती वर्तमान में टेनिस की उभरती हुई सितारों में होती है। हालांकि वह अब तक कोई ग्रैंड स्लैम एकल नहीं जीत पाई है। मगर विम्बलडन और अब अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंचकर उसने जता दिया कि उसकी विश्व रैंकिंग 4 यूं ही नहीं है। वैसे देखा जाए तो सबालेंका को फाइनल तक पहुंचने में कोई खास संघर्ष नहीं करना पड़ा। **अबकि उसने-**

- **पहले दौर में-** रेबेका मैसारोवा (स्विट्जरलैंड) को 7-5, 6-1 से एक घंटा 21 मिनट में,
- **दूसरे दौर में-** पोलिना एड्डुअरडोवना कुदेरमेतोवा (रूस) को 7-6 (7-4), 6-2 से एक घंटा 36 मिनट में,
- **तीसरे दौर में-** लीला एनी फर्नांडिज (कनाडा) को 6-3, 7-6 (7-2) से एक घंटा 39 मिनट में,
- **चौथे दौर में-** क्रिस्टीना बुक्स (स्पेन) को 6-1,6-4 से एक घंटा 13 मिनट में,
- **क्वार्टर फाइनल में-** मार्केटा वैंड्रोसोवा (चेक रिपब्लिक)- वाकओवर,
- **सेमी फाइनल** में जेसिका पेगुला (अमेरिका) को 4-6, 6-4, 6-4 से दो घंटे 5 मिनट में हराया। उधर अमांडा को फाइनल तक पहुंचने में क्वार्टर फाइनल में ईगा स्वातेक (पोलैंड नं 02) को 6-4,6-3 से बाहर करना पड़ा। फिर सेमीफाइनल में जापानी नोआमी ओसाका से दोनों सेट ट्राईब्रेकर में उलझना पड़ा है।

फाइनल मैच में सबालेंका ने आठवीं सीड अमांडा को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 (7-3) से हराया। इससे पहले साल के तीनों ग्रैंड स्लैम को ना जीत पाने का उन पर दबाव था। पहला सेट उन्होंने 38 मिनट में 6-3 से अपने नाम किया। अलबत्ता दूसरे सेट में दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिला। जिससे सेट ट्राईब्रेकर तक जा पहुंचा। मगर सबालेंका ने 56 मिनट में सेट आखिरकार 7-3 के अंतर से जीतकर, अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब और 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद टाईटल का बचाव करने वाली पहली खिलाड़ी भी बनी और विश्व रैंकिंग में पुनः पहले नंबर में आ गई है। उल्लेखनीय है कि इन दोनों ने लगातार तीन बार इस खिताब को जीता।

इस वर्ग के कुछ अन्य मुकाबले में 2000 व 2001 की चैंपियन और पहले ही दौर में हारने वाली वीनस विलियम्स (45 वर्ष 69 दिन) अबकि सबसे अधिक उम्र दराज खेलने वाली महिला खिलाड़ी बनी। इसमें पहले अमेरिकी की रेनी रिचर्ड्स रैसकाइन्ड (47 वर्ष 12 दिन) जो पुरुष से महिला बनी थी तथा 1953 से 1960 के दरम्यान पुरुषों के रूप में भाग लिया था, वर्ष 1981 के दरम्यान सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बनी थी। मगर वह भी वीनस की ही तरह पहले दौर में हार गई है।

इस प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मेडिसिन की (अमेरिका), फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको ग्राफ (अमेरिका), विम्बलडन चैंपियन ईगा स्वातेक (पोलैंड) भी शामिल हुई थी। जो क्रमशः पहले दौर मेक्सिको की रैनाता जाराजुआ रस्कटूहल से 7- 6 (12 -10), 6 -7 (3- 7), 7 5 से, चौथे दौर में जापान की नोआमी ओसाका से 6-3, 6-2 एवं क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से 6-4,6-3 की हार गई है।

नये विजेता : युगल मुकाबले में पुरुषों के युगल में टॉप सीड व विम्बलडन में पुरुष युगल जीतने वाली जोड़ी ब्रिटेन की जूलियन कैश- लॉयड ग्लासपुल के पहले दौर में हार जाने के बाद पांचवी सीड जोड़ी विजेता बनी। तो महिला युगल में पिछली चैंपियन जोड़ी ल्यूडीमला किचनोक-जेलेना ओस्टापैनको ने अलग-अलग जोड़ी बनाई है, मगर इनकी नई जोड़ी पहले दौर में ही पिट गई। टॉप सीड जोड़ी कैटरीना सिंजियाकोवा (चेक रिपब्लिक) - टेलर टाउनसेंड (अमेरिका) ने अच्छा प्रदर्शन किया। मगर फायनल में यह जोड़ी, तीसरी सीड जोड़ी गैबरीला डाब्रोव्यस्की (कनाडा) - एरिन राउटलिफ (न्यूजीलैंड) से हारी। जिनका यह 2023 के बाद दूसरा खिताब है।

व्हीलचेयर वर्ग : व्हीलचेयर वर्ग में इन दिनों जापान के तोकितो ओडा का जादू छाया है। 8 मई 2006 को ईची नोमिया, ऐंची जापान में जन्मे तोकितो एकल के साथ ही साथ युगल के भी जबरदस्त खिलाड़ी है। जून 2023 में जब इन्होंने फ्रेंच ओपन में व्हीलचेयर पुरुष एकल का खिताब एल्फि हेविट (ग्रेट ब्रिटेन) को 6-1, 6-4 से हराकर जीता था, तो उन्होंने 17 वर्ष 33 दिन में चैंपियन बनने का नया रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद तो वह अपने वर्ग में (12 जून 2023) टॉप सीडेड भी बन गए। अबकि दोहरी उपलब्धि हासिल करने के अलावा ओडा अब तक एकल मुकाबले में 7 खिताब (ऑस्ट्रेलियाई -2024, फ्रेंच ओपन 2023, 2024, 2025, विम्बलडन 2023, 2025 एवं अमेरिकी 2025) तथा युगल में एक खिताब (अमेरिकी 2025) जीत चुके हैं। वैसे इस वर्ष ओडा अपने वर्ग का ग्रैंड स्लैम पूरा कर सकते थे। मगर साल के पहले प्रतियोगिता ऑस्ट्रेलियाई में एल्फि हेविट से 6-4, 6-4 से हार गए। ओडा के अलावा एल्फि हेविट और गुस्ताव फर्नांडेज का भी इस वर्ग में धाक है।

महिला वर्ग में 24 अप्रैल 1994 को आकाशी हयोगी प्री फेक्चर जापान में जन्मी यूई कामीजि की भी धाक बनी रही। अब तक वह इस वर्ग में 13 एकल खिताब जीत चुकी है और इस वर्ष तो वह अपने वर्ग में ग्रैंड स्लैम भी पूरा करने में सफल रही। इसी तरह वह युगल मुकाबले में 22 खिताब जीत चुकी है तथा पहले

ही वर्ष यानी 2014 में इसका ग्रैंड स्लैम भी पूरा किया है (ब्रिटेन की जॉर्डन जायस विली के साथ चौथी जोड़ी)। चीन की 26 वर्षीय ली झाओ हुई, ने हाल की कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता है। मगर वह अन्य खिलाड़ियों को टक्कर देने में माहिर है। व्हीलचेयर के क्वॉड वर्ग में नीदरलैंड के 23 वर्षीय नील्स विंक 7 एकल व 12 युगल खिताब के साथ सबसे आगे हैं। इसी तरह ईसराईल के 45 वर्षीय (जन्म 18 अप्रैल 1980 को रमत जान) गाई सेसन भी एकल व युगल भी जबरदस्त खिलाड़ी है। जो इस वर्ष नील्स विंक के साथ जोड़ी बनाकर युगल ग्रैंड स्लैम पूरा करते-करते रह गए। (ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एंड्यू लैप्थोर्न हेविट (ग्रेट ब्रिटेन) सैम श्रोडर (नीदरलैंड) से 6-1, 6-4 से हारे।

जूनियर वर्ग : बुल्गेरिया के 17 वर्षीय इवान इनानोव तथा बेल्जियम की 18 वर्षीय जेलिन वैन्ड्रोम इन दिनों जूनियर वर्ग में अपनी छाप बनाए हुए हैं। इन्होंने अपने वर्ग के मुकाबलों में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

अमरीकी ओपन टेनिस 2025 के विजेता एवं उपविजेता

प्रतियोगी वर्ग	फायनल की तारीख	मैदान (कोर्ट)	विजेता एवं सीड	देश	उपविजेता एवं सीड	देश	मैच समय घंटा /मिनट	अंतिम स्कोर
	सामान्य वर्ग							
पुरुष एकल	07.09.25	ए	कार्लोस अल्काराज (2)	स्पेन	जैनिक सिनर (1)	ईटली	02/42	6-2, 3-6, 6-1, 6-4
महिला एकल	06.09.25	ए	आर्यना सबालेंका (1)	बेलारुस	अमांडा अनिसिमोवा (8)	अमरीका	01/34	6-3, 7-6, (7-3)
पुरुष युगल	06.09.25	ए	मार्सेल ग्रेनोलर्स (5)	स्पेन	जो सेलिसबरी (6)	ग्रेट ब्रिटेन	02/24	3-6, 7-6 (7-4), 7-5
			होरासियो जेबालोस (5)	अर्जेटांईना	नील स्कूप्सी (6)	ग्रेट ब्रिटेन	-	-
महिला युगल	05.09.25	ए	गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (3)	कनाडा	कैटरीना सिनियाकोवा (1)	चेक रिपब्लिक	01/29	6-4, 6-4
			एरिन राउटलिफ (3)	न्यूजीलैण्ड	टेलर टाउनसेंड (1)	अमरीका	-	-
मिश्रित युगल	20.08.25	ए	सारा ईरानी	ईटली	ईगा स्वातेक (3)	पोलैण्ड	01/32	6-3, 5-7 (10-6)
			एंड्रिया वावस्सोरी	ईटली	कैस्पर रुड (3)	नार्वे	-	-
	व्हीलचेयर वर्ग							
पुरुष एकल	06.09.25	कोर्ट 11	तेकितो ओडा (1)	जापान	गुस्तावो फर्नान्डेज (4)	अर्जेटाईना	02/12	6-2, 3-6, 7-6 (13-11)
महिला एकल	06.09.25	कोर्ट 10	यूई कामिजी (1)	जापान	ली झाओ हुई (3)	चीन	01/35	0-6, 6-1, 6-3
पुरुष युगल	05.09.25	कोर्ट 11	तेकितो ओडा	जापान	एल्फी हैविट (1)	ग्रेट ब्रिटेन	01/16	6-1, 2-6 (10-6)
			गुस्तावो फर्नान्डेज	अर्जेटाईना	गार्डन रीड (1)	ग्रेट ब्रिटेन	-	-
महिला युगल	05.09.25	कोर्ट 10	ली झाओ हुई (2)	चीन	ड्यूड डि ग्रुट	नीदरलैण्ड	01/42	6-4,7-6 (7-4)
			वैंग जिपिंग (2)	चीन	झू झेन झेन	चीन	-	-
	व्हीलचेयर क्वॉड वर्ग							
पुरुष एकल	06.09.25	कोर्ट 13	नील्स विंक (1)	नीदरलैण्ड	सैम श्रोडर (2)	नीदरलैण्ड	01/11	6-1, 7-5
पुरुष युगल	05.09.25	कोट्र 13	गाई सेसन (1)	ईसराईल	फैंरिसको क्यूलेफ	चिली	01/00	6-1, 6-1
			नील्स विंक (1)	नीदरलैण्ड	गोन्जालो इनरिक लेजार्ट	अर्जेटाईना	-	-
	जूनियर वर्ग							
बालक एकल	06.09.25	कोर्ट 12	इवान इवानोव (1)	बुल्गारिया	अलेक्जेंडर वासिलेव (5)	बुल्गारिया	01/14	7-5, 6-3
बालिका एकल	06.09.25	कोर्ट 07	जेलिन वैन्ड्रोम (14)	बेल्जियम	ली नील्सन	स्वीडन	01/31	7-6, (7-2), 6-2
बालक युगल	06.09.25	कोर्ट 14	कीटन हांस (6)	अमरीका	नोह जान्सटन (7)	अमरीका	01/02	6-3,1-6 (10-8)
			जैक कैनेडी (6)	अमरीका	बेंजामिन विलवर्थ (7)	अमरीका	-	-
बालिका युगल	06.09.25	कोर्ट 12	अलेना कोवाकोवा (3)	चेचिया	जेलिन वैन्ड्रोम (4)	बेल्जियम	0/56	6-2,6-2
			जाना कोवाकोवा (3)	चेचिया	लाईमा ब्लादसन (4)	लिथुनिया	-	-
	जूनियर व्हीलचेयर वर्ग							
बालक एकल	05.09.25	कोर्ट 14	मैक्सिमिलन टौचर (1)	आस्ट्रिया	अलेक्जेंडर लैटंरमैन (2)	बेल्जियम	00/59	6-2, 6-1
बालिका एकल	05.09.25	कोर्ट 14	सबीना चजौस	अमरीका	लुना ग्रिप (2)	बेल्जियम	01/21	7-5, 6-2
बालक युगल	05.09.25	कोर्ट 14	रुबेन हैरिस (1)	ग्रेट ब्रिटेन	लुईस कैलिक्स्टो	ब्राजील	01/07	6-3, 6-3
			मैक्सिमिलन टौचर (1)	ऑस्ट्रिया	थामस मैजेटिक	अमरीका	-	-
बालिका युगल	05.09.25	कोर्ट 14	सबीना चजौस	अमरीका	लुसी हील्ड	अमरीका	0/41	6-0, 6-1
			सिईरा मात्सुओका	जापान	ईला पोर्गेस	जर्मनी		

नोट : 1. ए = आर्थर ऐश स्टेडियम (यू.एस.टी.ए. बिली जीन किंग नेशनल टेनिस कोर्ट, न्यूयार्क सिटी)

2. पुरुष एकल एवं महिला एकल के विजेताओं को 5000000 अमरीकी डालर के साथ 2000 अंक भी मिले, जबकि इनके उपविजेताओं को 2500000 अमरीकी डॉलर के अलावा 1300 अंक भी मिले।
3. पुरुष युगल के विजेता को 1000000 अमरीकी डॉलर के अलावा 1200 अंक भी मिले।
4. महिला युगल के विजेता को 1000000 अमरीकी डॉलर के अलावा 1300 अंक भी मिले।
5. मिश्रित युगल के विजेता को 1000000 अमरीकी डॉलर मिले।

देश में ड्रग्स अभिशाप को अब न रोक पाए तो कब?

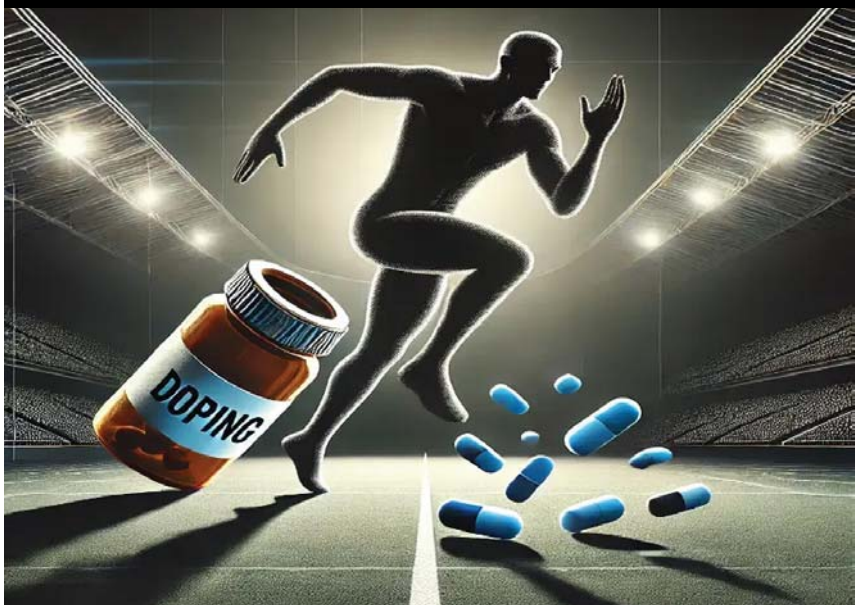

एक ऐसे समय में जबकि भारत के लिए ओलंपिक मेजबानी हासिल करने की अड़चनों में भारत में बढ़ते डोपिंग प्रकोप यानि कि खेलों में नशीले ड्रग्स के सेवन का भी जिक्र हो रहा है, भारत के टॉप एथलीट नीरज चोपड़ा ने इस मुद्दे को एक सनसनीखेज मोड़ दे दिया। नीरज चोपड़ा ने भारतीय एथलीटों को डोपिंग से दूर रहने की सलाह देते हुए साफ कहा कि भारत में एथलीटों के बीच डोपिंग एक बड़ी समस्या है। करियर पर नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों की ओर साफ इशारा कर दिया। नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। नीरज तो खेल जगत में नशीली दवाओं के सेवन से हो रही अपने देश की बदनामी पर भी चिंतित हैं।

रिकॉर्ड ये है कि हाल के सालों में भारतीय खेलों में डोपिंग में एकदम बढ़ोतरी हुई है। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की 2022 की एक रिपोर्ट में तो ये जिक्र भी है कि भारत में दुनिया में सबसे ज़्यादा नशीली दवा से धोखा देने वाले हैं। भारत में, जनवरी और दिसंबर 2022 के बीच टेस्ट के लिए जो 3865 नमूने लिए उनमें से 125 में पॉजिटिव संकेत थे यानि कि डोपिंग के दोषी थे। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत अकेला ऐसा देश है जहां से 100 से ज्यादा पॉजिटिव नतीजे मिले। इससे भी खराब ये लिखा जाना था कि नाबालिगों के डोपिंग में पॉजिटिव मामलों में भारत दूसरा सबसे खराब देश है। ये सभी आंकड़े सनसनीखेज होने के साथ-साथ चिंता करने वाले भी हैं पर देश में इस पर कोई चिंता नहीं दिखाई दी।

नीरज चोपड़ा ने ये सब बातें सीधे मीडिया में कह दीं। नीरज चोपड़ा ने खिलाड़ियों को करियर में कामयाबी के लिए मुश्किलों न घबराने की सलाह दी। इस बात पर भी जोर दिया कि डोपिंग के बारे में लोगों की मानसिकता और सोच बदलनी होगी। वे बोले, आजकल भारत में हमारे एथलीटों के बीच डोपिंग एक बड़ी समस्या है। एक बार डोपिंग किसी एथलीट के दिमाग में बैठ जाए, तो आगे चलकर करियर में ये मुश्किल बन जाती है और आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है। साफ इशारा था कि ऐसे एथलीट ऊंचे स्तर पर नहीं खेल पाते।

चंजिन्हें लगता है कि सिर्फ डोपिंग से ही वे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, ये सच नहीं है। उनकी कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और कोच के बताए सही रास्ते पर चलना ही उन्हें आगे ले जाएगा। अच्छा खाओ, आराम करो और कड़ी मेहनत करो। सब कुछ ठीक से करो। एक बार डोपिंग टेस्ट में पकड़े गए और 2-4 साल का प्रतिबंध लग गया तो क्या फायदा हुआ? ऐसा करने की क्या जरूरत है? नीरज चोपड़ा ने आगे कहा।

इसलिए अगर खिलाड़ियों को अच्छे स्तर पर खेलना है तो मानसिकता बदलने की जरूरत है। ऐसे में नीरज चोपड़ा ने देश में खेलों की बेहतरी के लिए सभी कोच से अपने एथलीटों को डोपिंग से रोकने के लिए कहा है। ये तो तय है कि इससे स्थिति सुधरती है, तो उनके खेल का स्तर बेहतर हो जाएगा। जो खेलों में अच्छा है, अच्छे स्तर तक पहुंचता तो डोपिंग की चपेट में आ जाता है। यह एक ऐसी बड़ी समस्या है जिस पर पूरे देश में सोच बदलने की जरूरत है।

इस बीच, नाडा की और रिपोर्ट भी सामने आई है और उसके अनुसार, अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच कुल 142 भारतीय एथलीट डोपिंग के लिए पकड़े गए। अब तो ये भी खुलासा हो चुका है कि जिन 27 क्रिकेटरों के टेस्ट हुए उनमें से 13 ने मेडिकल उपयोग के लिए छूट की इजाजत की मांग की है।

ये सब चर्चा देश की ओलंपिक मेजबानी हासिल करने की कोशिश के लिए झटका हैं। भारत 2036 ओलंपिक मेजबानी के लिए दावेदार है।अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने प्रदर्शन सुधारने वाली इन ड्रग्स का सेवन करने वाले भारतीय एथलीट की बढ़ती गिनती पर पहले ही चिंता जाहिर कर दी है और अब देश के सबसे मशहूर एथलीट ने ये सब कह, उनकी बात पर मोहर लगा दी।

भारतीय ओलंपिक संघ ने हाल ही में आईओसी द्वारा इस मामले में भारत के खराब रिकॉर्ड पर चिंता जताए जाने के बाद एक नया डोपिंग रोधी पैनल बनाया। एक नया राष्ट्रीय डोपिंग रोधी विधेयक सरकार ने पारित किया है जिसका उद्देश्य कड़ी निगरानी, बेहतर टेस्ट सुविधा और खेलों में ईमानदारी से हिस्सा लेने को बढ़ावा देना है। आईओसी के पूर्व मार्केटिंग निदेशक माइकल पायने तो कह ही चुके हैं कि आईओसी की चाह है कि किसी भी देश को खेलों की मेजबानी सौंपते समय, मेजबान देश का अपना एक मजबूत डोपिंग ढांचा और पॉलिसी हो।

आंकड़े लगातार खराब होते जा रहे हैं। वाडा ने 1000 से ज़्यादा नमूने जमा करने वाले देशों में भारत को सबसे ज़्यादा डोपिंग करने वालों में गिना है। भारत की राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी, नाडा, का कहना है कि ये गिनती 1.4 अरब की आबादी वाले देश में ज़्यादा आक्रामक जांच का सबूत हैं। 2023 में लिए 5606 नमूनों में से 213 पॉजिटिव आए।

विशेषज्ञों के अनुसार सबसे ज्यादा सिंथेटिक स्टेरॉयड स्टैनोजोलोल ड्रग का इस्तेमाल भारतीय एथलीट कर रहे हैं, इस पर प्रतिबंध के बावजूद जानकारों का कहना है कि गरीबी से बचने और गरीबी से उबरने की चाहत में कुछ भारतीय एथलीट डोपिंग का जोखिम उठाने को तैयार हैं। खेलों में कामयाबी सरकारी नौकरियों

का टिकट बन सकती है और ज्यादातर पुलिस या सेना में जाते हैं। उनके खेल करियर के खत्म होने के बाद यही नौकरी आगे के लिए सहारा बनती है। एथलीट ये जानते हुए भी कि उन्हें सजा मिल सकती है, अपना करियर दांव पर लगा देते हैं। बच गए और पदक जीत लिया तो सरकारी नौकरी पाने में मदद मिलेगी।

किस खेल में सबसे ज्यादा गड़बड़ है? इसका जवाब है एथलेटिक्स सबसे आगे और उसके बाद कुश्ती। हाल ही में कुश्ती में 19 एथलीट पर प्रतिबंध लगाया गया। जुलाई में अंडर-23 कुश्ती चैंपियन और पेरिस ओलंपिक क्वार्टर फाइनलिस्ट रीतिका हुड्डा का परीक्षण पॉजिटिव आया और उन्हें अस्थायी तौर पर सस्पेंड कर दिया है। कुछ एथलीट समझ और जानकारी की कमी के शिकार होते हैं, सप्लीमेंट या ड्रग्स के तौर पर प्रतिबंधित ड्रग ले लेते हैं, लेकिन ज्यादातर जानबूझकर जोखिम उठाते हैं।

सबसे बड़ी गड़बड़ ये कि कभी-कभी उनके कोच भी डोपिंग के लिए प्रोत्साहित करते हैं।जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनचाहा प्रदर्शन हासिल नहीं कर पाते तो शॉर्टकट के लिए प्रतिबंधित दवाओं का इस्तेमाल करते हैं।

भारत को अब बहुत कुछ साबित करना है। डोपिंग विरोधी अपनी विश्वसनीयता साबित करने की चुनौती है, क्योंकि 2036 ओलंपिक खेलों के लिए इंडोनेशिया, तुर्की, चिली और कतर जैसे देशों से मुकाबला है।ओलंपिक मेजबानी के सपनों को पूरा करने और ड्रग्स के अभिशाप को जड़ से खत्म करने की जरूरत के बीच, भारत ऐसी मुश्किल स्थिति में है जहां खेल और राष्ट्रीय दोनों स्तर पर विश्वसनीयता दांव पर लगी है।

विश्व पैरा एथलेटिक्स: भारत ने 22 पदक जीत अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की पदक तालिका में मेजबान भारत भले ही 10वें नंबर पर रहा, लेकिन उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने 22 मेडल झटके। भारत के 6 एथलीटों ने स्वर्ण, 9 ने रजत और 7 ने कांस्य पदक झटका। भारत के 30 से ज्यादा एथलीटों ने अपना पर्सनल बेस्ट (सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन) परफॉर्मेंस दिया। 9 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे। 7 खिलाड़ियों ने एशिया का रिकॉर्ड अपने नाम किया। 3 एथलीटों ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 5 अक्टूबर 2025 को संपन्न हुआ। मेजबान भारत कुल 22 पदकों के साथ पदक तालिका में दसवें स्थान पर रहा। आखिरी दिन चार पदक जीतने के बावजूद तालिका में स्थान के लिहाज से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं रहा। भारत का तालिका के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले संस्करण में कोबे में रहा था। वह कुल 17 पदकों के साथ छठे स्थान पर रहा था।

आखिरी दिन इन देशों से पिछड़ा भारत : आखिरी दिन से पहले कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड, इटली, स्विट्जरलैंड और थाईलैंड के साथ भारत संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर था, जिनके पास छह-छह स्वर्ण पदक थे। हालांकि, शीर्ष पांच में जगह बनाने की होड़ में ईरान ने तीन स्वर्ण पदक जीते और तीसरे स्थान पर रहा। नीदरलैंड और पोलैंड ने क्रमशः दो और तीन स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष पांच में जगह बनाई, जबकि कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन और इटली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दसवें स्थान पर धकेल दिया।

तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड : भारत ने इस चैंपियनशिप में तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाए। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने एफ64 वर्ग में 71.37 मीटर भाला फेंककर चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता शैलेश कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी42 स्पर्धा में 1.91 मीटर की छलांग लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। पहली बार विश्व चैंपियन बने रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला एफ46 स्पर्धा में 66.37 मीटर की दूरी तय करके चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। भारतीय पैरा एथलीटों ने इस आयोजन में 30 व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किए।

ट्रैक में सबसे ज्यादा पदक : यह विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत द्वारा जीते गए सर्वाधिक ट्रैक पदक हैं। भारत ने नई दिल्ली में छह ट्रैक पदक जीते, जबकि कोबे में पिछले संस्करण में चार पदक जीते थे। सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर टी12 श्रेणी में 100 मीटर में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत पदक झटका। प्रीति पाल ने 100 मीटर और 200 मीटर टी35 श्रेणियों में 100 मीटर में कांस्य और 100 मीटर में रजत झटका। संदीप कुमार पुरुषों की 200 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ विश्व चैंपियनशिप में ट्रैक पदक जीतने वाले पहले पुरुष भारतीय पैरा एथलीट बने। **-एनएसटी डेस्क**

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के लिए पदक विजेता

स्वर्ण
- सिमरन शर्मा - महिला 100 मीटर टी12।
- शैलेश कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी63।
- रिंकू हुड्डा - पुरुष भाला फेंक एफ46।
- सुमित अंतिल - पुरुष भाला फेंक एफ64।
- संदीप सर्गर - पुरुष भाला फेंक एफ44।
- निषाद कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी47।

रजत पदक
- सिमरन शर्मा- महिला 200 मीटर टी12।
- प्रीति पाल- महिला 200 मीटर टी35।
- एकता भयान- महिला क्लब थ्रो एफ51।
- दीप्ति जीवनजी- महिला 400 मीटर टी20।
- नवदीप सिंह- पुरुष भाला फेंक एफ41।
- धरमबीर नैन- पुरुष क्लब थ्रो एफ51।
- संदीप- पुरुष भाला फेंक एफ44।
- योगेश कथुनिया- पुरुष डिस्कस थ्रो एफ56।
- सुंदर सिंह गुर्जर- पुरुष भाला फेंक एफ46।

कांस्य पदक
- संदीप - पुरुष 200 मीटर टी44
- सोमन राणा - पुरुष गोला फेंक एफ57
- प्रवीण कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी64
- प्रीति पाल - महिला 200 मीटर टी35
- प्रदीप कुमार - पुरुष चक्का फेंक एफ44
- अतुल कौशिक- पुरुष चक्का फेंक एफ57
- वरुण सिंह भाटी - पुरुष ऊंची कूद टी63

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा हुई संपन्न

ओलंपिक में भाग लेने वाले राज्य के खिलाड़ियों को मिलेगी 21 लाख रु. की प्रोत्साहन राशि : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा पिछले दिनों 26 सितम्बर 2025 को न्यू सर्किट हाउस रायपुर में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता विष्णु देव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में केदार कश्यप मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन, हिमांशु द्विवेदी उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन, गजराज पगारिया उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सहित उपस्थित गणमान्य अतिथियों का पदाधिकारियों के द्वारा स्वागत किया गया। इसके पश्चात डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया महासचिव छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के द्वारा अध्यक्ष की अनुमति से एजेंडा अनुसार बैठक प्रारंभ की गई।

बैठक में खेलों को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ओलंपिक में भाग लेने वाले राज्य के खिलाड़ियों को 21 लख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही केंद्र में खेल संघ की मदद के लिए उद्योगों से मिलने वाले आर्थिक सहायता के लिए जो मॉडल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोग से बना हुआ है, उसे राज्य में भी लागू करने का आश्वासन दिया। उत्कृष्ट खिलाड़ी की घोषणा जल्द करने की बात करते हुए उन्होंने कहा ये सूची जारी होने से खिलाड़ियों को नोकरी का मौका राज्य में ही मिल पाएगा। आगे भी खिलाड़ियों और खेल के लिए बेहतर से बेहतर प्रयास प्रशासन द्वारा किए जाएँगे।

बस्तर ओलंपिक 2025 की तैयारियां जोरों पर

रायपुर। बस्तर ओलंपिक 2025 की तैयारी के लिए संचालक खेल एवं युवा कल्याण तनुजा सलाम ने ली जिला खेल अधिकारियों की बैठक। बस्तर ओलंपिक के द्वितीय संस्करण के लिए तेजी से सभी तैयारियां पूर्ण करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारियों की बैठक जगदलपुर सर्किट हाउस जिला बस्तर में पिछले दिनों संपन्न हुई। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ (खेल एवं युवा कल्याण विभाग) अरुण साहू के निर्देश पर संचालक खेल युवा कल्याण ने बस्तर मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर ओलंपिक 2025 के लिए जिला खेल अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में संयुक्त सचिव खेल विभाग सुखनाथ अहिरवार एवं संचालक खेल युवा कल्याण श्रीमती तनुजा सलाम ने बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारियों को पंजीयन प्रक्रिया हेतु व्यापक प्रचार प्रसार तथा गांव-गांव में शासन के अन्य विभागों से समन्वय कर आयोजन में अधिकाधिक पंजीयन करने और सहज सुलभ व्यवस्थाओं की पूर्ति कड़ाई से करने हेतु निर्देश दिए गए। बस्तर ओलंपिक 2025 में व्यापक प्रचार प्रसार और सभी गांव के सभी युवा और बच्चे की थीम के तर्ज पर भागीदारी करने के उद्देश्य से पंजीयन अभियान चालू करने के निर्देश दिए गए।

रायपुर में नमो युवा रन का भव्य आयोजन

रायपुर। रायपुर एवं बिलासपुर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा नमो युवा रन का आयोजन किया गया। नशा मुक्त भारत का सशक्त संदेश देते हुए एक साथ हजारों युवाओं ने दौड़ लगाया। रायपुर के तेलीबांधा तालाब से नेताजी सुभाष स्टेडियम तक लगभग लगभग 7 हजार युवा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। रायपुर में उपमुख्यमंत्री अरुण साव तथा बिलासपुर में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और नशामुक्त भारत की परिकल्पना को साकार करने का आह्वान किया। रायपुर के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी सुश्री किरण पिसदा और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मीणाल चौबे की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और बढ़ाई। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, मंत्री खुशवंत साहेब, विधायक अनुज शर्मा, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरंदर मिश्रा, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष जिला पंचायत नवीन अग्रवाल, खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक तनुजा सलाम जनप्रतिनिधि आदि भी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ रणजी क्रिकेट टीम इस सीजन में नई ऊर्जा, नए इरादे के साथ उतरेगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ ने आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन (2025-26) के लिए 17 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। इस बार भी टीम की कमान भरोसेमंद बल्लेबाज अमंदीप खरे के हाथों में सौंपी गई है। चयनकर्ताओं ने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित संयोजन तैयार किया है, जिससे टीम के प्रदर्शन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। अमनदीप की अगुआई में छत्तीसगढ़ रणजी ट्रॉफी में 15 अक्टूबर से उतरेगी राजस्थान के विरुद्ध मैदान में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आगामी रणजी ट्रॉफी 2025 के प्रथम दो मैचों हेतु खिलाड़ियों का चयन कर सूची जारी कर दी गई है। उक्त टीम 15 से 18 अक्टुबर को राजस्थान के विरुद्ध तथा 25 से 28 अक्टुबर को मुबई के विरुद्ध बीसीसीआई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लेगी।

बल्लेबाजी पर उम्मीदें : पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले संजीत देसाई और आयुष पांडेय इस बार भी छत्तीसगढ़ की बल्लेबाजी की रीढ़ होंगे। कप्तान अमंदीप खरे मध्यक्रम में स्थिरता लाने की भूमिका निभाएँगे, जबकि शशांक सिंह और अजय मंडल तेजी से रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव डाल सकते हैं।

गेंदबाजी विभाग : गेंदबाजी में हर्ष यादव और रवि किरण तेज गेंदबाजी का मोर्चा संभालेंगे। वहीं स्पिन विभाग में आदित्य सर्वटे और देव सिंह से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। घरेलू पिचों पर ये दोनों गेंदबाज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं।

ऑलराउंडरों का योगदान : छत्तीसगढ़ के पास इस बार ऑलराउंडरों की अच्छी फौज मौजूद है। शशांक सिंह, अजय मंडल, शुभम अग्रवाल और वासुदेव बरेठ जैसे खिलाड़ी बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देकर टीम को संतुलन प्रदान करेंगे।

टीम की ताकत और चुनौतियाँ : छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण टीम को लचीलापन देगा। हालांकि, पिछले सीजन की तरह अगर तेज गेंदबाजी में निरंतरता नहीं रही तो टीम को मुश्किलें उठानी पड़ सकती हैं। कप्तान अमंदीप खरे की कप्तानी और निर्णायक क्षणों में लिए गए फैसले भी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाएँगे।

नॉकआउट की राह : पिछले सीजन में लगातार ड्रॉ और हार के कारण टीम नॉकआउट तक नहीं पहुँच पाई थी। इस बार चयनकर्ताओं और खिलाड़ियों दोनों को भरोसा है कि छत्तीसगढ़ अपनी बल्लेबाजी और संतुलित टीम संयोजन के दम पर कम से कम क्वार्टर फाइनल तक पहुँचने में सफल होगा।

छत्तीसगढ़ टीम इस प्रकार है

अमनदीप खरे (कप्तान), आयुष पांडे, आदित्य सरवटे, अजय मंडल, अनुज तिवारी, अराफात खान, आशीष चौहान, आशुतोष सिंह, प्रतीक यादव, एम रवि किरण, साहबान खान, संजीत देसाई, शशांक चंद्राकर (विकेट कीपर), शशांक सिंह, शुभम अग्रवाल, सौरभ मजूमदार, वसुदेव बरेथ।

बीसीसीआई के संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया का रायपुर आगमन पर हुआ जोरदार स्वागत

रायपुर। बीसीसीआई के संयुक्त सचिव पद पर नियुक्ति के उपरांत प्रभतेज सिंह भाटिया पिछले दिनों रायपुर पहुंचे। जहां छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन और खिलाड़ियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष रह चुके श्री भाटिया इस दौरान वे मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने पत्रकारवार्ता में छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। भाटिया ने कहा कि आगामी समय में छत्तीसगढ़ में क्रिकेट हेतु पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीसीसीआई लगातार देश में क्रिकेट को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों के सर्वांगीण उत्थान के लिए कार्यरत है और भारत को क्रिकेट जगत में अग्रणी बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाती रहेगी। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए भाटिया ने आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ क्रिकेट निरंतर प्रगति करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में अधिक से अधिक जूनियर एवं सीनियर स्तर के बोर्ड मैच आयोजित करने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी और इसके लिए अतिरिक्त मैदानों के निर्माण पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा क्रिकेट अकादमी हेतु भूमि उपलब्ध कराने के लिए आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन की नई कार्यकारणी

अध्यक्ष - वी. मोहनदास, **उपाध्यक्ष-** गुरचरण सिंह मखीजा, **सचिव-** वेंतेश अग्रवाल, **संयुक्त सचिवः** अजय तिवारी, **कोषाध्यक्ष-** सुमित कुमार गुप्ता, **एपेक्स काउंसिल सदस्य-** अखिल कुमार धगत, योगेश विठलानी, मंजीत सिंह सीराय, अनुराग शर्मा, **एपेक्स काउंसिल सदस्य** (पूर्ण जिला सदस्य प्रतिनिधि)- अनूप चड्ढा, **गवर्निंग काउंसिल-** ए.वी. भास्कर राव -गवर्निंग काउंसिल (अध्यक्ष), श्री विवेक छीभा -गवर्निंग काउंसिल सदस्य।

विश्व सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में सफल भारतीय खिलाड़ी।

विश्व सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में भारत को 2 रजत और 5 कांस्य पदक

12वीं विश्व बैडमिंटन स्पर्धा में भारत को सात्विक साईंराज रैकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरुष युगल में कांस्य पदक दिलाया। अनुभवी खिलाड़ियों के जवां दिल ने भी अपने स्मैशों से विश्व सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा पटाया। थाईलैंड में भारत के लिए 2 रजत और 5 कांस्य पदक पटाएं। जेसी फिलिप +70 महिला एकल में एवं बी वी एस लिंगेश्वर राव और सुझाने वेंग्लेट की जोड़ी +55 मिश्रित युगल में फाइनल खेलते हुए उपविजेता रही। पूनम तत्ववादी ने+55 महिला एकल, लीना धर्पे ने+40 महिला एकल, अभिन्न श्याम गुप्ता ने+45 पुरुष एकल और फिलिप बेंसी ने +70 पुरुष एकल में कांस्य पदक हासिल किया। अभिनंद के शेट्टी और संगीता मारि +40 मिश्रित युगल में कांसे का तमगा लाए। इस बार +80 आयु वर्ग की भी शुरुआत विश्व सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में हो गई है।

भारतीय टीम प्रबंधक गोवा के प्रवीण शेनोय ने बताया कि पटाया थाईलैंड में 7 से 14 सितम्बर तक हुई इस स्पर्धा में भारत को 2 रजत पदक और 5 कांस्य पदक प्राप्त हुए। भारत के खिलाड़ी 22वर्गों में क्वार्टर फाइनल तक खेले हैं याने पदक से एक जीत दूर रह गए। विश्व बैडमिंटन स्पर्धा में भारत को सात्विक साईंराज रैकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरुष युगल में कांस्य पदक दिलाया। अनुभवी खिलाड़ियों के जवां दिल ने भी अपने स्मैशों से विश्व सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा पटाया। थाईलैंड में भारत के लिए 2 रजत और 5 कांस्य पदक पटाएं ,जेसी फिलिप +70 महिला एकल में एवं बी वी एस लिंगेश्वर राव और सुझाने वेंग्लेट की जोड़ी +55 मिश्रित युगल में फाइनल खेलते हुए उपविजेता रही। पूनम तत्ववादी ने+55 महिला एकल, लीना धर्पे ने+40 महिला एकल, अभिन्न श्याम गुप्ता ने+45 पुरुष एकल और फिलिप बेंसी ने +70 पुरुष एकल में कांस्य पदक हासिल किया। अभिनंद के शेट्टी और संगीता मारि +40 मिश्रित युगल में कांसे का तमगा लाए। इस बार +80 आयु वर्ग की भी शुरुआत विश्व सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में हो गई है।

भारतीय टीम प्रबंधक गोवा के प्रवीण शेनोय ने बताया कि पटाया थाईलैंड में 7 से 14 सितम्बर तक हुई इस स्पर्धा में भारत को 2 रजत पदक और 5 कांस्य पदक प्राप्त हुए। भारत के खिलाड़ी 22 वर्गों में क्वार्टर फाइनल तक खेले हैं याने पदक से एक जीत दूर रह गए। दूसरे क्रम की भारत की जेसी फिलिप ने +70 महिला एकल के सेमीफाइनल में कनाडा की मार्सिआ जेकसोन को 34 मिनट में 21-16, 19-21, 21-13 से हराया। जेसी फाइनल में पहले क्रम की स्काटलैंड की क्रिस्टीने ब्लेक से 17-21, 7-21 से पराजित हुई। जेसी ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन सुसी वी जान को 21-17,21-18 से हराया,

धर्मेश यशलाहा
बैडमिंटन समीक्षक

+55 मिश्रित युगल सेमीफाइनल में लिंगेश्वर राव और सुझाने वेंग्लेट ने ताईपेई की सु जुंग लि और ह्सियु येन कुओ को 22-20,21-17 से हराया। भारतीय जोड़ी फाइनल में डेनमार्क के बो सोरेन्सेन और लेने स्ट्रुवे एंडेर्सेन से पहला गेम जीतने के बाद,36 मिनट में 21-18, 12-21,12-21 से पराजित हुई। लिंगेश्वर राव और सुझाने ने क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के त्जान्दराई सोएदार्नो और त्जेन्द्रवाति को36 मिनट में 20-22,21-15,21-10 से हराया।

भोपाल की पूनम तत्ववादी ने +55 महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में आस्ट्रिया की सबिने अबेरेर को 21-13,21-16 से हराया। पूनम सेमीफाइनल में जर्मनी की तन्जा एबेर्ल से 17-21, 13-21 से पराजित हुई। तन्जा फाइनल में इंग्लैंड की कारोलिने हारे से 19-21,16-21 से हारी। पूनम ने फिलीपींस की जोय्से पित्तनान को 21-16,21-15 से हराया। पूनम और छत्तीसगढ़ की संगीता राजगोपालन +55 महिला युगल के प्रि क्वार्टर फाइनल में जापान की रेइको नाकामुरा और इकुको ओहिरा से 11-21,12-21 से पराजित हुई।

भोपाल मप्र की पूनम तत्ववादी ने बताया कि उन्होंने विश्व सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में तीसरी बार पदक जीता हैं। वे 2004 मलेशियाऔर 2007 ताईपेई में +35 महिला एकल में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। वे चौथी बार इस स्पर्धा में खेली हैं। 2017 कोचि, भारत में+45 महिला युगल में खेली थी। वे 13 बार भारतीय राष्ट्रीय मास्टर्स स्पर्धाओं में विजेता रही हैं। पूनम के पति विवेक तत्ववादी मेरे साथी खिलाड़ी हैं। मैं और विवेक अखिल भारतीय सेंट्रल इंडिया रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा, जबलपुर में 19 वर्ष बालक एकल के क्वार्टर फाइनल में खेले थे। छत्तीसगढ़ की संगीता राजगोपालन (मिश्रा) और महिला प्रबंधक कविता दीक्षित (आसना) हमारे साथी खिलाड़ी हैं। गोवा की लीना धर्पे (पेडनेकर) +50 महिला एकल के सेमीफाइनल में श्रीलंका की रेनु चंद्रिका डे सिल्वा रचचिगे से 17-21, 16-21 से पराजित हुई। पूर्व राष्ट्रीय विजेता अभिन्न श्याम गुप्ता +45 पुरुष एकल के सेमीफाइनल में डेनमार्क के कास्पेर लुंड से 39 मिनट में 16-21, 19-21 से पराजित हुए। कास्पेर ने ही फाइनल में जापान के हसेमारो फुजिमोतो को 56 मिनट में 25-23, 15-21, 21-19 से हराकर खिताब जीता। इलाहाबादी अभिन्न श्याम ने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड के ओलिवर कोलिन को 54 मिनट में 16-21, 21-13, 21-18 से हराया। अभिन्न श्याम गुप्ता ने बताया कि वे दूसरी बार विश्व सीनियर स्पर्धा में खेले। 2021 स्पेन में +40 पुरुष एकल में क्वार्टर फाइनल तक खेले थे।

कांस्य पदक विजेता पूनम तत्ववादी।

CARGO ENTERPRISES

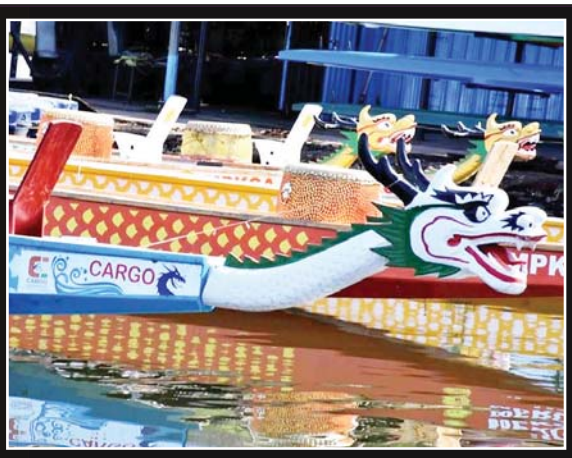

Deals in: All Water Sports Equipment, Manufactures, Repairing & Supplier

CARGO ENTERPRISES

Kayak (K-1) "M" Class
Length - 520 cm
Weight - 12.5 kg

Specification :- K-1 Fibred Reinforced plastic hand molded Boat consist up Linear alignment on hull with accessories comprises of 01 Seat, 01 Foot Press, a rudder with Stay cable with adjustment of bottle screw to set up the alignment of a rudder.

CARGO ENTERPRISES

Canoe (C-1) "M" Class
Length - 520 cm
Weight - 14.5 kg

Specification :- C-1 Fibred Reinforced plastic hand molded Boat consist up Linear alignment on hull with accessories comprises of 01 Foot rest with alluminium channel with anti friction foot plate grip.

CARGO ENTERPRISES

Canoe (C-2) "M" Class
Length - 650 cm
Weight - 21.5 kg

Specification :- C-2 Fibred Reinforced plastic hand molded Boat consist up dome alignment on hull with accessories comprises 02 Foot Rest with 01 alluminium channel with anti friction foot plate grip.

Kayak (K-2) "M" Class
Length - 650 cm
Weight - 18.5 kg

Specification :- K-2 Fibred Reinforced plastic hand molded Boat consist up dome alignment on hull with accessories comprises of 02 Foot press, 02 Seats, a rudder with Stay cable with adjustment of bottle screw to set up the alignment of a rudder

CARGO ENTERPRISES

Kayak (K-4) Standard
Length - 1100 cm
Weight - 32 kg

Specification :- K-4 Fibred Reinforced plastic hand molded Boat consist up dome alignment on hull with accessories comprises of 04 Foot press, 04 Seats, a rudder with Stay cable with adjustment of bottle screw to set up the alignment of a rudder.

Canoe (C-4) Standard
Length - 900 cm
Weight - 32 kg

Specification :- C-4 Fibred Reinforced plastic hand molded Boat consist up dome alignment on hull with accessories comprises of 04 Foot Rest with 01 alluminium channel with anti friction foot plate grip.

CARGO ENTERPRISES

Address: Gram-gori, Near Campian School, Sehore Road, Bhopal
Contact No. : 9893193074,9111237808, **Email:** cargoenterproses1794@gmail.com

अरेरा क्रिकेट अकादमी

खेलों के प्रति समर्पित स्वैच्छिक संगठन

सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण हमारी मुख्य पहचान

अरेरा अकादमी की सौम्या तिवारी ने टी20 गर्ल्स विश्व कप क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट टीम को चैंपियन बनाने में अपना विशेष योगदान दिया।

अकादमी में खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाएं

- टर्फ एवं सीमेंटेट विकेट
- फ्लड लाइट में प्रेक्टिस
- विशेष फिटनेस प्रशिक्षण
- समर्पित, अनुभवी एवं सीनियर कोच
- गर्ल्स क्रिकेटरों को विशेष प्रशिक्षण

भोपाल की प्रतिष्ठित क्रिकेट अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। अकादमी में पूर्व अनुभवी खिलाड़ियों की समर्पित टीम द्वारा कोचिंग एवं प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रतीक शुक्ला

अर्जुन शुक्ला

ड्रोन श्रीवास्तव

अश्विन दास
रणजी ट्रॉफी क्रिकेटर

पलक वशिष्ठ

अंशुलिका सिंह

शानवी मंडलोई

श्रेया दीक्षित

मुख्य संरक्षक : श्री ध्रुवनारायण सिंह (पूर्व विधायक एवं अध्यक्ष, बीडीसीए)

अरेरा क्रिकेट अकादमी, मंदिर के पास, ओल्ड केम्पियन खेल मैदान, भोपाल

सुरेश चैनानी, कोच
9425365797

हेमन्त कपूर, सचिव
9425661029

HONDA
इस त्यौहार, खुशियाँ मनाइए
Om Auto Honda
SCRATCH & WIN
OFFER
₹5000/-*
तक का
5% कैशबैक
@7.99%*
की कम ब्याज दर
₹1999/-*
की कम EMI
हर बुकिंग पर पाईए शानदार और
निश्चित उपहार!
Terms & Condition Apply*
Om Auto Honda
PRABHAT SQUARE, RAISEN ROAD, BHOPAL M.: 9826331339
BHANPUR 9893222264 | AYODHYA BYPAAS 9302301944 | AWADHPURI 9669212361

पूर्व क्रिकेटर अमय खुरासिया को बीसीसीआई ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

इंदौर/भोपाल। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंदौर के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अमय खुरासिया को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। बीसीसीआई ने अमय खुरासिया को शेष भारत टीम का कोच नियुक्त किया है। राष्ट्रीय स्तर पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पाने वाले खुरासिया मध्य प्रदेश के पहले प्रशिक्षक हैं। हाल ही संपन्न हुए विदर्भ और शेष भारत के बीच मैच में उनकी टीम को विदर्भ के हाथों हार का सामना करना पड़ा। विदर्भ ने यह मुकाबला 93 रनों से जीता।

अमय खुरासिया ने 30 मार्च 1999 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया था, जबकि उन्होंने भारत के लिए आखिरी वनडे श्रीलंका के खिलाफ 2001 में खेला। खुरासिया के करियर की बात करें तो उन्होंने 12 वनडे मैच में 149 रन बनाए जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 57 रन है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खुरासिया ने 119 मैच खेले और 40.80 की औसत से 7304 रन बनाए जिसमें 31 अर्धशतक और 21 शतक शामिल हैं। प्रथम श्रेणी में खुरासिया का सर्वोच्च स्कोर 238 रन है। लिस्ट ए क्रिकेट में उन्होंने 112 मैचों में 38.06 के औसत से 3768 रन बनाए जिसमें 26 अर्धशतक और चार शतक शामिल हैं। लिस्ट ए में उनका सर्वोच्च स्कोर 157 रन है। अमय खुरासिया ने 17 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से पहले खुरासिया ने यूपीएससी परीक्षा क्रैक कर ली थी। उन्होंने टीम इंडिया के लिए डेब्यू, लेकिन इस मैच के बाद उन्हें क्रिकेट करियर में कोई खास सफलता नहीं मिली।

अकादमी की दिव्या पवार ने रजत पदक जीतकर एशियाई खेलों के कैंप में बनाई जगह

भोपाल। चेन्नई में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित बॉक्सिंग फेडरेशन कप 2025 में भारतीय मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल पांच पदक अपने नाम किए। यह प्रतियोगिता तमिलनाडु बॉक्सिंग एसोसिएशन और वीआईटी यूनिवर्सिटी, चेन्नई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। महिलाओं और

पुरुषों दोनों वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन दिखाया और देश का मान बढ़ाया।महिला वर्ग के 54 किलोग्राम भार वर्ग में दिव्या पवार ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए रजत पदक जीता। उनके प्रदर्शन के दम पर उन्हें एशियाई खेलों के ट्रेनिंग कैंप, एनआईएस पटियाला में चुना गया है। दिव्या पवार मप्र राज्य मुक्केबाजी अकादमी में कोच रोशन लाल से प्रशिक्षणरत हैं।

इसके अलावा अंजली सिंह (57kg), माही लामा (60kg), सौरव यादव (85kg) और पारस (90kg) ने अपने-अपने वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। इन मुक्केबाजों के प्रदर्शन ने भारतीय बॉक्सिंग की मजबूती को एक बार फिर साबित किया है। दिव्या पवार की मेहनत और तकनीक ने उन्हें देश की शीर्ष खिलाड़ियों में शुमार कर दिया है, वहीं अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भी कोचिंग स्टाफ और चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। टूर्नामेंट में देशभर के दर्जनों बॉक्सर शामिल हुए थे, जिनमें से मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

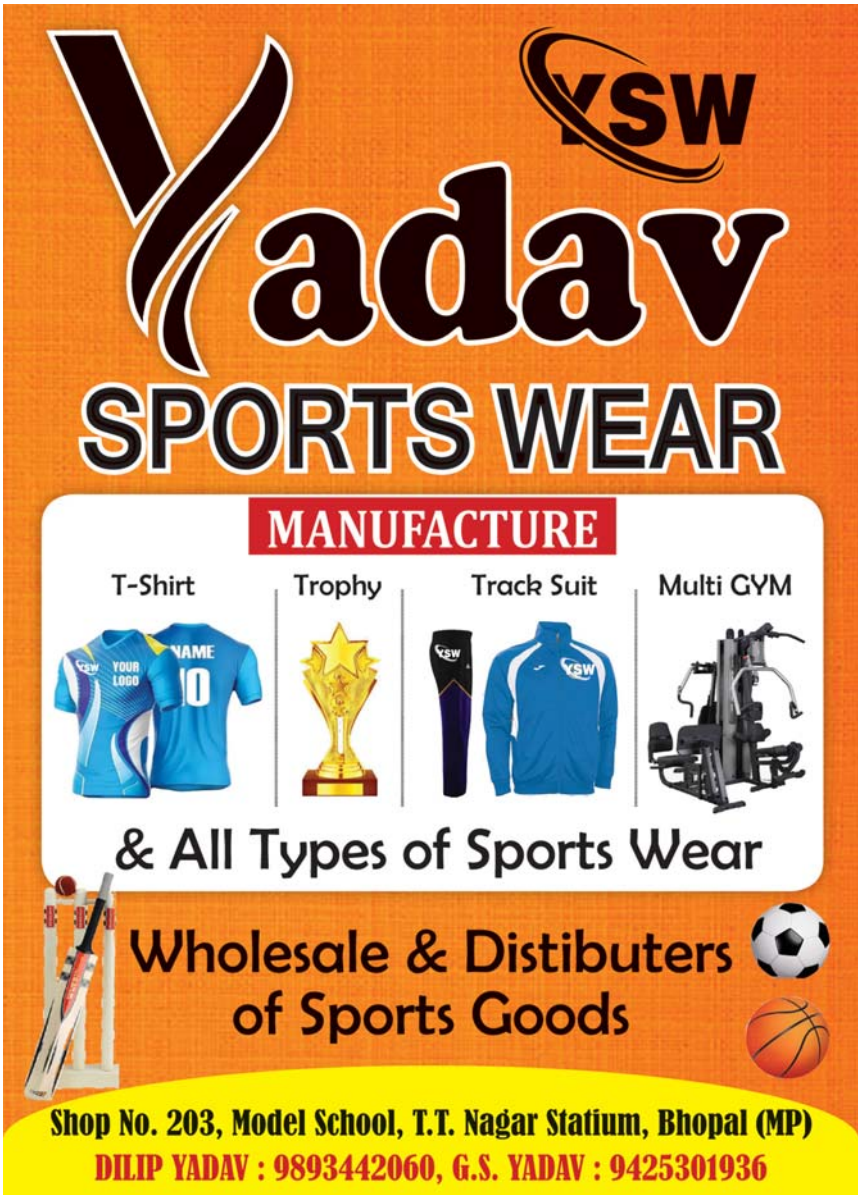

ग्वालियर के अधिराज ठाकुर ने आइटीएफ विश्व टेनिस टूर में दोहरा खिताब जीता

ग्वालियर। मध्य प्रदेश ग्वालियर के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अधिराज ठाकुर ने गुजरात के अहमदाबाद में पिछले दिनों खेली गई आइटीएफ विश्व टेनिस टूर 'जूनियर 30 अहमदाबाद' 2025 में दोहरा टाइटल (एकल और युगल) इतिहास रच दिया। अधिराज ऐसा करने वाले ग्वालियर चंबल संभाग समेत मध्य प्रदेश के संभवतः पहले खिलाड़ी बन गए हैं। अधिराज के दस साल के टेनिस करियर में ये सातवां अंतरराष्ट्रीय टाइटल है। अहमदाबाद के हार्ड कोर्ट पर आठ सितंबर से 13 तक आयोजित इस आइटीएफ विश्व टेनिस टूर में 17 वर्षीय अधिराज ठाकुर का प्रदर्शन जोरदार रहा। उन्हें इस टूर्नामेंट के एकल में सातवीं वरीतया मिली थी। युगल में उनके पार्टनर भारत के ही ओजस मेहलावत रहे और इस जोड़ी को दूसरी वरीयता मिली। सीधे हाथ से रैकेट थामने वाले अधिराज ने शक्तिशाली फोरहैंड, वैक हैंड एवं जोरदार सर्विस कर इस प्रतियोगिता में अपना वर्चस्व बनाए रखा। एकल के पहले राउंड में अधिराज का वाय मिला। दूसरे राउंड में दिगांथ एम. को 6-3, 6-1 से हराकर विजयी आगाज किया। तीसरे राउंड में उदय कौल को 6-4, 6-2 से पराजित किया। क्वार्टरफाइनल में ओम वर्मा को 6-3, 6-0 और सेमीफाइनल में प्रतियोगिता के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आदित्य मोर को 7-6(5), 6-3 से शिकस्त दी। इसके बाद फाइनल में प्रतियोगिता के प्रथम वरीयता प्राप्त खिलाड़ी देव विपुल पटेल को 6-2, 6-4 से हराकर खिताब जीता।

पार्टनर ओजस के साथ अधिराज ने जीता युगल खिताब : युगल में इस भारतीय खिलाड़ी अधिराज ने दिल्ली के ओजस मेहलावत के साथ मिलकर दूसरे राउंड में मन राय और अमृत वत्स को 6-4, 6-4 से हराया। सेमीफाइनल में प्रत्युष लोगनाथन-प्रणव महेश श्रीवनकुमार को 6-2, 7-6(6), 10-3 से शिकस्त दी। इसके बाद शनिवार को अहमदाबाद की तीस डिग्री सेल्सियस की गर्मी में खेले गए फाइनल में वीर मदम-देव नंदसाना को 6-2, 6-3 से हराकर फाइनल के साथ-साथ युगल टाइटल पर कब्जा जमाया। ओजस के साथ अधिराज का यह पांचवा युगल खिताब है।

खेल के लिए जिद, सोच, लगन जरूरी: कृपाशंकर

इंदौर। बेहतर खिलाड़ी बनना है तो खेल के लिए जिद, लगन, ध्यान, सोच, दृढ़ संकल्प बहुत जरुरी है। उक्त विचार अर्जुन पुरस्कार प्राप्त पूर्व अंतरराष्ट्रीय पहलवान और कुश्ती प्रशिक्षक कृपाशंकर पटेल ने सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 69वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा के पुरस्कार वितरण समारोह में व्यक्त किए। वैभव लाहोरिया स्पर्धा में दोहरी सफलता हासिल करते हुए अपराजित रहे। अक्षत सिन्हा और अशांक मिश्रा तीन वर्गों के फाइनल खेले। अक्षत को भी दोहरी सफलता मिली।

नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हाल में हुई इस स्पर्धा का पुरस्कार

वितरण समारोह अर्जुन पुरस्कार प्राप्त पूर्व अंतरराष्ट्रीय पहलवान और कुश्ती प्रशिक्षक कृपाशंकर पटेल के मुख्य आतिथ्य में हुआ, क्षेत्रीय भाजपा पार्षद सुरेश टाकलकर, दीपेंद्र सिंह सोलंकी, कुश्ती प्रशिक्षक और पूर्व अंतरराष्ट्रीय पहलवान वीरेंद्र नीचित,विकास पांडे, धर्मेश यशलहा आदि मौजूद थे।

आध्या और जय ने भारत को दिलाया रजत

देवास। 9वीं एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश के खिलाड़ी आध्या तिवारी और जय मीणा ने मिक्स्ड डबल्स स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया।यह पहली बार है जब भारत ने इस प्रतियोगिता में मिक्स्ड डबल्स में पदक हासिल किया है। दोनों खिलाड़ी पहले भी विश्व कप 2024 में भारत को पदक दिला चुके हैं। इसके अलावा जय मीणा ने सिंगल्स मुकाबले में भी रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। भारतीय टीम को इस सफलता के लिए अहमदाबाद में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा एक माह का कड़ा प्रशिक्षण दिया गया था, साथ ही कोरिया में प्रतियोगिता से पहले 15 दिवसीय विशेष कैंप आयोजित किया गया। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन ने भारतीय सॉफ्ट टेनिस को नई पहचान दिलाई है। इस उपलब्धि पर स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, सॉफ्ट टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया, मध्यप्रदेश सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के सचिव सुरेश सांगते और कोच गौरव कदम ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

अद्वैत और पलक भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

इंदौर। मप्र के स्टार तैराक अद्वैत पागे और स्टार गोताखोर पलक शर्मा 11वीं एशियन स्वीमिंग चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह स्पर्धा 28 सितंबर से 11 अक्टूबर 2025 तक अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित की जाएगी। इसमें लगभग 30 एशियाई देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। स्पर्धा में स्वीमिंग, डाइविंग, वाटर पोलो और आर्टिस्टिक स्विमिंग के मुकाबले होंगे। मध्यप्रदेश स्वीमिंग एसोसिएशन के सचिव जय वर्मा ने बताया कि अद्वैत पागे और पलक शर्मा पिछले एक माह से भारतीय तैराकी टीम के अभ्यास शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री से मिले `मिनी ब्राजील' विचारपुर के खिलाड़ी और एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप के पदक विजेता

भोपाल। राजधानी में मुख्यमंत्री मोहन यादव से हाल ही में शहडोल जिले के ग्राम विचारपुर की 'मिनी ब्राजील' फुटबॉल टीम और कजाकिस्तान में आयोजित 16वीं एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप के पदक विजेताओं ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षण न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने खिलाड़ियों से संवाद कर उनके प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की और कहा कि ये युवा खेल प्रतिभाएँ प्रदेश की शक्ति और भविष्य की पहचान हैं।

शूटिंग चैम्पियनशिप विजेताओं का सम्मान : मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से भी भेंट की। प्रदेश के खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में कुल 17 पदक हासिल किए। मुख्यमंत्री ने सभी विजेताओं को 10.81 लाख रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया और कहा कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अब केवल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और विश्वास जताया कि उनकी उपलब्धियाँ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी।

विचारपुर के खिलाड़ी जर्मनी में सीख रहे हैं फुटबॉल की नई तकनीकें

भोपाल। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले का छोटा सा गाँव विचारपुर अब दुनिया के फुटबॉल नक्शे पर चमक रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में जब यहां की टीम को 'मिनी ब्राजील' कहा था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह खिलाड़ी एक दिन जर्मनी पहुंचेंगे। अब वही सपना सच हो गया है। जर्मनी के प्रसिद्ध फुटबॉल क्लब FC Ingolstadt 4 ने विचारपुर के पाँच खिलाड़ियों और एक महिला कोच को 4 से 12 अक्टूबर तक के प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। ये सभी खिलाड़ी जर्मनी पहुंच चुके हैं। जहां वे विश्वस्तरीय माहौल में खेल की बारीकियाँ सीख रहे हैं। चयनित खिलाड़ियों में सानिया कुशवाहा (14), सुजनी कोल (15), प्रीतम कुमार (14), वीरेंद्र बैगा (16) और मनीष घसिया (16) शामिल हैं। इनके साथ प्रशिक्षक लक्ष्मी साहसी (31 वर्ष) भी विदेश में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। इस उपलब्धि के पीछे खेल एवं युवा कल्याण विभाग की बड़ी भूमिका रही है, जिसने खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया से लेकर यात्रा और प्रशिक्षण की तैयारी तक हर स्तर पर सहयोग किया। चयनित खिलाड़ियों को खेल मंत्री विश्वास सारंग और खेल संचालक राकेश गुप्ता ने बधाई दी है।

एशियन जूडो में हिमांशी टोकस ने जीता स्वर्ण

भोपाल। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित एशियन जूनियर जूडो चैंपियनशिप 2025 में भारत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का मान बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में SAI NCOE भोपाल की जूडोका हिमांशी टोकस ने 63 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बेहतरीन प्रदर्शन के दम

पर उन्होंने न केवल एशिया में शीर्ष स्थान हासिल किया बल्कि अपने वर्ग में विश्व नंबर-1 बनने का गौरव भी पाया। यह उपलब्धि भारतीय जूडो के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुई, जिसने देशभर के खेल प्रेमियों को गर्व से भर दिया। इस शानदार सफलता पर SAI CRC भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

अकादमी के मुक्केबाज ने पुलिस गेम्स में चमके

भोपाल। 74वीं आल इंडिया पुलिस गेम्स 2025 में अकादमी के मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए। हरियाणा के मधुबन में 20 से 24 सितंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर की पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के खिलाड़ी उतरे थे। महिला वर्ग में अकादमी की दिव्या पवार ने 54 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने फाइनल में यूपी पुलिस की खिलाड़ी को 5-0 के अंतर से हराया। इसी तरह, 51 किलो भार वर्ग में अकादमी की दीपा कुमारी ने फाइनल में सीआरपीएफ की खिलाड़ी को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ी सीआइएसएफ टीम से खेल रही थीं। आईटीबीपी टीम में अकादमी की राधा पाटीदार ने 51 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में 75 किलो भार वर्ग में अकादमी के मनीष ने रजत पदक हासिल किया। फाइनल में उनका मुकाबला सीआइएसएफ टीम के खिलाड़ी से हुआ, जिसमें उन्हें 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

Sanjay Roller Skating Association
Wheels on fire spirit on blaze
Skate, fall & repeat the path to perfection
Address : Campion School (International Skating Rink) E7 Arera Colony 1100 Quarters, Bhopal
Coach- Sanjay Mishra- 9754746731
Saransh Tripathi- 9111471785
TEAM CAMPION

MAYANK CHATURVEDI
CRICKET ACADEMY
Welcomes You
Facility Available
Bowling Machine
Turf & Cement Wickets
Flood Lights
Personal Attention on Every Child
Team of Dedicated Coaches
Promoting Girls Cricket
Van Facility Available
Old Campion Ground, Arera Colony, Bhopal Contact : 9425022635, 9827736777, 9827059094

मध्यप्रदेश अकादमी के शूटरों का जलवा, मावलंकर शूटिंग चैम्पियनशिप में जीते 9 पदक

भोपाल। पंजाब के पटियाला में आयोजित हुई XXXIV ऑल इंडिया जी.वी. मावलंकर शूटिंग चैम्पियनशिप (शॉटगन) में मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। 3 से 10 अक्टूबर तक चल रही इस प्रतियोगिता में एमपी के निशानेबाजों ने कुल 9 पदक 4 स्वर्ण, 4 रजत और 1 कांस्य जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। भोपाल की प्रज्ञा सेन ने यूथ, जूनियर और सीनियर तीनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर सभी का ध्यान खींचा, जबकि हर्षला शर्मा ने इन्हीं वर्गों में तीन रजत पदक अपने नाम किए। पुरुष वर्ग में उत्कर्ष दुबे ने यूथ वर्ग में स्वर्ण और जूनियर वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि जुबैर अली ने यूथ वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। खिलाड़ियों की इस सफलता ने एमपी के खेल क्षेत्र में नई ऊर्जा भरी है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है और इन खिलाड़ियों ने मेहनत, अनुशासन और लगन से प्रदेश का नाम ऊँचा किया है।

इन सभी खिलाड़ियों ने भोपाल स्थित मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण लिया है, जो देश की प्रमुख प्रशिक्षण संस्थाओं में से एक है। अत्याधुनिक सुविधाएं, अनुभवी कोच और अनुशासित माहौल ने खिलाड़ियों को मजबूत आधार दिया है। इन पदकों ने यह साबित किया है कि मध्यप्रदेश की प्रतिभाएँ राष्ट्रीय स्तर पर लगातार आगे बढ़ रही हैं। मावलंकर चैम्पियनशिप में मिली यह सफलता आने वाले युवा निशानेबाजों के लिए प्रेरणा बनेगी और प्रदेश के खेल परिदृश्य में नई चमक जोड़ेगी।

साहिल ने ISSF जूनियर विश्व कप में जीता कांस्य

भोपाल। नई दिल्ली में आयोजित ISSF जूनियर विश्व कप में मध्यप्रदेश के युवा निशानेबाज साहिल चौधरी ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने स्पोर्ट्स पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया। इस उपलब्धि ने साफ कर दिया है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अब लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। साहिल की सफलता ने युवा निशानेबाजों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया है। मध्यप्रदेश सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने साहिल को बधाई देते हुए कहा कि साहिल ने अपने कौशल और मेहनत से प्रदेश को गौरवान्वित किया है। मंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में साहिल अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी तिरंगा लहराएँगे। उन्होंने इसे प्रदेश के खेल ढांचे और खिलाड़ियों के बढ़ते आत्मविश्वास का परिणाम बताया। साहिल चौधरी की इस सफलता के पीछे मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी की अहम भूमिका रही। यहां उन्हें आधुनिक सुविधाएँ, अनुभवी कोचों का मार्गदर्शन और कठोर अनुशासन मिला। लगातार अभ्यास और मेहनत ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर चमकने का मौका दिया और अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी पदक जीतने में मदद की। उनकी यह उपलब्धि आने वाले युवा निशानेबाजों के लिए प्रेरणा बनेगी और खेलों में मध्यप्रदेश की बढ़ती ताकत को दर्शाएगी।

पवन और उदिता को ट्रिपल क्राउन, नीरज, रामगोपाल-कुलदीप भी बने चैम्पियन

भोपाल। नीरज मिलन ने अजीत सिंह को 21-19, 21-17 से हराकर 30वीं रिलायंस ट्रॉफी इंटर प्रेस बैडमिंटन प्रतियोगिता का सिंगल्स खताब जीता। जबकि युगल में रामगोपाल और कुलदीप सिंगोरिया की जोड़ी चैम्पियन बनी हैं। डबल्स फाइनल में रामगोपाल-कुलदीप ने अजय मौर्य-कृष्णकांत गंगवार की जोड़ी को 21-18, 18-21, 21-15 से हराया। ओपन कैटेगरी में पवन शर्मा और उदिता वर्मा ने ट्रिपल खिताब जीते। दोनों ने अपने-अपने वर्ग में सिंगल, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स ट्रॉफी अपने नाम की। सभी विजेताओं को चमचमाती ट्रॉफी और ट्रैकसूट से नवाजा गया। पुरस्कार वितरण इंटरनेशनल क्रिकेटर जेपी यादव, हॉकी ओलिंपियन समीर दाद, एवरेस्ट फतेह करने वाले मप्र के पहले पर्वतारोही भगवान सिंह कुशवाह, आयोजन संरक्षक मृगेंद्र सिंह और इंटरनेशनल कमेंटेटर दामोदर प्रसाद आर्य ने किया। तीन दिन तक टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित इस टूर्नामेंट में शहर के 150 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भागीदारी की। अब रिलायंस ट्रॉफी इंटर प्रेस टेबल-टेनिस टूर्नामेंट 11 और 12 अक्टूबर को टीटी नगर स्टेडियम में खेला जाएगा।

टूर्नामेंट का फाइनल परिणाम एक नजर में : नीरज मिलन विवि अजीत सिंह 21-19, 21-17। रामगोपाल-कुलदीप विवि केके-अजय 21-18, 18-21, 21-15। पवन शर्मा विवि सुनील पंड्या 21-19, 24-22। सुनील-पवन विवि नीरज-मनोज मिश्रा 21-17, 21-18। पवन-उदिता विवि मेहबूब खान- लतिका 21-12, 21-18।

नूतन वर्षाभिन्दन

अपेक्स बैंक

म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या.

अपेक्स बैंक
सशक्त सहकारिता; समृद्ध मध्यप्रदेश

क्यों देखें महज सपने, आईये करें उन्हें साकार
आकर्षक ब्याज दरों पर ऋण योजनाओं का लाभ उठायें

पर्सनल एवं वाहन ऋण
ब्याज दर - मात्र 9.00%★★

आवास ऋण
ब्याज दर - मात्र 8.50%★

अचल सम्पत्ति के बंधक पर ऋण
ब्याज दर - मात्र 8.50%★

लोडिंग ऑटो ऋण
ब्याज दर - मात्र 10.00%★

Roof Top Solar ऋण
ब्याज दर - मात्र 9.00%★

★ CIBIL SCORE 700 या उससे अधिक एवं NTC SCORE 150 या उससे अधिक होने पर

★★ केन्द्र शासन/राज्य शासन, शासकीय निगम, मण्डल, बोर्ड, समस्त सहकारी बैंकों/ संस्थाओं एवं राष्ट्रीयकृत बैंकों के नियमित कर्मचारियों का उपरोक्त SCORE होने पर ।

LNCT UNIVERSITY BHOPAL SM

NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK

Ranking of Indian Universities - 2025

Ministry of Education Government of India

TOP Ranked University

BY Education Post Magazine in IIRF University Ranking 2023

Shaping Future Industry Experts

Industry-Powered UG & PG Programs:

Powered by SMARTBRIDGE

B.Tech. CSE

(Advanced Salesforce Certifications)

Powered by L&T EduTech

B.Tech. EX

(Specialized in Electric Vehicles)

Powered by TNL

BBA

(Business Intelligence & Analytics)

B.Com

(E-Commerce & Retail Mgmt.)

Powered by Samatrix.io

B.Tech. CSE

(Artificial Intelligence & Machine Learning)

MCA

(Artificial intelligence & Machine Learning)

BCA

(Artificial Intelligence & Machine Learning)

MBA

(Data Analytics & Visualization)

Industry-Specialized University Courses:

Industry-specialized courses are designed to prepare students for specific sectors by blending academic knowledge with real-world skills. Key features include:

- Industry-Aligned Curriculum
- Practical Learning
- Industry Engagement
- Career-Focused Approach
- Expert Faculty
- Flexibility & Certifications

FEW OF OUR MAJOR RECRUITERS

Amazon, Deloitte, VMware, Walmart, Zscaler, Tata Communications, Deutsche Bank, Google, UBS, BNY Mellon, Cisco, TCS, EPAM, Infosys, Cognizant, Wipro, LTI Mindtree and many more...

ONE EXAM. ENDLESS FUTURES

ADMISSION 2025 THROUGH

LNCT CET

COMMON ENTRANCE TEST FOR UG PROGRAMS ONLY

EVERY SATURDAY & SUNDAY (APRIL 25 TO AUGUST 25)

744 077 7111 / 222 / 555

आरामदायक · सुविधाजनक · खुशियों से भरपूर ·

नकद निकासी | आरटीजीएस/ एनईएफटी | ऋण | पासबुक प्रिंटिंग | एफडी/आरडी खोलने के लिये

शाखा क्यो जाये ?

इसके बदले PNB OneApp अपनाये

एमपासबुक की जांच

निधि अंतरण तथा सुरक्षित और संरक्षित UPI लेनदेन

कार्ड रहित नकद निकासी

तत्काल सावधि जमा/ आवर्ती जमा खोलें

ऑनलाइन डिजीटल ऋण पाएं

और भी बहुत कुछ

PNB ONE कैसे प्राप्त करें ?

इस क्यूआरकोड को स्कैन करें और डाउनलोड करें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

हमें फॉलो करें: pnbindia | www.pnbindia.in

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक!

punjab national bank ...the name you can BANK upon!

योजना के प्रमुख उद्देश्य

- मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को कम मूल्य पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित कराना
- ट्रांसमिशन हानि कम करना एवं सीधे खपत स्थल पर बिजली पहुंचाना
- 33/11 केवी उपकेंद्रों पर ओवरलोडिंग, लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या कम करना
- किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध कराना

नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार

- सब-स्टेशन की 100% क्षमता तक की परियोजनाओं की स्थापना
- परियोजनाओं को पीएम कुसुम-सी योजनांतर्गत उपलब्ध केंद्रीय अनुदान का लाभ लेने का विकल्प
- 1900 से अधिक विद्युत सबस्टेशन एवं 14500 मेगावॉट क्षमता सौर परियोजनाओं के चयन हेतु उपलब्ध
- पीएम कुसुम योजना में 3.45 लाख पम्प का लक्ष्य
- वोकल फॉर लोकल - स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोज़गार सृजन का उचित अवसर
- वित्त पोषण की सुगमता के लिए बैंकों से समन्वय
- परियोजनाओं में AIF के तहत 7 वर्षों तक 3% ब्याज में छूट
- Reactive Power प्रबंधन से अतिरिक्त आय

D19181/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025